भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | रविवार, 12 जुलाई 2026 | 28 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 78, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

नीट पेपर लीक मामला

13 आरोपियों की न्यायिक हिरासत 24 तक बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट ने 13 आरोपितों की न्यायिक हिरासत 24 जुलाई तक बढ़ा दी है। विशेष न्यायाधीश सतीश कुमार ने यह आदेश आरोपितों की पेशी के बाद दिया। सीबीआई ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और भ्रष्टाचार निरोधक कानून की धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। आरोप है कि नीट परीक्षा का प्रश्नपत्र लीक कर कुछ लोगों तक पहुंचाया गया था। मामले में अब तक 13 आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। सीबीआई जांच के दौरान आरोपियों की भूमिका और प्रश्नपत्र के कथित लेन-देन की कड़ियां खंगाली जा रही हैं। कोर्ट ने इससे पहले कुछ आरोपितों को सीबीआई हिरासत में भी भेजा था।

थार से बांधकर एटीएम उखाड़ ले गए बदमाश

एजेंसी, भुवनेश्वर। ओडिशा के बालासोर जिले के तुड़ीगड़िया बाजार में बदमाशों ने फिल्मी अंदाज में एटीएम लूटने की कोशिश की। शुक्रवार रात करीब 2 बजे तीन-चार आरोपी काले रंग की महिंद्रा थार से इंडिया1 एटीएम कियोस्क पहुंचे। बदमाशों ने कियोस्क का दरवाजा तोड़कर एटीएम को रस्सी से बांधा और गाड़ी से खींचकर उखाड़ लिया। मशीन को घसीटते हुए ले जाते समय रस्सी टूट गई। बाद में उन्होंने सुनसान जगह पर एटीएम तोड़कर कैश निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे।

लखनऊ में फ्लाई दुबई विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी, लखनऊ। लखनऊ एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह फ्लाई दुबई के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। लैंडिंग के दौरान विमान से पक्षी टकरा गया, जिसके बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए विमान को सुरक्षित उतारा। चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुबह 7:13 बजे हुई लैंडिंग के बाद विमान में सवार 163 यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार दुबई से लखनऊ आ रही फ्लाइट एफजेड-443 खराब मौसम के कारण करीब 38 मिनट देरी से पहुंची थी। एयरपोर्ट के पास पहुंचते ही विमान बर्ड हिट का शिकार हो गया। विमान को जांच के लिए पार्किंग बे में खड़ा कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में कुख्यात ड्रग तस्कर हिरासत में

एजेंसी, जम्मू। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत उधमपुर में पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम के तहत कुख्यात ड्रग तस्कर संजय कुमार उर्फ संजू को हिरासत में लेकर भद्रवाह जिला जेल भेज दिया। वहीं सांबा, कठुआ और राजौरी जिलों में अलग-अलग कार्रवाई के दौरान चार अन्य आरोपियों को नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सांबा में 1.720 किलोग्राम अफीम का भूसा और 10.14 ग्राम हेरोइन, कठुआ में पांच ग्राम तथा राजौरी में 2.63 ग्राम हेरोइन बरामद की। सभी मामलों में एनडीपीएस अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने जब्त वाहन भी कब्जे में ले लिए हैं।

वियतनाम में टूरिस्ट बोट पलटी 32 भारतीय थे सवार, 15 की मौत

फु क्वोक द्वीप के पास हुआ हादसा, ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक

एजेंसी, हनोई

वियतनाम के फु क्वोक द्वीप के पास शनिवार को बोट पलट गई। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, इनमें से 32 भारतीय थे। 15 भारतीयों की मौत हो गई। ज्यादातर तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के पर्यटक थे। बोट पर कुल 4 क्रू मेंबर्स समेत 36 लोग सवार थे। 21 लोगों को बचा लिया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हादसा सुबह 10:30 बजे हुआ।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे की वजह समुद्र की ऊंची लहरें हो सकती हैं। जो वीडियो सामने आए, उनमें लहरें उठती दिख रही हैं। बताया जा रहा है कि टूरिस्ट लाइफ जैकेट नहीं पहने हुए थे। नाव जब पलटी तो टूरिस्ट नाव के नीचे फंस गए।

बोट भारतीय पर्यटकों को फु क्वोक द्वीप के पास स्थित 'होन मे रुट' से न्गोआई द्वीप घुमाने ले जा रही थी, लेकिन यह तट से लगभग 400 मीटर पहले ही पलट गई। न्गोआई द्वीप अपने साफ समुद्र, छोटे बीच और कोरल रीफ डाइविंग के लिए मशहूर है। यहां पहुंचने के लिए पर्यटक आमतौर पर एन थोई बंदरगाह से बोट या स्पीडबोट किराये पर लेते हैं।

हेल्पलाइन नंबर जारी, कंट्रोल रूम बनाया: इंडियन एंबेसी ने बताया कि यात्रियों की मदद के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। इससे संपर्क करने के लिए हेल्पलाइन नंबर +84 36 281 7930, +84 91 552 37 14 और +84 33 452 0414 जारी किए गए हैं।

32 भारतीयों में 2 महिलाएं भी बोट में थी सवार

वियतनाम में भारतीय दूतावास ने बोट में सवार भारतीयों के नाम जारी किए हैं। इसमें 2 महिलाएं भी शामिल है। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक, 3 आंध्र प्रदेश के नागरीक घायल है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे पर प्रधानमंत्री मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दुर्घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति उनकी गहरी संवेदनाएं हैं। साथ ही घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत का दूतावास और वाणिज्य दूतावास हरसंभव मदद पहुंचा रहे हैं। भारतीय अधिकारी वियतनाम के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच 18 समझौते

मोदी-लक्सम वार्ता में व्यापार, रक्षा व इंडो-पैसिफिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति

एजेंसी, ऑकलैंड

भारत और न्यूजीलैंड ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सम के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक के बाद दोनों देशों ने अगले पांच वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना कर वर्ष 2030 तक 35,000 करोड़ रुपए तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया। प्रधानमंत्री मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में न्यूजीलैंड पहुंचे थे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच आर्थिक, रक्षा तथा सामरिक संबंधों को नई दिशा देना रहा। इस यात्रा का मुख्य फोकस क्षेत्र में चीन के बढ़ते आक्रामक रुख के बीच इंडो-पैसिफिक में सहयोग बढ़ाना रहा है।

बैठक के बाद दोनों देशों ने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए 18 ठोस परिणामों और 10 प्रमुख समझौतों की घोषणा की। इनमें अगले चार वर्षों के लिए सहयोग का रोडमैप, इंडो-पैसिफिक समुद्री सहयोग ढांचा और भारतीय नौसेना तथा न्यूजीलैंड रक्षा बल के बीच आपसी लॉजिस्टिक्स सहायता समझौता प्रमुख हैं। संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा के महत्व पर जोर दिया। दोनों देशों ने समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए मैरीटाइम सिक्योरिटी डायलॉग स्थापित करने पर सहमति जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दो समुद्री देशों के रूप में भारत और न्यूजीलैंड का सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र को मजबूती प्रदान करेगा और शांति व स्थिरता के साझा लक्ष्यों को आगे बढ़ाएगा। बैठक में हाल ही में हुए मुक्त व्यापार समझौते को जल्द लागू करने पर भी सहमति बनी। दोनों देश व्यापारिक बाधाओं को दूर कर आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी और लक्सम ने मध्य पूर्व के हालात पर भी चर्चा की।

दोनों नेताओं ने बढ़ते तनाव पर चिंता जताते हुए सभी पक्षों से संयम बरतने, तनाव कम करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। दोनों देशों ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की जरूरत पर भी जोर दिया और सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए एक-दूसरे के समर्थन को दोहराया।

ऑकलैंड में मंच से दिखाया 30 साल पुराना मफलर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में भारतीयों समुदाय को संबोधित किया है। शनिवार को हुए कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि भारत-न्यूजीलैंड की साझेदारी आपसी मूल्यों और दोस्ती पर आधारित है। मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में वहां रहने वाले भारतीयों की अहम भूमिका पर जोर दिया तो साथ ही अपनी पुरानी न्यूजीलैंड यात्रा को भी याद किया। उन्होंने लोगों को एक मफलर दिखाते हुए बताया कि यह उनको पिछली न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान तोहफे में मिला था। ऑकलैंड में कम्युनिटी इवेंट के दौरान मोदी ने कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर यह मेरा पहला दौरा है, लेकिन मैं 25-30 साल पहले न्यूजीलैंड आ चुका हूं। उस वक्त मैं किसी सरकार का हिस्सा नहीं था और सार्वजनिक जीवन में मुझे कोई नहीं जानता था। तब मुझे न्यूजीलैंड में किसी ने तीन चीजें तोहफे में दी थीं।

नौसेना के बेड़े में शामिल हुआ स्वदेशी स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरी

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ **अत्याधुनिक हथियारों से लैस युद्धपोत बढ़ाएगा भारत की समुद्री ताकतः राजनाथ**

भारतीय नौसेना के बेड़े में स्वदेशी एडवांस्ड स्टेल्थ फ्रिगेट आईएनएस महेंद्रगिरी शामिल हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विशाखापत्तनम में इसका कमीशनिंग समारोह संपन्न किया। पूर्वी बेड़े का हिस्सा बनने वाला यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की निगरानी क्षमता और समुद्री ऑपरेशनल ताकत को और मजबूत करेगा।

प्रोजेक्ट-17ए के तहत बना 6,670 टन वजनी महेन्द्रगिरी भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजाइन और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में निर्मित किया गया है। इसमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग हुआ है, जिससे यह 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत का मजबूत उदाहरण बन गया है। युद्धपोत सुपरसोनिक सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइलों, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और अत्याधुनिक पनडुब्बी रोधी हथियार प्रणाली से लैस है। आधुनिक कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम इसे बहुआयामी समुद्री अभियानों के लिए सक्षम बनाता है। नौसेना के अनुसार, पिछले एक वर्ष में 12 युद्धपोत, एक पनडुब्बी और एक एयरक्राफ्ट स्क्वाड्रन को बेड़े में शामिल किया गया है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी बोले- एआई के दौर में युवाओं को नशे से बचाना सबसे बड़ी चुनौती

एजेंसी, चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि एआई के दौर में युवाओं को नशे से बचाना सबसे बड़ी चुनौती है। लिहाजा, सरकार केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि नशे की मांग को खत्म करने पर काम कर रही है। सरकार की ओर से एक्शन प्लान तैयार किया गया है कि नशा बेचने और नशा करने वालों पर निगरानी रखने के लिए हर गांव में टास्क फोर्स बनाई जाएगी। यही नहीं, नशे के खिलाफ लड़ाई को पुलिस, परिवार और समाज के साथ मिलकर लड़ने का फैसला लिया गया है।

मुख्यमंत्री शनिवार को पंचकूला में 'हरियाणा उदय' अभियान के तहत 'नशा मुक्त हरियाणा के लिए एनजीओ एवं केमिस्ट एसोसिएशनों के साथ संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि आज देश आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल टेक्नोलॉजी, इनोवेशन और स्टार्टअप के नए दौर में आगे बढ़ रहा है। भारत की युवा प्रतिभा आज पूरी दुनिया में अपनी क्षमता का परिचय दे रही है और देश के युवा नवाचार तथा उद्यमिता के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में यदि कोई युवा नशे की ओर बढ़ता है तो वह केवल अपना भविष्य ही नहीं खोता, बल्कि देश एक संभावित वैज्ञानिक, खिलाड़ी, उद्यमी, नवप्रवर्तक और राष्ट्र निर्माता को भी खो देता है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के लिए प्रत्येक युवा का जीवन अमूल्य है। युवाओं के सपने बड़े हैं, उनकी क्षमता असीमित है और उनका लक्ष्य विकसित भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाना होना चाहिए। नशा किसी भी युवा की मंजिल नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि सरकार कानून बना सकती है, पुलिस अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई कर सकती है और न्यायालय न्याय सुनिश्चित कर सकते हैं, लेकिन समाज की सोच को बदलने का कार्य स्वयं समाज ही कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल नशा बेचने वालों को गिरफ्तार करना नहीं है, बल्कि समाज में नशे की मांग को समाप्त करना भी है। जब परिवार जागरूक होंगे, समाज जागरूक होगा व युवा स्वयं नशे से दूरी बनाएंगे, तब नशे का अवैध कारोबार स्वत: कमजोर पड़ने लगेगा।

तेलंगाना में रेप के आरोपी ने जमानत मिलते ही कीं 6 हत्याएं

एजेंसी, तेलंगाना

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में नाबालिग से रेप के एक आरोपी ने जमानत पर बाहर आते ही 6 हत्याएं कर दीं। पहले उसने अपनी 30 साल की पत्नी, 4 साल और 18 महीने के दो बेटों की हत्या की।

इसके बाद वह करीब 6 किलोमीटर दूर दूसरे गांव पहुंचा। जहां उसने 17 साल की रेप पीड़िता, उसकी मां और नानी को भी मार दिया। लड़की ने 16 मई को पॉक्सो एक्ट के तहत आरोपी राजकुमार के खिलाफ रेप का केस दर्ज कराया था। लड़की के मामा नरेश ने बताया कि उसने मेरी चाची और भांजी की हत्या कर दी। उसने पहले भी लड़की को परेशान किया था और उस पर पोक्सो के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने धमकी दी थी वह एक-दो हफ्ते में पूरे परिवार को मार डालेगा। मामला दर्ज होने के बाद भी उसे पूछताछ या रिमांड के लिए नहीं ले जाया गया। उसके परिवार को पता था कि वह कहां है, लेकिन पुलिस को इसकी जानकारी नहीं थी और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। घटना के 20 दिन बाद हमने उन्हें फिर से बताया कि वह घूम रहा है और कह रहा है कि वह लड़की को मार डालेगा। उन्होंने कहा कि वह उसे ढूंढ रहे हैं। मामला दर्ज होने के सिर्फ दो दिन बाद ही वह जमानत पर बाहर आ गया था।

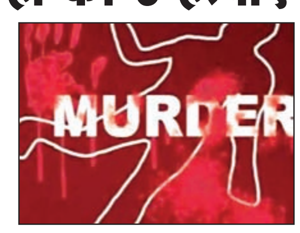

ट्रंप की 1000 मिसाइलों की धमकी के बीच तेहरान में धमाके, ईरान बोला- पुराना गोला व बारूद किया नष्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की ईरान पर 1000 मिसाइलों के हमलों की धमकी के बाद ईरान की राजधानी तेहरान बम धमाकों से गूंज उठी। ईरानी मीडिया ने पूर्वी तेहरान में बम धमाकों की खबरें दी। हालांकि ईरानी सरकारी मीडिया ने शनिवार को एक स्थानीय अधिकारी के हवाले से बताया कि तेहरान प्रांत के पूर्वी हिस्से में सुनाई दिया धमाका, युद्ध के समय बचे हुए गोला-बारूद को कंट्रोल तरीके से नष्ट करने की वजह से हुआ था।

पाकदश्त के गवर्नर ने कहा कि विस्फोट हालिया युद्ध से बचे गोला-बारूद के नियंत्रित निपटान के कारण हुआ था और इससे कोई खतरा नहीं था। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन सुनियोजित था और कोई घटना नहीं घटी है। अधिकारी ने कहा कि इस ऑपरेशन से नागरिकों को कोई खतरा नहीं था और कोई दुर्घटना नहीं हुई।

इससे पहले शनिवारी को ईरान के सरकारी मीडिया ने खबर दी थी कि तेहरान के पूर्वी हिस्से में धमाकों की आवाज सुनी गई। वहीं पाकदाश्त और कियामदाश्त के निवासियों ने धमाके की जानकारी दी, लेकिन धमाके की सही जगह और कारण का पता नहीं चल पाया था। इजराइल से मिली खुफिया जानकारी के बाद कि तेहरान, ट्रंप की हत्या की साजिश रच रहा है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने ईरान को नई चेतावनी दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने उनकी हत्या की कोशिश की तो अमेरिका ऐसा हमला करेगा, जैसा पहले कभी नहीं देखा होगा। ईरान की ओर 1000 मिसाइलें तैयार हैं और जरूरत पड़ने पर हजारों और मिसाइलें दागी जाएंगी। ट्रंप ने यह भी कहा किया कि अगर ईरान ने उन पर हमला किया तो ईरान को पूरी तरह से तबाह कर दिया जाएगा। शुक्रवार को ईरान ने अमेरिकी हमले में मारे गए सर्वोच्च नेता आयातुल्ला अली खामेनई को उनके गृहनगर मशहद में दफनाया। 28 फरवरी को हुए अमेरिकी-इजराइली हमलों में उनकी मौत हो गई थी, जिसके बाद मिडिल ईस्ट में संघर्ष शुरू हो गया था।

ट्रंप बोला- मेरी हत्या की कोशिश हुई तो मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी, वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उनकी हत्या की कोशिश की गई तो अमेरिका इसका सख्त जवाब देगा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ऐसी स्थिति के लिए अमेरिकी सेना को पहले से जरूरी निर्देश दिए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि अमेरिका किसी भी हमले की स्थिति में निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार है। हालांकि, ट्रंप ने अपने दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया है और ईरानी अधिकारियों ने भी ऐसी किसी आधिकारिक धमकी से इनकार किया है। दोनों देशों के बीच क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य गतिविधियों को लेकर तनाव बना हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

प्रतिकूल मौसम में भी जनता के बीच पहुंचे सीएम, गोरखपुर में किया जनता दर्शन

एजेंसी, गोरखपुर

'जनसेवा सर्वोपरि' के ध्येय से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह मौसम प्रतिकूल होने के बावजूद जन समस्याओं के निस्तारण के लिए 'जनता दर्शन' किया। बारिश में दूरदराज से आए लोगों से उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में मुलाकात की। उनकी समस्याएं सुनीं। समस्या लेकर आए लोगों से आत्मीयता से संवाद करते हुए कहा, 'घबराइए मत, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा, सरकार सबकी भरपूर मदद करेगी।' जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने पास में मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर पीड़ित व्यक्ति की समस्या पर संवेदनशीलता से ध्यान दें और तत्परता से उसका समयबद्ध व पारदर्शी निस्तारण कराएं।

बारिश के चलते मुख्यमंत्री के निर्देश पर लोगों की सुविधा के लिए शनिवार सुबह जनता दर्शन का आयोजन गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में किया गया। इस दौरान योगी ने करीब 250 लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को उनका समाधान करने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में कुछ महिलाओं ने पट्टीदारों द्वारा तो कुछ ने दबंगों द्वारा उनकी जमीन कब्जा करने की शिकायत की। इस पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पारिवारिक जमीनी विवादों की स्थिति में पैमाइश व अन्य जांच कराने के बाद निष्पक्ष निस्तारण किया जाए। यदि किसी दबंग ने किसी गरीब की जमीन हड़पी है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। हर बार की तरह शनिवार को भी जनता दर्शन में कुछ लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। ऐसे मामलों में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इलाज में अस्पताल के इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द पूर्ण कराकर शासन के पास भेजें।

जनसेवा शिविर में सीएम धामी ने सुनीं फरियादें

सहसपुर में मुख्यमंत्री ने समस्याओं के त्वरित समाधान के दिए निर्देश

एजेंसी, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को देहरादून जिले के सहसपुर में आयोजित जनसेवा शिविर में लोगों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश दिए।

राज्य सरकार के अनुसार 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' अभियान के तहत चार जुलाई से प्रदेशभर में जनसेवा शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जिनका अब तक 65 हजार से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं। शनिवार को आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य सरकार और जनता के बीच की दूरी कम करना तथा नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों से जनहित से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करने को कहा।

शिविर के दौरान सहसपुर निवासी बबली देवी ने मुख्यमंत्री से सिलाई मशीन उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद संबंधित अधिकारियों ने उसी दिन उनके घर सिलाई मशीन उपलब्ध करा दी, जिससे उन्हें स्वरोजगार के लिए सहायता मिली।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ

मुख्यमंत्री ने शिविर में सड़क, बिजली, श्मशान भूमि, ओपन जिम और अन्य जनसुविधाओं से संबंधित शिकायतें भी सुनीं तथा अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर इनके समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। इसी सोच के साथ प्रशासन को जनता के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं का प्रभावी समाधान करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार के अनुसार चार जुलाई से संचालित इस अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न जनसेवा शिविरों के माध्यम से बड़ी संख्या में नागरिकों को सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

सौगात मुख्यमंत्री सुक्खू ने चमियाना में अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई मशीन का किया शुभारंभ

हिमाचल में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने शिमला स्थित अटल इंस्टीच्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज़, चमियाना (एआईएमएसएस) में अत्याधुनिक 3-टेस्ला एमआरआई सुविधा का शुभारंभ किया। इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी) शिमला के बाद एआईएमएसएस प्रदेश का दूसरा सरकारी स्वास्थ्य संस्थान बन गया है, जहां यह आधुनिक इमेजिंग तकनीक उपलब्ध करवाई गई है।

करीब 23 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित यह मशीन बेहतर गुणवत्ता की इमेजिंग, कम समय में जांच और अधिक सटीक निदान की सुविधा प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को अत्याधुनिक चिकित्सा तकनीक से लैस करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इससे चिकित्सकों को जटिल बीमारियों की पहचान और उपचार में बेहतर सहायता मिलेगी।

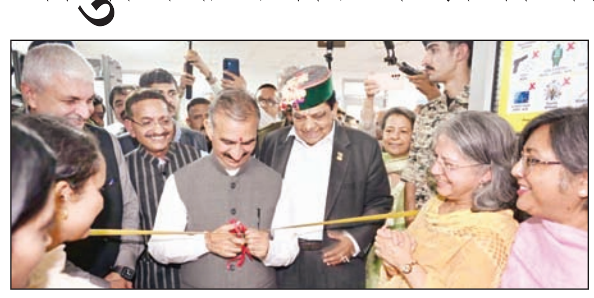

मुख्यमंत्री ने कहा कि अब मरीजों को एमआरआई जांच के लिए अन्य संस्थानों में नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और धन दोनों की बचत होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य और शिक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं और इन क्षेत्रों को मजबूत करने के लिए धन की कमी आड़े नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार सभी सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों को आधुनिक तकनीक और उन्नत जांच उपकरणों से सुसज्जित कर रही है। साथ ही चिकित्सकों के रिक्त पदों को भरने और योग्य चिकित्सकों को सेवाओं में बनाए रखने के लिए बेहतर वेतन सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीएमसी शिमला में 19 वर्ष पुरानी एमआरआई मशीन को हटाकर नई 3-टेस्ला एमआरआई प्रणाली स्थापित की गई है। आने वाले समय में प्रदेश के अन्य चिकित्सा महाविद्यालयों में भी ऐसी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों में 125 करोड़ रुपये की लागत से स्वचालित प्रयोगशालाएं स्थापित की जाएंगी, जिससे जांच की गुणवत्ता और उपचार व्यवस्था में सुधार होगा।

चमियाना संस्थान को जल्द मिलेगी ई-बस सेवा

मुख्यमंत्री ने कहा कि चमियाना संस्थान तक बेहतर आवागमन के लिए संपर्क मार्ग का निर्माण शुरू हो चुका है और ई-बस सेवा भी शुरू की जाएगी। इसके अलावा सीनियर रेजिडेंट पदों में वृद्धि, 800 नर्सिंग पदों की भर्ती और 200 एसोसिएट प्रोफेसरों की नियुक्ति प्रक्रिया भी जारी है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने एआईएमएसएस मोबाइल एप्लीकेशन और स्वच्छता निगरानी प्रणाली का भी शुभारंभ किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, विधायक हरीश जनारथा, नगर निगम शिमला के महापौर सुरेन्द्र चौहान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

शिमला

भारतेन्दु शिखर

खेलों से नशामुक्त होंगे युवा : रोहित ठाकुर

शिक्षा मंत्री ने बटाड़ गांव में वॉलीबॉल टूर्नामेंट का किया शुभारंभ, जुब्बल क्षेत्र की उपलब्धियां गिनाईं

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने अपने प्रवास के दौरान जुब्बल क्षेत्र की ग्राम पंचायत कठासु के अंतर्गत बटाड़ गांव में नवयुवक मंडल स्टेटा ब्रदर्स बटाड़ द्वारा आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता शनिवार को की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि युवाओं के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ-साथ खेलों की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि खेलें नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखती हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और सशक्त समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का नियमित आयोजन आवश्यक है।

रोहित ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार खेल अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ठाकुर रामलाल राजकीय बालिका खेल विद्यालय, जुब्बल की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जहां वॉलीबॉल सहित आठ खेलों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। खेल छात्रावास के बेहतर संचालन के लिए हाल ही में मंत्रिमंडल ने 32 नए पदों को भी स्वीकृति प्रदान की है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार प्रदेश के संतुलित एवं समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन वर्षों में जुब्बल-नावर-कोटखाई विधानसभा क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है। विभिन्न क्षेत्रों में करोड़ों रुपये की विकास परियोजनाएं या तो पूरी हो चुकी हैं अथवा तेजी से प्रगति पर हैं। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत कठासु में 50 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का निर्माण कार्य जारी है तथा सड़क निर्माण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। विधानसभा क्षेत्र में 181 नई सड़कों का निर्माण एवं स्वीकृति दी गई है।

उन्होंने बताया कि 18 करोड़ 37 लाख रुपये की लागत से भगोली-बरथाटा सड़क का स्तरोन्नयन कार्य लगभग 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है, जबकि कठासु-सावड़ा सड़क का स्तरोन्नयन 19.13 लाख रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिसका लगभग 50 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। उन्होंने कहा कि 1 करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बरथाटा (बटाड़गलू) रिकॉर्ड दो वर्षों में बनकर तैयार हुआ है, जिससे बरथाटा, कठासु तथा बढ़ाल पंचायतों के हजारों लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा।

शिक्षा मंत्री ने बताया कि बटाड़ में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। खेल मैदान में हाईमास्ट लाइट स्थापित कर दी गई है तथा भविष्य में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी। इसके अतिरिक्त बटाड़गलू में जल शक्ति विभाग के निरीक्षण कुटीर का निर्माण कार्य भी आरंभ हो चुका है। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने स्थानीय नवयुवक मंडल को खेल गतिविधियों के प्रोत्साहन के लिए 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मेहता, जिला परिषद सदस्य मीनाक्षी मांजटा एवं नेहा मेहता, पंचायत समिति अध्यक्ष कमलेश झगटा, उपाध्यक्ष लोकपाल शरखोली, ग्राम पंचायत कठासु के प्रधान लोकपाल जस्टा, बीडीसी सदस्य दिनेश पांजटा, उपप्रधान उदय दुलटा, ग्राम पंचायत बढ़ाल की प्रधान सरोज घमटा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष दीपक काल्टा, एसडीएम जुब्बल, विभिन्न विभागों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हिमाचल की ममता वर्मा बनीं डीडी न्यूज की महानिदेशक, प्रदेश में गौरव का माहौल

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला से संबंध रखने वाली भारतीय सूचना सेवा (आईआईएस) की वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ममता वर्मा के डीडी न्यूज़ के महानिदेशक पद पर नियुक्त होने से हिमाचल प्रदेश में खुशी और गौरव का वातावरण है। डीडी न्यूज के महानिदेशक का यह प्रतिष्ठित दायित्व चैनल की संपूर्ण संपादकीय एवं प्रशासनिक व्यवस्था के नेतृत्व से जुड़ा है। इससे पहले श्रीमती ममता वर्मा भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय में संयुक्त सचिव के महत्वपूर्ण पद पर अपनी सेवाएं दे रही थीं।

इस अवसर पर दिल्ली में रह रहे हिमाचलियों की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल ने श्रीमती ममता वर्मा से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पारंपरिक हिमाचली टोपी, मां ज्वालामुखी जी का चित्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ममता वर्मा की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। उनका प्रशासनिक अनुभव, कार्यकुशलता और दूरदर्शी नेतृत्व निश्चित रूप से डीडी न्यूज़ को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संस्थाओं ने विश्वास व्यक्त किया कि ममता वर्मा अपनी नई जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए निष्पक्ष, प्रभावी और जनहितकारी संचार व्यवस्था को नई दिशा प्रदान करेंगी। उनकी यह उपलब्धि हिमाचल के युवाओं, विशेषकर प्रशासनिक एवं जनसंचार क्षेत्र में आगे बढ़ने के इच्छुक युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत साबित होगी। प्रतिनिधिमंडल में हिमाचल पालमपुर सुधार सभा के अध्यक्ष विजय डोगरा, ज्वालामुखी विकास सभा के महासचिव राकेश चंद्र, हिमाचल कल्याण सभा के सचिव राजेंद्र ठाकुर और समाजसेवी योगेंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। संस्थाओं ने ममता वर्मा के सफल, गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

स्वयंसेवियों ने दिया स्वच्छता, नशा मुक्ति का संदेश

चियोग स्कूल में एनएसएस शिविर संपन्न, 33 स्वयंसेवियों ने लिया भाग

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) का सात दिवसीय विशेष शिविर शनिवार को उत्साहपूर्वक संपन्न हो गया। शिविर में 33 स्वयंसेवियों ने भाग लेकर सामाजिक सेवा, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति जैसे विषयों पर सक्रिय सहभागिता निभाई।

समापन समारोह में ग्राम पंचायत चियोग के पूर्व प्रधान दिनेश जगटा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त माध्यम है, जहाँ शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक दायित्व, सेवा भावना और व्यावहारिक ज्ञान का विकास होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासित एवं नशामुक्त जीवन अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि शिविर में अर्जित अनुभवों और ज्ञान का उपयोग समाज व अपने गांव के विकास में करें।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संदीप कुमार शर्मा ने बताया कि सात दिवसीय शिविर के दौरान विभिन्न क्षेत्रों के स्रोत व्यक्तियों ने स्वयंसेवियों को अनेक महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी। शिविर में विद्यार्थियों को प्राकृतिक भ्रमण भी करवाया गया। इसके अलावा स्वयंसेवियों ने विद्यालय द्वारा गोद लिए गए गांव बखोग में जल स्रोतों की सफाई, आसपास के क्षेत्रों में स्वच्छता अभियान चलाया तथा ग्रामीणों को नशा मुक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

कार्यक्रम अधिकारी विजयलक्ष्मी शर्मा एवं राकेश रावत ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग देने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति, समस्त अध्यापकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर स्कूल कैप्टन स्नेहा महंता, एनएसएस कैप्टन अंशु ठाकुर तथा सेजल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। स्वयंसेवियों ने एनएसएस गीत, सद्भावना गीत तथा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। समारोह में विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रमेश वर्मा, समाजसेवी शिव सिंह जगटा, शिवदत्त शर्मा, राजेंद्र वर्मा, उप प्रधान भगत सिंह जगटा, एसएमसी सदस्य, शिक्षक, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। शिविर का समापन राष्ट्र निर्माण, सेवा और सामाजिक जागरूकता के संकल्प के साथ हुआ।

सात साल पुराने चोरी के मामले में उद्घोषित अपराधी गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने वर्ष 2019 के एक चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सात साल पुराने मामले के उद्घोषित अपराधी को गिरफ्तार किया है। आरोपी जमानत पर रिहा होने के बाद अदालत में पेश नहीं हुआ था। इसके बाद अदालत ने उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया था।

यह मामला पुलिस थाना कोटखाई में वर्ष 2019 में दर्ज हुआ है। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 454 और 380 के तहत केस दर्ज किया गया था। आरोप है कि कोटखाई क्षेत्र के गांव छोल में एक घर के ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण और 50 हजार रुपये की नकदी चोरी की गई थी।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी अक्षु राक्टा उर्फ नीरू पुत्र दौलत राम, निवासी गांव पुंगरिश, डाकघर एवं तहसील कोटखाई, जिला शिमला को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी गया सामान भी बरामद किया था। जांच पूरी होने के बाद मामले का चालान अदालत में पेश कर दिया गया।

पुलिस ने बताया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी जमानत पर रिहा होने के बाद फरार हो गया। अदालत में लगातार पेश नहीं होने पर माननीय न्यायालय ने 16 जुलाई 2025 को उसे उद्घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। शिमला पुलिस की ओर से फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान पुलिस थाना कोटखाई की टीम ने लगातार तलाश जारी रखी। इसी अभियान के तहत पुलिस ने आरोपी को कोटखाई क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अब न्यायालय में पेश किया जा रहा है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने शनिवार को बताया कि जिले में फरार और उद्घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पुलिस की मकान में दबिश, अफीम व लाखों की नकदी सहित एक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के बालूगंज थाना अंतर्गत चौड़ा मैदान इलाके में एक मकान में पुलिस की दबिश के दौरान करीब एक किलोग्राम अफीम, दो इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनें और 2 लाख 12 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। इस मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार, नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत 10 जुलाई को स्पेशल सेल शिमला की टीम गश्त और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान पुलिस को विश्वसनीय सूचना मिली कि चौड़ा मैदान स्थित एक मकान में अफीम रखी गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम नियमानुसार मकान में तलाशी के लिए पहुंची।

तलाशी के दौरान पुलिस ने मकान से 991 ग्राम अफीम, दो इलेक्ट्रॉनिक तौल मशीनें और 2 लाख 12 हजार रुपये नकद बरामद किए। पुलिस ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। इस मामले में सुरिन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय धीरज सिंह, निवासी चौड़ा मैदान, शिमला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना बालूगंज में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिमला के एसएसपी गौरव सिंह ने शनिवार को बताया कि मामले की गहन जांच जारी है। यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद अफीम कहां से लाई गई थी और इस मामले में किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका है या नहीं।

मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना से रोहित के सपनों को मिला अपना आशियाना

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने निर्माणाधीन घर का किया निरीक्षण, समयबद्ध ढंग से कार्य पूरा करने के दिए निर्देश

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना बेसहारा एवं अनाथ बच्चों के जीवन में नई उम्मीद का संचार कर रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा प्राप्त बच्चों को न केवल आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है, बल्कि उनके सम्मानजनक और आत्मनिर्भर जीवन का मार्ग भी प्रशस्त किया जा रहा है।

इसी कड़ी में जिला शिमला में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत 29 चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट के लिए स्थायी आवास निर्माण का कार्य प्रगति पर है। शुक्रवार देर सायं उपायुक्त शिमला अनुपम कश्यप ने शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत जनोल के गांव कियाना में योजना के लाभार्थी रोहित के निर्माणाधीन घर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए, ताकि लाभार्थी शीघ्र अपने नए घर में प्रवेश कर सके। निरीक्षण के दौरान एसडीएम शिमला ग्रामीण मंजीत शर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी ममता पॉल, खंड विकास अधिकारी बृजेश तथा अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

रोहित का जीवन अनेक कठिन परिस्थितियों से होकर गुजरा है। वर्ष 2013 में मात्र 13 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने पिता चुन्नी लाल को खो दिया, जो आईपीएच विभाग में कार्यरत थे। परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। कुछ समय बाद उनकी माता विमला को विभाग में अनुकंपा के आधार पर चपरासी के पद पर नियुक्ति मिली, जिससे परिवार किसी तरह संभलने लगा। इस बीच बड़ी बहन का विवाह हो गया, लेकिन वर्ष 2019 में माता के निधन के बाद रोहित पूरी तरह अकेले हो गए। कुछ समय तक वे अपने दादा के साथ रहे।

वर्ष 2023 में मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना लागू होने के बाद रोहित को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' का दर्जा मिला और उन्हें प्रतिमाह चार हजार रुपये की वित्तीय सहायता मिलने लगी। योजना के अंतर्गत विभाग ने उनके लिए आवास निर्माण की प्रक्रिया पूरी की और उन्हें तीन लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई। इसी सहायता से रोहित अपने लिए एक पक्का मकान बना रहे हैं, जिसमें एक कमरा, रसोईघर और स्नानघर की सुविधा होगी। हाल ही में भवन का लैंटर डाला गया है तथा रोहित ने प्रशासन को आश्वस्त किया है कि अगले दो महीनों में निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। वर्तमान में वे दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। अक्टूबर 2025 में उनका विवाह हुआ और अब वे एक बच्चे के पिता भी हैं।

उपायुक्त अनुपम कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उन बच्चों के जीवन को नई दिशा देने का एक संवेदनशील प्रयास है, जिन्होंने अपने माता-पिता का साया खो दिया है। उन्होंने कहा कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा के साथ-साथ फील्ड में जाकर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि जिला के अन्य क्षेत्रों में भी मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत निर्माणाधीन आवासों का निरीक्षण किया जाएगा। सभी बाल विकास परियोजना अधिकारियों (सीडीपीओ) को निर्देश दिए गए हैं कि निर्माण कार्य पूर्ण होने तक प्रत्येक तीन माह में फोटो सहित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि इन बच्चों तक सरकार की प्रत्येक सुविधा समय पर पहुंचे, यह जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।

रोहित ने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू तथा जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि माता-पिता के निधन के बाद उन्हें भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका अपना घर भी बन पाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना ने उनके जीवन में नई आशा का संचार किया है। सरकार से मिली आर्थिक सहायता के कारण उनका सपना साकार हो रहा है और अब वे अपने परिवार के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जीने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि यह योजना उनके जैसे अनेक बेसहारा युवाओं के लिए नई जिंदगी का आधार बनी है।

शिमला के मॉल रोड पर पहुंचा यूके का 'फिट-फिट'

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राजधानी शिमला के मॉल रोड पर शनिवार को एक सजा-धजा तीन पहिया ऑटो-रिक्शा (फिट-फिट) लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा। जानकारी के अनुसार यह ऑटो शेरे पंजाब की ओर से मॉल रोड पर पहुंचा, जिसमें विदेशी मूल के तीन लोग सवार थे।

ऑटो पर यूनाइटेड किंगडम (यूके) के 'यूनियन जैक' का पेंट किया गया था। इसका पंजीकरण नंबर च07ब्ब्2685 है। ऑटो के ऊपरी हिस्से पर रंग-बिरंगे तिब्बती प्रार्थना ध्वज (प्रेयर फ्लैग्स) लगाए गए थे, जबकि छत पर एक नीले रंग का कार्टून कैरेक्टर (डोरेमोन जैसा खिलौना) रखा गया था। विंडशील्ड पर 178 नंबर का स्टिकर भी लगा हुआ था। मामले की सूचना मिलने के बाद यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन के संबंध में आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस द्वारा वाहन की जांच कर नियमों के अनुसार आगे की प्रक्रिया अपनाई जा रही है।

अवैध शराब तस्करी पर शिकंजा 132 बोतलों के साथ एक दबोचा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी और बिक्री के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिड़गांव क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 11 पेटी अवैध शराब बरामद की है। मामले में एक व्यक्ति के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार, 10 जुलाई को एसडीपीओ कार्यालय रोहड़ू की पुलिस टीम क्षेत्र में नियमित जांच कर रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से कुल 132 बोतल अवैध शराब बरामद हुई। बरामद शराब में 48 बोतल रॉयल स्टैग व्हिस्की, 48 बोतल सुपर संतरा, 24 बोतल संतरा नंबर-1 और 12 बोतल थंडरबोल्ट बीयर शामिल हैं। यह शराब कुल 11 पेटियों में रखी गई थी।

पुलिस ने इस मामले में चिड़गांव निवासी शीशपाल पुत्र रामनाथ के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 39(1)(ए) के तहत मामला दर्ज किया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि मामले की जांच जारी है। जांच के दौरान यह पता लगाया जा रहा है कि बरामद शराब कहां से लाई गई थी और इसे कहां पहुंचाया जाना था।

घोटालों की जननी कांग्रेस को राम मंदिर पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं : राकेश जम्वाल

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी भगवान श्रीराम की आस्था को भी राजनीतिक हथियार बनाने से बाज नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने दशकों तक श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया और राम मंदिर निर्माण में हर स्तर पर अड़चनें पैदा कीं, वही आज करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था के नाम पर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है।

राकेश जम्वाल ने कहा कि यदि किसी राजनीतिक दल को भ्रष्टाचार पर बोलने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए तो वह कांग्रेस है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में ऐसे-ऐसे महाघोटाले हुए जिनकी राशि गिनना भी कठिन था और जिनसे देश की छवि विश्वभर में धूमिल हुई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने शासनकाल के काले अध्यायों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश आज भी कांग्रेस शासन के दौरान हुए 2जी स्पेक्ट्रम घोटाले (लगभग ₹1.76 लाख करोड़), कोयला आवंटन (कोलगेट) घोटाले (लगभग ₹1.86 लाख करोड़), कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले (लगभग ₹70,000 करोड़ के कथित अनियमितता के आरोप), अगस्ता वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर सौदा, आदर्श हाउसिंग सोसाइटी घोटाला, नेशनल हेराल्ड मामला, चारा घोटाला, बोफोर्स तोप सौदा, एयरसेल-मैक्सिस मामला, तत्रा ट्रक सौदा और अनेक अन्य भ्रष्टाचार के मामलों को भूला नहीं है। इन घोटालों ने कांग्रेस की कार्यशैली को देश के सामने उजागर किया था।

भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस के नेता आज पारदर्शिता की बातें कर रहे हैं, जबकि उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार व्यवस्था का हिस्सा बन गया था। राकेश ने कहा कि श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था के केंद्र हैं और राम मंदिर किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की श्रद्धा का प्रतीक है। यदि किसी भी विषय पर जांच की आवश्यकता होगी तो वह कानून के अनुसार होगी, लेकिन कांग्रेस को बिना तथ्यों के केवल राजनीतिक लाभ लेने के लिए भगवान श्रीराम और राम मंदिर को विवादों में घसीटने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को पहले अपने भ्रष्टाचार के इतिहास पर जवाब देना चाहिए, क्योंकि देश ने देखा है कि उसके शासनकाल में किस प्रकार एक के बाद एक बड़े घोटाले सामने आए।

अंत में उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और देश की जनता कांग्रेस की इस राजनीति को भली-भांति समझती है। जनता जानती है कि जब भी कांग्रेस के पास जनहित के मुद्दे नहीं होते, तब वह आस्था और भ्रम फैलाने की राजनीति का सहारा लेती है। भाजपा ऐसे दुष्प्रचार का तथ्यों और जनविश्वास के आधार पर मजबूती से जवाब देती रहेगी।

कार्यशाला जुन्गा फॉरेंसिक लैब में ड्रग विश्लेषण पर कार्यशाला, विशेषज्ञों ने साझा की आधुनिक तकनीकें

बद्दी-ऊना-नूरपुर में खुलेंगी ड्रग टेस्टिंग लैब: महाजन

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के निदेशालय फॉरेंसिक सेवाएं जुन्गा में ड्रग विश्लेषण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य न्यायालयिक ड्रग परीक्षण के क्षेत्र में वैज्ञानिक क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा राज्य की सभी न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशालाओं में मादक पदार्थों के विश्लेषण हेतु एक समान वैज्ञानिक मानकों का विकास करना है ।

कार्यशाला का शुभारंभ डॉ. मीनाक्षी महाजन, निदेशक, फॉरेंसिक सेवाएं, ने अपने संबोधन में कहा कि यह कार्यशाला मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा 7वीं राष्ट्रीय नारकोटिक्स समन्वय बैठक के दौरान दिए गए निर्देशों के अनुपालन में आयोजित की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढ़ती नशे की समस्या से प्रभावी रूप से निपटने के लिए वैज्ञानिक एवं साक्ष्य-आधारित जांच प्रणाली को और अधिक सुदृढ़ करना आवश्यक है।

डॉ. महाजन ने कहा कि न्यायालयिक विज्ञान कानून प्रवर्तन एजेंसियों एवं आपराधिक न्याय प्रणाली को सटीक, विश्वसनीय और न्यायालय में स्वीकार्य वैज्ञानिक साक्ष्य उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने न्यायालयिक विष विज्ञान के क्षेत्र में मानकीकृत प्रक्रियाओं को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि प्रयोगशाला परीक्षण एवं रिपोर्टिंग में गुणवत्ता, एकरूपता और विश्वसनीयता सुनिश्चित की जा सके।

डॉ. महाजन ने आगे बताया कि हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा बद्दी, ऊना और नूरपुर में तीन समर्पित ड्रग टेस्टिंग प्रयोगशालाओं की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन प्रयोगशालाओं के स्थापित होने से मादक पदार्थों के सेवन की जांच हेतु जैविक नमूनों का त्वरित एवं वैज्ञानिक विश्लेषण संभव होगा।

कार्यशाला के मुख्य तकनीकी वक्ता डॉ. एके जायसवाल, वैज्ञानिक-सह-वरिष्ठ रसायनज्ञ, फॉरेंसिक चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली रहे। उन्होंने फॉरेंसिक ड्रग विश्लेषण के क्षेत्र में नवीनतम वैज्ञानिक प्रगति, आधुनिक विश्लेषणात्मक तकनीकों, गुणवत्ता नियंत्रण उपायों तथा प्रयोगशाला की सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर अपने विशेषज्ञ विचार साझा किए।

इस कार्यशाला में राज्य फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, जुन्गा, क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, उत्तरी परिक्षेत्र, धर्मशाला, तथा क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला, मध्य परिक्षेत्र, मंडी के फॉरेंसिक विशेषज्ञों एवं वैज्ञानिक अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला में जैविक नमूनों एवं विसरा में मादक पदार्थों, मनरूप्रभावी पदार्थों, विषों तथा उनके मेटाबोलाइट्स के गुणात्मक एवं मात्रात्मक विश्लेषण हेतु एक समान मानक संचालन प्रक्रिया विकसित करने पर विस्तृत चर्चा की गई।

प्रवक्ता डॉ. एस.के. पाल, प्रवक्ता, ने बताया कि निदेशालय फॉरेंसिक वैज्ञानिकों की व्यावसायिक दक्षता को निरंतर बढ़ाने, प्रयोगशाला अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा वैश्विक स्तर पर स्वीकृत वैज्ञानिक मानकों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कानून प्रवर्तन एजेंसियों एवं न्याय प्रणाली को उच्च गुणवत्ता वाली फॉरेंसिक सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें।

न्यूज ब्रीफ

पत्नी का जन्मदिन मनाकर सोए युवक की संदिग्ध मौत, परिवार सदमे में

भारतेंदु संवाददाता, नैनीताल। नैनीताल के लालकुआं क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पत्नी के जन्मदिन पर सरप्राइज देने हरिद्वार से घर आए 30 वर्षीय कमल आर्य की अचानक मौत हो गई। कमल ने रात में परिवार के साथ पत्नी का जन्मदिन मनाया और सुबह ड्यूटी पर लौटना था। लेकिन सुबह पत्नी के जगाने पर वह नहीं उठे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जांच में साइलेंट हार्ट अटैक की आशंका जताई गई है।

रुड़की बिजली विभाग की लापरवाही उजागर दूसरे के मकान पर जारी हुआ कनेक्शन

भारतेंदु संवाददाता, रुड़की। गलत पते पर बिजली कनेक्शन जारी करने का मामला सामने आया है। रुड़की विद्युत वितरण खंड ने एक व्यक्ति के आवासीय पते पर किसी अन्य व्यक्ति के नाम से बिजली कनेक्शन जारी कर दिया। असली मकान मालिक को इसकी जानकारी तब मिली जब वर्ष 2025 में कनेक्शन काटने का नोटिस उनके पते पर पहुंचा। मामले को लेकर राज्य सूचना आयोग में शिकायत की गई। आयोग ने बिजली विभाग के अधिकारियों को जांच कर जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड में आज शाम तक बाधित रहेगी 104 हेल्पलाइन

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और परामर्श के लिए संचालित 104 हेल्पलाइन सेवा अगले कुछ दिनों तक प्रभावित रहेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से हेल्पलाइन के तकनीकी ढांचे को मजबूत करने के लिए मरम्मत और सुधार कार्य किया जा रहा है। इसके चलते 12 जुलाई तक कॉल रिसीव होने और सेवाएं उपलब्ध कराने में कुछ देरी हो सकती है। हेल्पलाइन की नोडल अधिकारी डॉ. अरिता सक्सेना ने बताया कि कार्य को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जा रहा है। 104 सेवा के माध्यम से स्वास्थ्य सलाह मानसिक स्वास्थ्य परामर्श शिकायतों का समाधान और सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी जाती है।

बीकेटीसी पर बढ़े सवाल, चढ़ावा प्रकरण के बाद नए विवादों ने घेरा

लैपटॉप से वीआईपी दर्शन तक, बीकेटीसी के कई मामलों पर गरमाई सियासत

बदरीनाथ मंदिर समिति की पारदर्शिता पर बहस तेज, विपक्ष ने मांगी जांच।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। बदरीनाथ धाम में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितता का मामला सामने आने के बाद श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) लगातार नए विवादों में घिरती जा रही है। चढ़ावा प्रकरण की जांच अभी जारी है, लेकिन इस बीच लैपटॉप, दान में मिले वाहनों और वीआईपी दर्शन व्यवस्था जैसे अन्य मामलों पर भी सवाल उठने लगे हैं। इन घटनाओं ने मंदिर समिति की कार्यप्रणाली को लेकर पारदर्शिता और जवाबदेही पर बहस तेज कर दी है।

चढ़ावा प्रकरण में एक कर्मचारी के निलंबन और एफआईआर दर्ज होने के साथ ही शासन ने गढ़वाल आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की है। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। इसके बावजूद कांग्रेस, उत्तराखंड क्रांति दल और आम आदमी पार्टी लगातार सरकार और बीकेटीसी पर सवाल उठा रहे हैं तथा विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन और पुतला दहन कर निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

इसी बीच बीकेटीसी को विभिन्न बैंकों की ओर से उपलब्ध कराए गए करीब 20 से 22 लैपटॉप के कथित रूप से गायब होने का मामला भी चर्चा में आ गया है। इसके अलावा दान में मिली एंबुलेंस और टेंपो ट्रैवलर वाहनों के संबंध में भी सवाल उठ रहे हैं।

हालांकि इन मामलों पर आधिकारिक जांच या निष्कर्ष अभी सार्वजनिक नहीं हुए हैं, लेकिन लगातार सामने आ रहे आरोपों ने विवाद को और गहरा कर दिया है। मंदिर समिति के ऋषिकेश स्थित कैंप कार्यालय को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

आलोचकों का कहना है कि बीकेटीसी का मुख्यालय जोशीमठ होने और ऋषिकेश में समिति की अपनी धर्मशालाएं होने के बावजूद किराये पर कैंप कार्यालय संचालित किया जा रहा है। इससे अनावश्यक वित्तीय भार बढ़ा है।

गुरुवाणी और देववाणी, संस्कृत का दिव्य संगम : राज्यपाल

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने शनिवार को देहरादून स्थित लोक भवन में 'आदि श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी' के संस्कृत पद्यानुवाद का विमोचन किया। आदि श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी का संस्कृत में यह पहला सम्पूर्ण पद्यानुवाद है, जिसे रामतीर्थ केन्द्र और साहित्याचार्य जयनारायण शास्त्री द्वारा अनुवादित किया गया है। यह कार्यक्रम रामतीर्थ केन्द्र (सहारनपुर) की स्वर्ण जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया।

◆ **राज्यपाल ने किया गुरु ग्रंथ साहिब के संस्कृत पद्यानुवाद का विमोचन**

राज्यपाल ने कहा कि यह अवसर केवल एक संस्थान की स्वर्ण जयंती का उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म, ज्ञान-परम्परा और राष्ट्रीय एकात्मता का ऐतिहासिक उत्सव है। उन्होंने कहा कि गुरुवाणी और देववाणी संस्कृत का यह दिव्य संगम भारत की सांस्कृतिक एकात्मता, आध्यात्मिक संवाद तथा सामाजिक समरसता का सशक्त प्रतीक है। उन्होंने कहा कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के गहरे अर्थों को समझकर उन्हें जीवन में उतारना तथा इसके ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

राज्यपाल ने कहा कि 'आदि श्री गुरु ग्रन्थ साहिब' का संस्कृत पद्यानुवाद भारतीय ज्ञान-परम्परा, साहित्य और अध्यात्म के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह केवल शब्दों का अनुवाद नहीं, बल्कि गुरुवाणी की दिव्य चेतना और संस्कृत की शाश्वत ज्ञानधारा का अद्भुत समन्वय है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा, अध्ययन और शोध का महत्वपूर्ण आधार बनेगा। राज्यपाल ने रामतीर्थ केन्द्र परिवार तथा इस ऐतिहासिक कृति के निर्माण से जुड़े सभी विद्वानों और सहयोगियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर त्रिमूर्ति धाम कालका के संस्थापक ब्रह्मऋषि अमरदास, गीता कुरुक्षेत्र के संस्थापक गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद, गौ सेवा मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी कृष्णानंद, रामतीर्थ केंद्र के अध्यक्ष आचार्य सर्वेश्वर नाथ प्रभाकर, प्रमुख सचिव न्याय अमित कुमार सिरोही, सचिव संस्कृत शिक्षा दीपक कुमार, दून विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुरेखा डंगवाल आदि मौजूद थे।

डॉ. धन सिंह रावत ने किया बीज बम कार्यक्रम का शुभारंभ

1050 विद्यालयों में पहुंचा बीज बम अभियान

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने राजीव गांधी नवोदय विद्यालय के वर्चुअल स्टूडियो से राज्यव्यापी बीज बम अभियान का शुभारंभ किया। पर्यावरण संरक्षण, स्थानीय फलदार वृक्षों के संवर्धन, जैव विविधता बचाने और मानव वन्यजीव संघर्ष को कम करने के उद्देश्य से शुरू किए गए इस अभियान का प्रसारण प्रदेश के 1050 से अधिक विद्यालयों में किया गया, जिसमें एक लाख से अधिक छात्र छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया।

डॉ. रावत ने कहा कि बीज बम अभियान केवल पौधारोपण नहीं बल्कि प्रकृति संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की पहल है।

◆ **कार्यक्रम का सफल आयोजन वैल्यूएबल एड्यूटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया**

कार्यक्रम में सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों ने 'बीज बम' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने तथा उत्तराखंड को अधिक हरित, समृद्ध एवं पर्यावरण-अनुकूल राज्य बनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम का सफल आयोजन वैल्यूएबल एड्यूटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संचालन एवं समन्वय में कंपनी के निदेशक संजय पीर, मानसी शर्मा एवं रवि झा सहित समस्त टीम का महत्वपूर्ण योगदान एवं पूर्ण सहयोग रहा। सभी के समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम का वर्चुअल स्टूडियो के माध्यम से प्रदेशभर के विद्यालयों में सफलतापूर्वक सीधा प्रसारण किया गया।

40 दिनों में 10,185 पर्यटकों ने किया फूलों की घाटी का दीदार

भारतेंदु संवाददाता, गोपेश्वर। यूनेस्को की विश्व प्राकृतिक धरोहर फूलों की घाटी (वैली ऑफ फ्लावर्स) राष्ट्रीय पार्क में इस वर्ष पर्यटन सीजन की शुरुआत रिकॉर्ड पर्यटक आमद के साथ हुई है। एक जून से 10 जुलाई तक महज 40 दिनों में ही 10 हजार से अधिक पर्यटक घाटी का भ्रमण कर चुके हैं। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस बार पर्यटकों की संख्या लगभग दोगुनी दर्ज की गई है, जिससे पार्क की आय के साथ स्थानीय पर्यटन कारोबार को भी बड़ा लाभ मिला है। पार्क प्रशासन के अनुसार एक जून से 10 जुलाई 2026 तक कुल 10,185 पर्यटकों ने घाटी में प्रवेश किया। इनमें 10,141 भारतीय और 44 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। इस दौरान प्रवेश शुल्क से 18 लाख 49 हजार 550 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

वरिष्ठ रंगकर्मी प्रकाश वाजपेयी का निधन, सीएम धामी ने जताया शोक

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। रंगमंच और सिनेमा जगत के वरिष्ठ अभिनेता एवं रंगकर्मी प्रकाश वाजपेयी के निधन से कला जगत में शोक की लहर है। लंबे समय तक अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय रहे प्रकाश वाजपेयी ने अपनी प्रतिभा और सशक्त अभिनय के दम पर अलग पहचान बनाई थी। उनके निधन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके योगदान को याद किया।

प्रकाश वाजपेयी का रंगमंच से गहरा जुड़ाव बचपन से ही था। उन्होंने नौवीं कक्षा से ही नाटकों में हिस्सा लेना शुरू कर दिया था। पढ़ाई के दौरान भी उनका झुकाव अभिनय और रंगमंच की ओर बना रहा। कॉलेज के समय उन्होंने कई नाटकों में अपनी प्रतिभा दिखाई और बाद में नाट्य भारती नाम से अपनी थिएटर संस्था की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से उन्होंने अनेक नाटकों का सफल मंचन किया और रंगमंच को नई दिशा देने का प्रयास किया।

अपने लंबे अभिनय सफर में प्रकाश वाजपेयी ने रंगमंच के साथ-साथ सिनेमा जगत में भी अपनी विशेष पहचान बनाई। उन्होंने 45 से अधिक छोटी और बड़ी फिल्मों में अलग-अलग किरदार निभाए।

निरीक्षण कर रहे डॉक्टर की मलबे में दबकर मौत

चमोली में दर्दनाक हादसा, क्षतिग्रस्त दीवार गिरने से डॉक्टर ने गंवाई जान

भारतेंदु संवाददाता, चमोली। उत्तराखंड के चमोली जिले के नारायणबगड़ स्थित सरकारी अस्पताल परिसर में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। अस्पताल की क्षतिग्रस्त दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से चिकित्सा प्रभारी डॉ. नवीन चंद्र डिमरी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया और बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया। इस घटना से स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय लोगों में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों भारी बारिश के कारण अस्पताल परिसर की बाउंड्रीवाल को नुकसान पहुंचा था। 25 जून को हुई तेज बारिश के दौरान बहकर आए मलबे से अस्पताल की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। इसके बाद शनिवार को क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान चिकित्सा प्रभारी डॉ. नवीन चंद्र डिमरी निर्माण कार्य का निरीक्षण करने पहुंचे थे।

बताया जा रहा है कि दीवार पहले से ही कमजोर हो चुकी थी। निरीक्षण के दौरान अचानक दीवार का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर गया और डॉ. डिमरी उसके मलबे में दब गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि मौके पर मौजूद लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। घटना के बाद अस्पताल के कर्मचारियों और स्थानीय व्यापारियों ने तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

मलबे में दबे डॉक्टर को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र के लिए रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में ही उनकी स्थिति बिगड़ गई और उन्होंने दम तोड़ दिया।

डॉ. नवीन चंद्र डिमरी की मौत की खबर मिलते ही अस्पताल परिसर में शोक का माहौल बन गया। स्वास्थ्य कर्मियों और स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

उदीयमान खिलाड़ी योजना के लिए बैटरी टेस्ट 14 और 15 जुलाई को

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन छात्रवृत्ति योजना 2026-27 के अंतर्गत न्याय पंचायत सुल्तानपुर आदमपुर क्षेत्र में 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बालक और बालिकाओं की खेल प्रतिभाओं की पहचान की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी खेल प्रतिभाओं को सामने लाने के उद्देश्य से आयोजित इस चयन प्रक्रिया में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भाग ले रहे हैं।

योजना के तहत बालकों के लिए बैटरी टेस्ट का आयोजन 14 जुलाई को और बालिकाओं के लिए 15 जुलाई को एमजेएन पब्लिक स्कूल सुल्तानपुर के खेल मैदान में किया जाएगा। चयन प्रक्रिया पूरी तरह वैज्ञानिक तरीके से आयोजित की जाएगी, जिसमें खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता और खेल कौशल का मूल्यांकन किया जाएगा।

इस संबंध में शिक्षाराज इंटर कॉलेज सुल्तानपुर में प्रधानाचार्य डॉ. दीपक शर्मा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चयन प्रक्रिया की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। अधिकारियों और शिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

◆ **8 से 14 वर्ष के खिलाड़ियों का होगा वैज्ञानिक परीक्षण**

बैटरी टेस्ट में खिलाड़ियों की गति, सहनशक्ति, लचीलापन और शारीरिक क्षमता को परखा जाएगा। इसके लिए 30 मीटर फ्लाइंग रन, 600 मीटर दौड़, 6 गुणा 10 शटल रन, फॉरवर्ड बेंड एंड रीच, स्टैंडिंग ब्रॉड जंप और मेडिसिन बॉल थ्रो जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इन परीक्षणों के आधार पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का चयन छात्रवृत्ति योजना के लिए किया जाएगा।

शिक्षाराज इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री उदीयमान खिलाड़ी उन्नयन योजना ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि कई प्रतिभाशाली बच्चे संसाधनों की कमी के कारण आगे नहीं बढ़ पाते हैं, ऐसे में इस तरह की योजनाएं उन्हें अपनी क्षमता दिखाने का अवसर प्रदान करती हैं।

चुनाव के समय ही बढ़ता है आना-जाना : धामी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे पर बोले सीएम

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड की राजनीति में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रस्तावित दौरे को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आगामी 17 जुलाई को देहरादून पहुंचेंगे और युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। कांग्रेस ने इस कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। वहीं भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर निशाना साधना शुरू कर दिया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि चुनाव के समय नेताओं का आना-जाना बढ़ जाता है।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चुनाव नजदीक आते ही राजनीतिक दलों के बड़े नेता राज्यों का दौरा करने लगते हैं। उन्होंने कहा कि यदि नेता चुनाव से काफी पहले जनता के बीच पहुंचते और उनके मुद्दों को समझते तो इसे अधिक गंभीर प्रयास माना जाता। धामी ने राहुल गांधी के दौरे को लेकर कहा कि चुनाव के समय इस तरह की राजनीतिक गतिविधियां सामान्य हो जाती हैं।

राहुल गांधी के देहरादून दौरे का उद्देश्य युवाओं से संवाद करना बताया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं की समस्याओं और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी राहुल गांधी के कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संगठन स्तर पर तैयारियों में जुटी हुई है। पार्टी कार्यकर्ताओं में भी इस दौरे को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए पेपर लीक मामले का मुद्दा भी उठाया।

देहरादून में राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर सियासत तेज

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से सवाल करते हुए कहा कि विपक्ष को पहले अपने कार्यकाल के दौरान हुई घटनाओं पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल राजनीतिक आरोप लगाने के बजाय जनता के सामने तथ्यों के आधार पर बात रखनी चाहिए। धामी ने दावा किया कि उनकी सरकार युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए काम कर रही है और भर्ती प्रक्रियाओं को निष्पक्ष बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

राहुल गांधी के उत्तराखंड दौरे को कांग्रेस संगठन के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। राज्य में आने वाले समय में राजनीतिक गतिविधियां बढ़ने की संभावना है। कांग्रेस जहां युवाओं और जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में है वहीं बीजेपी सरकार अपनी उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने में जुटी है।

उत्तराखंड की राजनीति में युवाओं और रोजगार का मुद्दा हमेशा महत्वपूर्ण रहा है। ऐसे में राहुल गांधी का युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम कांग्रेस के लिए जनसंपर्क का बड़ा माध्यम बन सकता है। दूसरी ओर बीजेपी भी विपक्ष के आरोपों का जवाब देने और अपनी नीतियों को जनता के सामने रखने की रणनीति पर काम कर रही है।

आपदा — बदरीनाथ हाईवे पर पहाड़ी से गिरा भारी मलबा, एनएच विभाग मशीनों से मार्ग खोलने में जुटा

भूस्खलन से बदरीनाथ हाईवे बंद, कई मार्गों पर यातायात प्रभावित

बारिश के बीच पहाड़ी मार्ग पर गिरा मलबा, आलू से भरा ट्रक हादसे का शिकार।

भारतेंदु संवाददाता, देहरादून। उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में जनजीवन प्रभावित होने लगा है। कई स्थानों पर भूस्खलन और मलबा आने से राष्ट्रीय राजमार्ग और संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। रुद्रप्रयाग और पौड़ी जिलों में बारिश के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन अलर्ट है। यात्रियों को मौसम और सड़क की स्थिति की जानकारी लेने के बाद ही यात्रा करने की सलाह दी जा रही है।

रुद्रप्रयाग जिले में लगातार बारिश के बीच शनिवार को बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी मलबा और पत्थर गिरने से यातायात बाधित हो गया। खांकरा और सिरोहबगड़ के बीच पहाड़ी से अचानक मलबा आने के कारण हाईवे बंद हो गया। सड़क बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मार्ग खोलने के काम में जुट गई है। मलबा हटाने के लिए जेसीबी मशीनों की मदद ली जा रही है। हालांकि लगातार बारिश के कारण पहाड़ी से दोबारा पत्थर और मलबा गिरने का खतरा बना हुआ है, जिससे सड़क खोलने के काम में बाधा आ रही है।

इसी बीच कोटद्वार-पौड़ी हाईवे पर भी भूस्खलन का खतरा देखने को मिला। सतपुली मल्ली के पास पहाड़ी से भारी बोल्डर गिरकर एक सब्जी वाहन पर जा गिरा। बोल्डर गिरने से वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत रही कि वाहन में सवार चालक समेत तीन लोग सुरक्षित बच गए। हादसा होते ही सभी लोग तुरंत वाहन से बाहर निकल गए और अपनी जान बचाई।

बारिश के कारण देवप्रयाग मार्ग पर डिग्री कॉलेज गदेरे के पास भी मलबा आने की सूचना मिली है। वहीं दुधारखाल मार्ग पर मलबा आने से सड़क बंद हो गई। प्रशासन और संबंधित विभाग की टीमें मौके पर पहुंचकर मलबा हटाने के प्रयास में जुटी हुई हैं।

यमुनोत्री हाईवे पर भी स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। स्याना चट्टी के पास लगातार तीसरे दिन सड़क खोलने का काम जारी रहा। निर्माण एजेंसी की मशीनें रातभर हाईवे खोलने में लगी रहीं लेकिन बारिश के कारण पहाड़ी से लगातार मलबा और पत्थर गिरने से परेशानी बढ़ रही है। प्रशासन और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के सामने मार्ग को सुरक्षित तरीके से खोलना बड़ी चुनौती बना हुआ है।

अधिकारियों के अनुसार स्याना चट्टी क्षेत्र में समस्या के स्थायी समाधान के लिए वैकल्पिक मार्ग बनाने पर भी विचार किया जा रहा है। करीब 350 मीटर बाईपास सड़क बनाने की योजना पर चर्चा चल रही है ताकि भविष्य में बार-बार होने वाली परेशानी को कम किया जा सके।

उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में मानसून के दौरान भूस्खलन की घटनाएं बढ़ जाती हैं। पहाड़ी इलाकों में कमजोर हो चुकी चट्टानों और भारी बारिश के कारण सड़क मार्ग प्रभावित होते हैं। ऐसे में प्रशासन ने यात्रियों से सतर्क रहने और जोखिम वाले क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

भारी मलबे से थमी वाहनों की रफ्तार, प्रशासन अलर्ट

मौसम विभाग की चेतावनियों को देखते हुए प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी जा रही है। बारिश के दौरान पहाड़ों में यात्रा करने वालों को सावधानी बरतने और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की आवश्यकता है।

गौकशी पर पुलिस का बड़ा एक्शन 150 किलो मांस के साथ दो गिरफ्तार

कलियर में पुलिस का एक्शन, संदिग्ध गौमांस और उपकरण बरामद।

भारतेंदु संवाददाता, हरिद्वार। कोतवाली पिरान कलियर पुलिस और उत्तराखण्ड गौवंश संरक्षण स्क्वाड की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 150 किलो गौमांस के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से पशु कटान में प्रयुक्त उपकरण और कांटा-तराजू भी बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, संयुक्त टीम कलियर क्षेत्र में गौतस्करी, गौहत्या और अवैध पशु कटान की रोकथाम के लिए सघन चेकिंग एवं गश्त कर रही थी। इसी दौरान टीम तेलियों वाली मस्जिद के निकट स्थित मन्नवर उर्फ मन्ना की मीट की दुकान पर पहुंची। दुकान के भीतर दो व्यक्ति मांस की काट-छांट करते मिले।

तलाशी के दौरान दुकान से करीब 150 किलो संदिग्ध गौमांस, पशु कटान में प्रयुक्त उपकरण और कांटा-तराजू बरामद किया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि बरामद मांस दुकान संचालक मन्नवर द्वारा लाया गया था और उसे कलियर क्षेत्र में बेचने की तैयारी की जा रही थी।

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर मेगा ब्लॉक, 20 जुलाई से बदलेंगे प्लेटफॉर्म

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण कार्य के चलते छह दिनों तक ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में अस्थायी बदलाव रहेगा

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन के अपग्रेडेशन कार्य को तेज करने के लिए रेलवे प्रशासन ने बड़ा फैसला लिया है। रेल भूमि विकास प्राधिकरण (आरएलडीए) और रेलवे प्रशासन मिलकर स्टेशन पर जरूरी निर्माण और सुधार कार्य कर रहे हैं। इसके चलते 20 से 25 जुलाई तक चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली कई प्रमुख ट्रेनों के प्लेटफॉर्म में अस्थायी बदलाव किया गया है।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे सफर शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन के प्लेटफॉर्म की जानकारी जरूर जांच लें। जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने के लिए कई चरणों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। स्टेशन परिसर में यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए निर्माण कार्य चल रहा है। इन कार्यों को पूरा करने के लिए रेलवे को बड़े ब्लॉक की आवश्यकता है। इसी कारण कुछ दिनों के लिए ट्रेनों के संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं में बदलाव किया जा रहा है।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, 20 जुलाई से 25 जुलाई तक कई ट्रेनों को उनके नियमित प्लेटफॉर्म के बजाय अन्य प्लेटफॉर्म से संचालित किया जाएगा। यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए स्टेशन पर सूचना व्यवस्था को भी मजबूत किया जाएगा।

रेलवे कर्मचारियों को यात्रियों की सहायता के लिए तैनात किया जाएगा ताकि किसी भी तरह की असुविधा से बचा जा सके। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे स्टेशन पहुंचने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति और प्लेटफॉर्म संख्या की जानकारी रेलवे की आधिकारिक सूचना प्रणाली, पूछताछ केंद्र या अन्य उपलब्ध माध्यमों से प्राप्त कर लें। अंतिम समय में प्लेटफॉर्म बदलने की स्थिति में यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों का कहना है कि स्टेशन अपग्रेडेशन का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाना है।

आने वाले समय में स्टेशन पर यात्रियों के लिए सुविधाजनक आवागमन, बेहतर यात्री क्षेत्र, आधुनिक सेवाएं और अन्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इसके लिए वर्तमान में कई महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है और कहा है कि विकास कार्यों के दौरान कुछ समय के लिए असुविधा हो सकती है, लेकिन इसका लाभ भविष्य में बेहतर रेल सेवाओं के रूप में मिलेगा।

यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा की योजना बनाते समय पर्याप्त समय लेकर स्टेशन पहुंचे और प्लेटफॉर्म बदलाव से जुड़ी जानकारी पहले ही प्राप्त कर लें। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, तय अवधि के बाद ट्रेनों का संचालन सामान्य व्यवस्था के अनुसार किया जाएगा। रेलवे ने यात्रियों से सहयोग की अपील की है। अपग्रेडेशन कार्य पूरा होने के बाद स्टेशन पर बेहतर सुविधाएं और सुगम यातायात व्यवस्था उपलब्ध होगी। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले प्लेटफॉर्म बदलाव की जानकारी जरूर लें। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएं और बेहतर सेवाएं उपलब्ध होंगी।

मोहाली में नव इमिग्रेशन एक्सपर्ट्स का लाइसेंस रद्द, एडीएम ने की कार्रवाई

भारतेन्दु संवाददाता,चंडीगढ

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (एडीएम) गीतिका सिंह ने मोहाली स्थित नव इमिग्रेशन एक्सपर्ट्स का लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई पंजाब ट्रैवल प्रोफेशनल रेगुलेशन एक्ट-2012 के प्रावधानों के तहत की गई है। प्रशासन की ओर से यह कदम फर्म पर नियमों के उल्लंघन के आरोपों के बाद उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, नव इमिग्रेशन एक्सपर्ट्स का कार्यालय मोहाली के फेज-3बी2 स्थित एक भवन की तीसरी मंजिल पर संचालित किया जा रहा था। फर्म के संचालक गौरव कटारिया को 21 अगस्त 2025 को कंसल्टेंसी कार्य के लिए लाइसेंस जारी किया गया था। इस लाइसेंस की वैधता 20 अगस्त 2030 तक निर्धारित थी। प्रशासन के अनुसार, लाइसेंस जारी करते समय फर्म को कई नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए थे।

इनमें कार्यालय में होने वाली गतिविधियों, आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर जारी किए जाने वाले विज्ञापनों तथा मासिक स्व घोषणा से संबंधित जानकारी जिला प्रशासन को उपलब्ध करवाना शामिल था। एडीएम ने बताया कि फर्म की ओर से भर्ती संबंधी विज्ञापन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किए गए थे, जो निर्धारित नियमों के अनुरूप नहीं पाए गए।

इसके अलावा अन्य उल्लंघनों को देखते हुए प्रशासन ने जांच के बाद लाइसेंस रद्द करने का फैसला लिया। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विदेश भेजने के नाम पर काम करने वाली इमिग्रेशन और ट्रैवल एजेंसियों को तय नियमों का सख्ती से पालन करना होगा।

न्यूज ब्रीफ

मोहाली में घग्गर के बढ़ते जलस्तर से हाई वोल्टेज बिजली टावर पर मंडराया गंभीर खतरा

भारतेंन्दु संवाददाता, मोहाली। में घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ने से कटाव तेज हो गया है, जिससे इलाके में स्थित हाई-वोल्टेज बिजली टावर की सुरक्षा पर खतरा मंडराने लगा है। नदी के किनारे लगातार हो रहे कटाव के कारण टावर के आसपास की जमीन कमजोर हो रही है। स्थानीय लोगों ने बिजली ढांचे को बचाने के लिए जल्द निरीक्षण और जरूरी कदम उठाने की मांग की है। अगर समय रहते सुरक्षा उपाय नहीं किए गए तो बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। संबंधित विभागों से नदी के बहाव और कटाव की स्थिति का आकलन कर स्थायी समाधान निकालने की अपील की गई है। प्रशासन से भी मामले में गंभीरता दिखाने की मांग की जा रही है।

ट्रॉली की टक्कर से सड़क पर गिरे खिलाड़ी पीछे से आई ट्रॉली ने कुचला

भारतेंन्दु संवाददाता, मोहाली। एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो कबड्डी खिलाड़ियों की मौत हो गई, जबकि तीसरे खिलाड़ी की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा उस समय हुआ जब तीनों खिलाड़ी बाइक पर जा रहे थे। रास्ते में उनकी बाइक एक ट्रॉली से टकरा गई और वे सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रही दूसरी ट्रॉली ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दो खिलाड़ियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल तीसरे खिलाड़ी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है।

मोहाली से खरड़ तक सड़कें बनीं तालाब बारिश में खुली ड्रेनेज की पोल

भारतेंन्दु संवाददाता, मोहाली। तेज बारिश ने मोहाली, खरड़ और आसपास के क्षेत्रों में ड्रेनेज सिस्टम की तैयारियों की पोल खोल दी। शहर के कई पॉश सेक्टर, नई कॉलोनियां, एयरपोर्ट रोड और इंडस्ट्रियल एरिया में जलभराव की स्थिति बन गई। कई मुख्य सड़कें घंटों तक पानी में डूबी रहीं, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। टूटी और अधूरी सड़कों पर फिसलन के कारण कई लोग चोटिल भी हुए। वाहन चालकों को जाम से जूझना पड़ा और कई छोटे वाहन पानी में फंस गए। स्थानीय निवासियों ने कहा कि हर साल बारिश के दौरान ऐसी स्थिति बनती है, लेकिन प्रशासन की ओर से स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। लोगों ने बेहतर जल निकासी व्यवस्था की मांग की है।

कैशियर मर्डर में पुलिस खाली हाथ, हत्या का हथियार अब भी गायब

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। कैशियर हत्याकांड में जांच को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे हैं। हत्या में इस्तेमाल की गई पिस्तौल अब तक पुलिस बरामद नहीं कर पाई है। वहीं, मामले में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि वारदात के बाद ऑटो चालक ने समय रहते शूटरों को पकड़ने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस की कार्रवाई में देरी के कारण आरोपी भागने में सफल रहे। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश तेज करने का दावा किया है, लेकिन हथियार की बरामदगी नहीं होने से जांच प्रभावित हो रही है। मामले में सुरक्षा व्यवस्था और कार्रवाई की गति को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच जारी है और जल्द ही सभी पहलुओं को स्पष्ट किया जाएगा।

चंडीगढ़ में 18 जुलाई को नए वेंडर्स का ड्रॉ पुरानी साइटों पर लौटेंगे ईएसपी वेंडर्स

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में नए वेंडर्स के लिए 18 जुलाई को ड्रॉ आयोजित किया जाएगा। वहीं, ईएसपी वेंडर्स को उनकी पुरानी साइटों पर वापस भेजने की तैयारी है। बाजारों में बनाए गए नए वेंडिंग जोन को लेकर विवाद चल रहा है। प्रशासन की नई व्यवस्था से वेंडर्स के स्थान तय किए जाएंगे। ड्रॉ प्रक्रिया के बाद वेंडिंग व्यवस्था को व्यवस्थित करने की उम्मीद है।

चंडीगढ़ में चलती इलेक्ट्रिक बस के निकले दो टायर, ड्राइवर ने बचाई यात्रियों की जान

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर में चल रही इलेक्ट्रिक बस में अचानक तकनीकी खराबी आने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। घटना उस समय हुई जब बस रामदरबार से मलोया की ओर जा रही थी। बस में करीब 15 यात्री सवार थे। रास्ते में अचानक बस के पिछले हिस्से के दो टायर निकल गए, जिससे बस का संतुलन बिगड़ने लगा। हालांकि चालक ने घबराने के बजाय तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए बस को नियंत्रित कर सुरक्षित स्थान पर रोक लिया। इससे बड़ा हादसा होने से बच गया। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और बस की जांच शुरू की। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालकर दूसरी बस से उनके गंतव्य तक भेजा गया। अधिकारियों ने बताया कि तकनीकी जांच के बाद ही टायर निकलने के कारणों का पता चल सकेगा।

इलेक्ट्रिक बस में आई खराबी, चालक की सतर्कता से टला खतरा

बस में आई इस तकनीकी खराबी के बाद परिवहन विभाग ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा शुरू कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि सभी इलेक्ट्रिक बसों की तकनीकी स्थिति की जांच कराई जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। यात्रियों ने भी चालक की तत्परता की सराहना की। उनका कहना था कि यदि समय रहते बस को नहीं रोका जाता तो बड़ा हादसा हो सकता था। विभाग ने यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता बताते हुए आवश्यक कदम उठाने की बात कही है। विभाग ने कहा कि बसों की नियमित जांच प्रक्रिया को और मजबूत किया जाएगा।

पंजाब कांग्रेस बागी गुट से बघेल की दो घंटे चर्चा, हाईकमान को सौंपेंगे रिपोर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब कांग्रेस में संगठन और टिकट वितरण को लेकर चल रही हलचल के बीच पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पंजाब मामलों के प्रभारी भूपेश बघेल ने बागी गुट के नेताओं के साथ करीब दो घंटे तक बैठक की। बैठक में संगठन की स्थिति, कार्यकर्ताओं की नाराजगी, आगामी चुनावों की रणनीति और टिकट वितरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। नेताओं ने अपने-अपने क्षेत्रों की राजनीतिक परिस्थितियों और संगठनात्मक चुनौतियों से भी बघेल को अवगत कराया।

बैठक के बाद भूपेश बघेल ने कहा कि सभी नेताओं की बात गंभीरता से सुनी गई है और पूरी रिपोर्ट कांग्रेस हाईकमान को सौंपी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी का उद्देश्य केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि जीत सुनिश्चित करना है। इसी कारण टिकट वितरण में

ऐसे उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनकी जनता के बीच मजबूत पकड़ हो और जिनकी जीत की संभावना सबसे अधिक हो।

बघेल ने कहा कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर काम करना होगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि टिकट वितरण की प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष होगी तथा किसी के साथ पक्षपात नहीं किया जाएगा। पार्टी कार्यकर्ताओं की राय और स्थानीय परिस्थितियों को भी पूरा महत्व दिया जाएगा। बैठक के दौरान कई नेताओं ने संगठन में बेहतर समन्वय, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और चुनावी तैयारियों को लेकर अपने सुझाव भी रखे।

बघेल ने कहा कि कांग्रेस का लक्ष्य मजबूत संगठन के साथ जनता के बीच जाना और उनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना है। उन्होंने सभी नेताओं से आपसी मतभेद भुलाकर पार्टी हित में कार्य करने की अपील की।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की 60 हजार से अधिक संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड बनाने को लैंड स्टैक परियोजना शुरू

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड (सीएचबी) ने अपनी 60 हजार से अधिक आवासीय और व्यावसायिक संपत्तियों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके लिए बोर्ड ने लैंड स्टैक परियोजना पर कार्य शुरू कर दिया है। परियोजना का उद्देश्य सभी संपत्तियों का एकीकृत, सुरक्षित और अद्यतन डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे संपत्ति संबंधी जानकारी का प्रबंधन अधिक पारदर्शी, सटीक और सुगम बनाया जा सके।

परियोजना के प्रभावी संचालन और समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए बोर्ड ने दो नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। ये अधिकारी विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, सत्यापन और तकनीकी प्रक्रियाओं की निगरानी करेंगे। इसके अलावा परियोजना से जुड़े सभी कार्यों की नियमित

समीक्षा भी की जाएगी, ताकि तय समय सीमा के भीतर कार्य पूरा किया जा सके।

लैंड स्टैक परियोजना के तहत प्रत्येक संपत्ति का विस्तृत डिजिटल प्रोफाइल तैयार किया जाएगा। इसमें संपत्ति का स्थान, क्षेत्रफल, स्वामित्व संबंधी विवरण, आवंटन की जानकारी, नक्शे, दस्तावेज और अन्य आवश्यक अभिलेख एक ही डिजिटल मंच पर उपलब्ध होंगे। इससे रिकॉर्ड खोजने, अपडेट करने और सत्यापित करने में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा।

अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में अनेक रिकॉर्ड कागजी अभिलेखों में सुरक्षित हैं, जिनके रखरखाव और खोज में समय तथा संसाधनों की अधिक आवश्यकता पड़ती है। डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद रिकॉर्ड सुरक्षित रहेंगे और उनके खोने या क्षतिग्रस्त होने की संभावना भी काफी कम हो जाएगी। इससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और नागरिकों को भी विभिन्न सेवाओं का लाभ अधिक आसानी से मिल सकेगा।

परियोजना के पूरा होने के बाद संपत्तियों से जुड़े विभिन्न मामलों के निपटारे में पारदर्शिता बढ़ने की उम्मीद है। रिकॉर्ड ऑनलाइन उपलब्ध होने से सत्यापन की प्रक्रिया सरल होगी और विभागीय कार्यों में अनावश्यक देरी कम होगी। भविष्य में संपत्ति प्रबंधन, योजना निर्माण और अभिलेखों के संरक्षण में भी यह डिजिटल प्रणाली महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड का मानना है कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से संपत्ति प्रबंधन को अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा। लैंड स्टैक परियोजना न केवल रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि यह प्रशासनिक सुधार और बेहतर नागरिक सेवाओं की दिशा में भी एक अहम कदम माना जा रहा है।

स्कूल गेट पर जाम से राहत, अंदर होगी छात्रों की पिक-ड्रॉप व्यवस्था

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़। शहर के स्कूलों के बाहर लगने वाले ट्रैफिक जाम और छात्रों की सुरक्षा को लेकर जिला सड़क सुरक्षा समिति ने नई पहल की है। जिला मजिस्ट्रेट एवं समिति के चेयरमैन निशांत कुमार यादव ने सभी सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। इसके तहत अब स्कूलों को छात्रों की पिक-ड्रॉप व्यवस्था स्कूल परिसर के अंदर ही सुनिश्चित करनी होगी।

स्कूल खुलने और छुट्टी के समय अक्सर बड़ी संख्या में अभिभावकों के वाहन स्कूल गेट के बाहर खड़े हो जाते हैं। इससे सार्वजनिक सड़कों पर जाम की स्थिति बनती है और अन्य वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा सड़क किनारे बच्चों के उतरने और चढ़ने से उनकी सुरक्षा को भी खतरा बना रहता है।

नई व्यवस्था के तहत स्कूल प्रबंधन को परिसर के अंदर ही वाहनों के प्रवेश और निकासी की उचित व्यवस्था करनी होगी, ताकि मुख्य सड़कों पर वाहनों का दबाव कम हो सके। प्रशासन ने स्कूलों को छात्रों और अभिभावकों के बीच कार-पूलिंग को बढ़ावा देने के निर्देश भी दिए हैं। इससे एक वाहन में अधिक बच्चों के आने-जाने से वाहनों की संख्या कम होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी।

जिला प्रशासन का मानना है कि इस कदम से स्कूलों के आसपास यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और बच्चों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकेगी। संबंधित विभागों को निर्देशों के पालन की निगरानी करने को कहा गया है। स्कूल प्रबंधन से भी अपील की गई है कि वे नई व्यवस्था को जल्द लागू करें, ताकि शहर में यातायात सुचारू बनाया जा सके। प्रशासन ने कहा है कि स्कूलों को इस व्यवस्था के लिए जरूरी इंतजाम जल्द पूरे करने होंगे। साथ ही अभिभावकों को भी नियमों का पालन करने और बच्चों की सुरक्षित आवाजाही में सहयोग करने की अपील की गई है। इससे स्कूल समय में होने वाली अव्यवस्था कम होने की उम्मीद है।भविष्य में अन्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में भी ऐसे कदम उठाए जा सकते हैं।

चंडीगढ़ में मूसलाधार बारिश, घग्गर में बहे दो दोस्त, पंजाब में बारिश का अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों में शनिवार को हुई तेज बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया। घग्गर नदी में पानी का बहाव अचानक बढ़ने से दो दोस्त नदी की तेज धारा में बह गए। सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा दोनों की तलाश के लिए अभियान शुरू किया गया। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

मौसम विभाग ने पंजाब के 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई स्थानों पर तेज बारिश के कारण जलभराव, यातायात प्रभावित होने और निचले इलाकों में पानी भरने की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने जिला अधिकारियों को सतर्क रहने तथा आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उधर, हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले में लगातार बारिश के कारण एक वैली ब्रिज ढह गया। पुल

क्षतिग्रस्त होने से आसपास के क्षेत्रों का संपर्क प्रभावित हुआ है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर वैकल्पिक व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर पुल के आसपास लोगों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है।

लगातार हो रही बारिश के चलते कई नदियों और खड्डों का जलस्तर बढ़ गया है। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने, नदी नालों के पास न जाने और मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की अपील की है। बचाव एवं राहत दलों को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। अधिकारियों ने कहा कि मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और केवल आधिकारिक सूचनाओं का पालन करने की अपील की है। आपदा प्रबंधन दल, पुलिस और स्थानीय प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए हैं तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

जीएमसीएच-32 में बढ़ीं 50 एमबीबीएस सीटें, डॉक्टर बनने का सपना होगा पूरा

एनएमसी की मंजूरी के बाद एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर होगी 200, विद्यार्थियों को मिलेंगे मेडिकल शिक्षा के अधिक अवसर

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में चंडीगढ़ के लिए बड़ी उपलब्धि सामने आई है। गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (जीएमसीएच)-32 में अब एमबीबीएस की 50 अतिरिक्त सीटें बढ़ाई गई हैं। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) की मंजूरी के बाद कॉलेज में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर 200 हो जाएगी। इस फैसले से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को अधिक अवसर मिलेंगे और भविष्य में अधिक संख्या में डॉक्टर तैयार हो सकेंगे।

जीएमसीएच-32 लंबे समय से चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों के लिए मेडिकल शिक्षा का प्रमुख केंद्र रहा है। सीटों में बढ़ोतरी से न केवल दाखिले के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रशिक्षित डॉक्टरों की उपलब्धता भी बेहतर होगी। कॉलेज प्रशासन के अनुसार, बढ़ी हुई सीटों के लिए जरूरी संसाधनों, शिक्षकों और अन्य सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा।

एनएमसी की ओर से सीटों में वृद्धि के लिए कॉलेज में उपलब्ध सुविधाओं, फैकल्टी, अस्पताल की क्षमता और मरीजों की संख्या सहित कई मानकों का निरीक्षण किया गया था। सभी मानकों को पूरा करने के बाद यह मंजूरी दी गई है। इससे जीएमसीएच-32 की मेडिकल शिक्षा व्यवस्था को और मजबूती मिलेगी। मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने की इच्छा रखने वाले विद्यार्थियों के लिए यह फैसला राहत लेकर आया है।

हर साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी एमबीबीएस में दाखिले के लिए आवेदन करते हैं, लेकिन सीमित सीटों के कारण कई योग्य छात्रों को मौका नहीं मिल पाता। अब सीटें बढ़ने से अधिक विद्यार्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। अस्पताल की सुविधाओं के विस्तार के साथ यहां इलाज के लिए आने वाले मरीजों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है। अधिक मेडिकल छात्रों के आने से अस्पताल में प्रशिक्षण व्यवस्था बेहतर होगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हो सकता है।

कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि बढ़ी हुई सीटों के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां की जाएंगी। नए विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने के साथ आधुनिक सुविधाओं को भी विकसित किया जाएगा। चंडीगढ़ में मेडिकल शिक्षा के विस्तार की दिशा में यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जीएमसीएच-32 में एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़ने से शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था और चिकित्सा क्षेत्र को आने वाले वर्षों में बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है।इसके साथ ही जीएमसीएच-32 में शोध और प्रशिक्षण की गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। अधिक संख्या में मेडिकल विद्यार्थियों के आने से अस्पताल में नई ऊर्जा और बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार होगा। कॉलेज प्रबंधन ने बताया कि विद्यार्थियों को आधुनिक चिकित्सा तकनीकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण से जोड़ने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि एमबीबीएस सीटों में बढ़ोतरी से क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी।

आने वाले समय में यहां से तैयार होने वाले डॉक्टर मरीजों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। यह उपलब्धि चंडीगढ़ की मेडिकल शिक्षा व्यवस्था के विस्तार में एक अहम पड़ाव मानी जा रही है। इस फैसले से विद्यार्थियों के साथ-साथ मरीजों को भी बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। जीएमसीएच-32 आने वाले समय में मेडिकल शिक्षा और चिकित्सा सुविधाओं के क्षेत्र में अपनी भूमिका को और मजबूत करेगा। यह कदम चंडीगढ़ को बेहतर चिकित्सा शिक्षा केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा।

पंजाब में 99.34 फीसदी घरों तक पहुंची गणना टीम 16 दिन में एक करोड़ फॉर्म भरने की उपलब्धि

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब में चल रहे गणना अभियान ने तेजी पकड़ ली है। राज्य में अब तक 99.34 प्रतिशत घरों तक गणना फॉर्म पहुंचाए जा चुके हैं। महज 16 दिनों में करीब एक करोड़ फॉर्म भरने का काम पूरा कर लिया गया है। प्रशासन ने इसे अभियान की बड़ी उपलब्धि बताया है। वहीं, जो लोग किसी कारण से फॉर्म नहीं भर पाए हैं, उनके लिए 11 और 12 जुलाई को पोलिंग बूथों पर विशेष कैंप लगाए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, गणना प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए घर-घर जाकर टीमों ने लोगों से संपर्क किया। कर्मचारियों और अधिकारियों ने निर्धारित समय के भीतर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया। इस दौरान लोगों ने भी अभियान में सहयोग करते हुए अपने फॉर्म भरकर जमा करवाए। प्रशासन का कहना है कि गणना कार्य का मुख्य उद्देश्य सभी पात्र लोगों की जानकारी को व्यवस्थित तरीके से दर्ज करना है। इसके लिए मैदानी स्तर पर तैनात कर्मचारियों की ओर से लगातार काम किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में अधिकतर क्षेत्रों में यह प्रक्रिया लगभग पूरी हो चुकी है।

11 और 12 जुलाई को लगाए जाने वाले विशेष कैंपों का उद्देश्य उन लोगों को सुविधा देना है, जो घर पर उपलब्ध नहीं थे या किसी अन्य कारण से अपना फॉर्म जमा नहीं कर सके। लोग अपने नजदीकी पोलिंग बूथ पर पहुंचकर गणना से जुड़ी प्रक्रिया पूरी कर सकेंगे। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि जिन परिवारों का फॉर्म अभी तक जमा नहीं हुआ है, वे इन विशेष कैंपों का लाभ उठाएं। अधिकारियों के अनुसार, अंतिम चरण में किसी भी व्यक्ति को गणना प्रक्रिया से बाहर न रहने देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

गणना अभियान की निगरानी के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सभी जिलों से प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है और जहां भी कमी सामने आ रही है, वहां अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि निर्धारित समय में अधिकतम घरों तक पहुंच बनाना इस अभियान की प्राथमिकता है। पंजाब में 99.34 प्रतिशत घरों तक पहुंच के बाद अब शेष कार्य को जल्द पूरा करने की तैयारी की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि गणना अभियान की सफलता के लिए लोगों की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण है। अंतिम चरण में टीमों को निर्देश दिए गए हैं कि वे शेष परिवारों तक पहुंच बनाकर फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी करवाएं। प्रशासन की ओर से विशेष कैंपों की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रचार भी किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि तय समय सीमा के भीतर पूरा अभियान पूरा कर लिया जाएगा और किसी भी पात्र व्यक्ति की जानकारी दर्ज होने से नहीं छूटेगी। अधिकारियों ने बताया कि गणना प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी आंकड़ों का सत्यापन किया जाएगा। इसके आधार पर आगे की योजनाएं और प्रशासनिक व्यवस्थाएं तैयार की जाएंगी।

अमृतसर में डेरे के बाहर युवक की गोली मारकर हत्या, 5 राउंड फायर

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर। अमृतसर जिले में एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां डेरे के बाहर एक युवक की गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बताया जा रहा है कि हमलावरों ने युवक पर करीब पांच राउंड फायर किए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक अपने परिवार का इकलौता बेटा था। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब युवक डेरे के बाहर मौजूद था। इसी दौरान कुछ लोगों से उसकी कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने के बाद आरोपियों ने उस पर हमला कर दिया और गोलियां चला दीं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर उन्हें जल्द गिरफ्तार करने के प्रयास किए जा रहे हैं। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों ने घटना पर चिंता जताते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में विवाद के बाद हत्या किए जाने की बात सामने आ रही है। हालांकि, पूरी घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पुलिस जल्द ही मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस ने बताया कि मृतक के परिवार और आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है, ताकि घटना से जुड़े सभी तथ्यों का पता लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हत्या के पीछे की असली वजह सामने आएगी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। इलाके में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। वहीं, स्थानीय लोगों ने बढ़ती वारदातों पर चिंता जताते हुए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा।

बटाला में मीटर छेड़छाड़ रोकने पर छह गोलियां मारकर कर दी व्यक्ति की हत्या

बिजली मीटर छेड़छाड़ का विवाद, लाइसेंसी पिस्टल से फायरिंग में व्यक्ति की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, बटाला

गांव सीड़ा में बिजली मीटर से छेड़छाड़ को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। मामूली कहासुनी के बाद एक व्यक्ति की लाइसेंसी पिस्टल से छह गोलियां मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। थाना घणीए के बांगर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, गांव सीड़ा में बिजली मीटर से कथित तौर पर छेड़छाड़ की जा रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति ने इसका विरोध किया। विरोध करने पर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि विवाद बढ़ने के बाद आरोपी ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकाल ली और व्यक्ति पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही थाना घणीए के बांगर की पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, घटनास्थल से संबंधित साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में हत्या की वजह बिजली मीटर के साथ छेड़छाड़ को लेकर हुआ विवाद सामने आया है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ की जा रही है ताकि घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जानकारी हासिल की जा सके। पुलिस ने बताया कि लाइसेंसी हथियार के इस्तेमाल की भी जांच की जा रही है। घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

पठानकोट में हाई वोल्टेज सप्लाई से जले उपकरण, पावरकॉम पर उठे सवाल

भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट

पावरकॉम की बिजली सप्लाई में आई तकनीकी खराबी से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। डबल फेस सप्लाई और हाई वोल्टेज के कारण कई घरों के बिजली उपकरण खराब हो गए, जबकि एक ट्रांसफार्मर भी प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है। अचानक बढ़े वोल्टेज से लोगों में डर का माहौल बन गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बिजली सप्लाई में गड़बड़ी के बाद घरों में लगे टीवी, फ्रिज, पंखे, इनवर्टर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो गए। कई परिवारों को अचानक हुए नुकसान से आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी और समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पावरकॉम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और सप्लाई व्यवस्था की जांच शुरू की। अधिकारियों ने तकनीकी खराबी का पता लगाने के लिए ट्रांसफार्मर और बिजली लाइनों की जांच की। विभाग की ओर से प्रभावित क्षेत्रों में व्यवस्था सुधारने के प्रयास किए गए।

लोगों ने मांग की है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बिजली लाइनों और ट्रांसफार्मरों की नियमित जांच की जाए। साथ ही नुकसान झेलने वाले उपभोक्ताओं को उचित सहायता देने की भी मांग उठाई गई है।पावरकॉम अधिकारियों का कहना है कि खराबी के कारणों की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी और आगे की कार्रवाई की जाएगी। उपभोक्ताओं की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

अबोहर मेयर चुनाव विवाद में भाजपा नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात कर सौंपा मांगपत्र, मांगा न्याय

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

अबोहर नगर निगम मेयर चुनाव को लेकर सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है।आम आदमी पार्टी (आप) के गणेश सबलानिया को मेयर निर्वाचित घोषित किया गया था, जिसके बाद भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर दिए थे। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि बहुमत होने के बावजूद उनके उम्मीदवार को हराकर आप पार्षद को मेयर पद दिया गया। मामले को लेकर भाजपा ने धांधली के आरोप लगाते हुए विरोध दर्ज कराया था।

जानकारी के अनुसार, अबोहर नगर निगम में भाजपा के 28 पार्षद हैं। इसके अलावा विधायक का वोट शामिल करने पर भाजपा के पक्ष में कुल 29 वोट होने का दावा किया गया था। भाजपा नेताओं का कहना था कि संख्या बल के हिसाब से उनका उम्मीदवार मजबूत स्थिति में था, लेकिन चुनाव परिणाम उनके पक्ष में नहीं आया। हार के बाद भाजपा ने चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया और दोबारा जांच की मांग उठाई।

भाजपा के विरोध के बाद प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया और चुनाव प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि मतदान और मतगणना की प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और नियमों के अनुसार दोबारा चुनाव कराया जाए।

वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से गणेश सबलानिया के निर्वाचन को सही बताया गया था। पार्टी नेताओं का कहना था कि चुनाव प्रक्रिया निर्धारित नियमों के अनुसार पूरी की गई है। हालांकि, भाजपा के विरोध के बाद यह मामला राजनीतिक विवाद का विषय बन गया है। मेयर चुनाव को लेकर दोनों दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। भाजपा नेताओं ने इस मामले को लेकर राज्यपाल से मुलाकात कर मांगपत्र भी सौंपा है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की जांच और उचित कार्रवाई की मांग की है। अब प्रशासन और संबंधित अधिकारियों की भूमिका अहम हो गई है। चुनाव रद्द होने के बाद नए सिरे से प्रक्रिया शुरू होने की संभावना जताई जा रही है।

निगम की राजनीति में इस विवाद के कारण माहौल गरमा गया है। स्थानीय स्तर पर भी लोगों की नजर अब दोबारा होने वाली चुनाव प्रक्रिया और उसके परिणाम पर टिकी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच और नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, भाजपा और आप दोनों दल अपनी-अपनी दलीलों के साथ मैदान में हैं। आने वाले दिनों में यह विवाद और गहराने की संभावना है।

अवैध संबंधों के शक में पत्नी की हत्या, जुड़वा बच्चों ने भी गंवाई जान

भारतेन्दु संवाददाता, मानसा

मानसा जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक व्यक्ति पर अपनी गर्भवती पत्नी की हत्या करने का आरोप लगा है। इस वारदात में महिला के पेट में पल रहे जुड़वा बच्चों की भी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था। इसी शक के चलते उसने कथित तौर पर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की तलाश के लिए अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की जा रही है। प्रारंभिक जांच में अवैध संबंधों के शक को वारदात की वजह बताया जा रहा है।

घटना के बाद मृतका के परिवार में मातम छा गया है। स्थानीय लोगों ने इस घटना पर गहरा दुख जताया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही पूरी घटना की सच्चाई सामने आ सकेगी। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है। पुलिस ने बताया कि मामले में सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद हत्या के कारणों और वारदात की पूरी स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

शेरा की करतूतों पर बिट्टू का हमला, उठाए खालिस्तान समर्थकों पर सवाल

भारतेंन्दु संवाददाता, लुधियाना। बिट्टू ने आतंकी शेरा को लेकर बड़ा दावा किया है। उसने आरोप लगाया कि शेरा ने एक परिवार के साथ बेहद क्रूर वारदात को अंजाम दिया था। बिट्टू के अनुसार, शेरा पर परिजनों की हत्या और एक लड़की से दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगे थे। उसने सवाल उठाया कि ऐसे अपराध करने वाले लोगों को किस आधार पर शहीद कहा जा सकता है। बिट्टू के बयान के बाद मामले को लेकर चर्चा तेज हो गई है। उसने खालिस्तान समर्थक गतिविधियों से जुड़े लोगों पर भी सवाल खड़े किए हैं। हालांकि, लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित तथ्यों और रिकॉर्ड की जांच जरूरी है। मामले में आगे की जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट होगी।

शादी से इनकार पर युवक ने नहर में कूदकर दी जान, प्रेमिका पर केस दर्ज

भारतेंन्दु संवाददाता, अबोहर। शादी से इनकार करने के बाद एक युवक ने कथित तौर पर नहर में कूदकर अपनी जान दे दी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया। पुलिस ने मृतक के पिता के बयान पर युवक की प्रेमिका के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों का आरोप है कि युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे, लेकिन शादी को लेकर विवाद चल रहा था। आरोप है कि शादी से मना किए जाने के बाद युवक मानसिक रूप से परेशान था। इसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। पुलिस ने मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी। पुलिस ने नहर क्षेत्र से संबंधित साक्ष्य जुटाए हैं और मामले में दोनों पक्षों से जानकारी ली जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर की जा रही है।

पटियाला में जिम ट्रेनर की कार पर फायरिंग, पीछा कर किया हमला

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला

जिम ट्रेनर की कार पर फायरिंग का मामला सामने आया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल बन गया। आरोप है कि कुछ लोगों ने जिम ट्रेनर का पीछा किया और उसकी कार को टक्कर मारने के बाद गोली चला दी। हालांकि, इस हमले में जिम ट्रेनर बाल-बाल बच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घटना उस समय हुई जब जिम ट्रेनर अपनी कार में जा रहा था। इसी दौरान कुछ हमलावरों ने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। आरोपियों ने पहले उसकी कार को टक्कर मारी और इसके बाद वाहन पर फायरिंग कर दी। अचानक हुए हमले से जिम ट्रेनर घबरा गया और मौके से बच निकलने में कामयाब रहा।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों की पहचान के लिए विभिन्न पहलुओं से जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में पुलिस हमले के पीछे पुरानी रंजिश या अन्य कारणों की संभावना को भी देख रही है। जिम ट्रेनर से पूछताछ कर आरोपियों और घटना के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जल्द ही आरोपियों को पकड़ने के लिए कार्रवाई तेज की जाएगी। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। वहीं, घटना के बाद लोगों में भय का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही फायरिंग के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। पुलिस ने बताया कि मामले में संदिग्धों की तलाश के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर पूरी घटना का खुलासा करने का प्रयास किया जा रहा है।पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। अधिकारियों ने दावा किया कि जल्द कार्रवाई की जाएगी।

गुरदासपुर में गन्ने के खेत से मिला संदिग्ध ड्रोन, सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

भारतेन्दु संवाददाता, बटाला

गुरदासपुर जिले में गन्ने के खेत से एक संदिग्ध ड्रोन मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। खेत में ड्रोन मिलने की सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और उसे कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इलाके में निगरानी बढ़ा दी गई है। जानकारी के अनुसार, स्थानीय लोगों ने गन्ने के खेत में ड्रोन पड़ा देखा, जिसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ड्रोन को सुरक्षित तरीके से अपने कब्जे में लिया।

प्रारंभिक जांच में ड्रोन के इस्तेमाल और इसे खेत तक पहुंचने की परिस्थितियों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में जांच की जा रही है। ड्रोन से जुड़े सुराग जुटाने के लिए इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। इसके अलावा यह भी पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन किसने और किस उद्देश्य से उड़ाया था। सुरक्षा एजेंसियां भी मामले पर नजर बनाए हुए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण ड्रोन मिलने की घटना को गंभीरता से लिया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी भी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु की जानकारी मिले तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें। फिलहाल ड्रोन की तकनीकी जांच कर उसके स्रोत और उपयोग से जुड़ी जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। मामले में आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, ड्रोन की जांच के लिए विशेषज्ञों की मदद ली जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि ड्रोन सामान्य गतिविधि के लिए इस्तेमाल किया गया था या किसी संदिग्ध उद्देश्य से उड़ाया गया। फिलहाल क्षेत्र में निगरानी बढ़ा दी गई है और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

घरेलू विवाद का दर्दनाक अंत, जहर खाने से पिता-पुत्री की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पटियाला। ऑफिसर कॉलोनी में एक परिवार के जहर खाने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मृतक विकास बातिश की बहन, जीजा, सगे भाई और भाभी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इस घटना में विकास बातिश और उनकी 13 वर्षीय बेटी की मौत हो चुकी है, जबकि पत्नी तमन्ना बातिश की हालत स्थिर बताई जा रही है। उनका बेटा कनव अभी भी आईसीयू में भर्ती है। विकास की पत्नी ने आरोप लगाया है कि उनके पति ने अपने जीजा रणबीर छिब्बर को 45 लाख रुपये उधार दिए थे। इसके अलावा 10 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि भी दी गई थी। आरोप है कि बहन और जीजा ने यह रकम वापस करने से इनकार कर दिया। पत्नी ने यह भी आरोप लगाया कि विकास के भाई पंकज और भाभी रंजना भी उन्हें परेशान कर रहे थे। लगातार विवाद और मानसिक तनाव के चलते परिवार ने यह कदम उठाया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपों की पुष्टि के लिए सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

पंचायत चुनाव की रंजिश में हिंसा फायरिंग के बाद गैंगस्टर की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, अमृतसर

घरिंडा थाना क्षेत्र के गांव भकना कलां की दाना मंडी में सरपंची विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई फायरिंग में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, अन्य नामजद आरोपियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, गांव भकना कलां में सरपंच गुरदीप सिंह और पंचायत सदस्य परगट सिंह उर्फ बल्लू के गुट के बीच लंबे समय से सरपंची को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश के चलते दोनों पक्ष दाना मंडी में आमने-सामने आ गए। बातचीत के दौरान विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते दोनों पक्षों की ओर से गोलियां चलने लगीं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फायरिंग के दौरान कई राउंड गोलियां चलीं, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गोली लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की जांच शुरू कर दी है। डीएसपी अटारी यादविंदर सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच पुराना विवाद चल रहा था, जिसके चलते यह घटना हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। गांव में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

पर्दाफाश एक हॉल में रखे गए थे 52 युवक, जांच में तंबाकू और नशे के इंजेक्शन बरामद

नशा छुड़ाने के नाम पर खेल, केंद्र से तंबाकू और इंजेक्शन बरामद

भारतेन्दु संवाददाता, तरनतारन

अवैध रूप से चलाए जा रहे एक नशा मुक्ति केंद्र के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रशासन और संबंधित विभागों की टीम ने 52 युवाओं को मुक्त करवाया है। जांच के दौरान केंद्र से भारी मात्रा में नशे की सामग्री बरामद होने से हड़कंप मच गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस स्थान पर युवाओं को नशे से दूर करने के लिए रखा गया था, वहां नियमों की अनदेखी की जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, कार्रवाई के दौरान टीम को एक हॉल में 52 युवाओं के रहने की जानकारी मिली। सभी युवाओं को एक ही स्थान पर रखा गया था। मौके की स्थिति देखकर अधिकारियों ने केंद्र की व्यवस्था और संचालन को लेकर सवाल उठाए हैं। टीम ने युवाओं को सुरक्षित बाहर निकालकर आवश्यक सहायता उपलब्ध करवाई। जांच के दौरान

केंद्र परिसर से तंबाकू सहित अन्य संदिग्ध सामग्री और नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले इंजेक्शन बरामद किए गए।

अधिकारियों ने बरामद सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। टीम यह पता लगाने में जुटी है कि यह सामग्री केंद्र में कैसे पहुंची और इसका इस्तेमाल कौन कर रहा था। बताया जा रहा है कि कार्रवाई के दौरान केंद्र का संचालक मौके पर मौजूद नहीं था। अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही वह फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संचालक की तलाश की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि नशा मुक्ति केंद्र चलाने के लिए तय नियमों और मानकों का पालन करना जरूरी है।

बिना अनुमति या नियमों के खिलाफ चल रहे केंद्रों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी नशा मुक्ति केंद्र में अपने परिजनों को भर्ती करवाने से पहले उसकी मान्यता और सुविधाओं की जांच जरूर करें। मुक्त करवाए गए युवाओं की काउंसलिंग और स्वास्थ्य जांच करवाई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, पूरे मामले की विस्तृत जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने कहा कि अवैध केंद्रों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चंडीगढ़ में सरकारी मकानों की व्यवस्था होगी ऑनलाइन, कर्मचारियों को मिलेगी बड़ी राहत

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

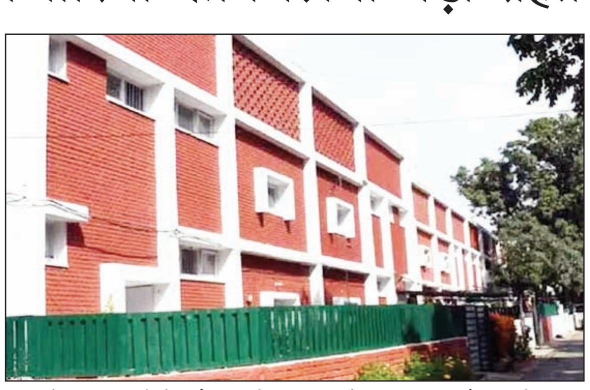

यूटी प्रशासन के हजारों कर्मचारियों के लिए राहत भरी खबर है। सरकारी मकानों के आवंटन और प्रबंधन की पूरी व्यवस्था अब डिजिटल होने जा रही है। चंडीगढ़ प्रशासन ई-आवास पोर्टल को अपग्रेड करने की तैयारी कर रहा है, जिसके बाद सरकारी मकानों से जुड़ी अधिकांश सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध होंगी। इस कदम से कर्मचारियों को सरकारी आवास से जुड़े कामों के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलेगी।

जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ प्रशासन हाउस अलॉटमेंट कमेटी (एचएसी) और राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सहयोग से इस परियोजना पर काम कर रहा है। नए डिजिटल सिस्टम के तहत सरकारी मकानों के आवंटन से लेकर प्रबंधन तक की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाया जाएगा।

ई-आवास पोर्टल के अपग्रेड होने के बाद कर्मचारी ऑनलाइन माध्यम से सरकारी मकान के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा आवास बनाए रखने की अनुमति, स्थानांतरण, ट्रांजिट आवास, पानी और बिजली की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी), शिफ्टिंग चार्ज में छूट सहित अन्य मंजूरियों के लिए भी डिजिटल सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान व्यवस्था में कर्मचारियों को कई सेवाओं के लिए अलग-अलग विभागों से संपर्क करना पड़ता है। इससे समय की बर्बादी होती है और प्रक्रिया में देरी भी होती है।

नई ऑनलाइन व्यवस्था लागू होने के बाद आवेदन, मंजूरी और रिकॉर्ड प्रबंधन की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद है। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल सिस्टम लागू होने से सरकारी मकानों की जानकारी भी बेहतर तरीके से उपलब्ध रहेगी। इससे खाली मकानों, आवंटित आवासों और लंबित मामलों की निगरानी आसान होगी।

अच्छे संस्कार और मजबूत पारिवारिक मूल्य ही नई पीढ़ी को नशे के दुष्चक्र से बचाने की सबसे बड़ी शक्ति

क्यों आधुनिक समाज में युवाओं, युवतियों और बच्चों में नशे की लत देखने को मिल रही है? नशा एक गंभीर समस्या और चुनौती भी बन चुका है, जो न केवल बच्चों और व्यक्तियों को, बल्कि उसके परिवार और पूरे समाज को खोखला कर रहा है। नशे की समस्या से निपटने के लिए सिर्फ कानूनी नियम और चिकित्सा सहायता ही काफी नहीं होगी। संस्कार व्यक्ति को आंतरिक रूप से सशक्त बनाते हैं। नशे की ओर बढ़ते कदमों को भी रोकते हैं।

संस्कारों की भूमिका : संस्कार बच्चों के लिए नींव और सुरक्षा कवच की तरह होते हैं। संस्कार बच्चों और व्यक्तियों के चरित्र, विचारों, प्रथाओं, परंपराओं और नैतिक मूल्यों का निर्माण भी करते हैं। बच्चों और व्यक्तियों के लिए यह वह पहली ढाल है, जो हर बच्चे और व्यक्ति को हमेशा गलत रास्ते पर जाने से भी रोकती है। पारिवारिक मूल्य : जिस परिवार में इंसानियत, नैतिक मूल्य, अनुशासन और आपसी संवाद को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है वहां बच्चों में नशे की ओर झुकाव की संभावना बहुत कम होती है। माता-पिता के अच्छे आचरण ही बच्चों के लिए सबसे बड़ा संस्कार बनते हैं।

धर्म देवा
प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक
गांव धारना, जिला चंबा

पारिवारिक माहौल : परिवार का माहौल कैसा है। परिवार में बड़े बुजुर्ग नशे के आदी तो नहीं हैं, क्योंकि बच्चा जो कुछ भी सीखता है वह पहले अपने पारिवारिक माहौल से ही सिखता है। अगर परिवार में कोई व्यक्ति नशा नहीं करता है तो बच्चे के कदम कभी भी नशे की तरफ नहीं जा सकते। परिवार के वातावरण का बच्चों के संस्कारों पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है।

संस्कारों की नींव और जागरूकता : बचपन से ही बच्चों को अगर संस्कार सिखाए जाएं तभी उनमें सशक्त जागरूकता आती है। संस्कार दो प्रकार के होते हैं- आंतरिक संस्कार और बाह्य संस्कार। बाह्य संस्कार बच्चों को बाहर की चीजों, और चकाचौंध की ओर लालायित करते हैं । आंतरिक संस्कार बच्चों के भीतर होते हैं, जो ज्ञान, सत कर्म और सही मार्ग पर ले जाते हैं, जिसके कारण बच्चे भटकाव से बच जाते हैं।

सही गलत की जानकारी : अच्छे संस्कार बच्चों और व्यक्तियों को जीने की राह सिखते हैं। क्या परिवार और समाज के लिए सही है ? क्या गलत है ? बच्चों और व्यक्तियों का आत्मज्ञान उसे क्षणिक आनंद, शौक, दबाव में आकर नशा करना और दूरगामी नुकसान के बीच के अंतर को समझता है।

संगति का चयन : किस से दोस्ती करनी है, किससे दूरी बनानी है। बच्चे और संस्कारी व्यक्ति हमेशा सकारात्मक और उन्नति की ओर ले जाने वाले मित्रों का ही चयन करता है, जिससे वह दोस्तों के दबाव में आकर नशा करने से भी बच जाता है।

मानसिक सुदृढ़ता : संस्कार केवल अच्छे-बुरे का अंतर ही नहीं सिखाते, बल्कि जीवन के उतार-चढ़ाव, तनाव, संघर्ष और असफलताओं का सामना करने की शक्ति भी प्रदान करते हैं। संस्कारों से युक्त व्यक्ति कठिन परिस्थितियों में निराश होने के बजाय धैर्य और आत्मविश्वास के साथ समस्याओं का समाधान खोजता है।

संस्कार पथ प्रदर्शक : संस्कार बच्चों और व्यक्तियों के लिए पथप्रदर्शक का कार्य करते हैं। वे उनमें सकारात्मक सोच, नैतिक मूल्यों और जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। अच्छे संस्कार व्यक्ति को सही निर्णय लेने और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं। बच्चों का व्यक्तित्व माता-पिता, परिवार और आसपास के वातावरण पर निर्भर करता है। बच्चा वही सीखता है जो वह अपने आसपास देखता और अनुभव करता है। संस्कारों की नींव बच्चों में अगर बचपन मे ही डाल दी जाए तो ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव होगा।

आज के डिजिटल युग में बच्चों और युवाओं पर सोशल मीडिया, फिल्मों, वेब श्रृंखलाओं तथा साथियों के प्रभाव का असर पहले की तुलना में कहीं अधिक बढ़ गया है। कई बार नशे को आधुनिकता, फैशन या तनाव दूर करने के साधन के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जिससे युवा भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे समय में केवल परिवार ही नहीं बल्कि विद्यालय, महाविद्यालय, समाज, धार्मिक संस्थाएँ और प्रशासन भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विद्यालयों में नियमित जागरूकता कार्यक्रम, नशा विरोधी अभियान, खेलकूद, योग, सांस्कृतिक गतिविधियाँ तथा परामर्श सेवाएँ बच्चों को सकारात्मक दिशा प्रदान करती हैं। वहीं माता-पिता को भी बच्चों के साथ खुलकर संवाद करना चाहिए, उनकी समस्याओं को धैर्यपूर्वक सुनना चाहिए और उन्हें प्रेम, विश्वास तथा सही मार्गदर्शन देना चाहिए। यदि समाज का प्रत्येक व्यक्ति नशामुक्त वातावरण बनाने का संकल्प ले, अच्छे संस्कारों को जीवन का आधार बनाए और नई पीढ़ी को नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रयास करे, तो निश्चित रूप से नशे जैसी गंभीर सामाजिक बुराई पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

युवा पीढ़ी यदि बुजुर्गों के अनुभव और संस्कारों से जुड़ेगी तभी मजबूत समाज का निर्माण होगा

किसी भी सभ्य समाज की पहचान केवल उसकी आर्थिक प्रगति या तकनीकी विकास से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। बुजुर्ग परिवार और समाज की वह अमूल्य धरोहर हैं, जिनके अनुभव, संघर्ष और त्याग ने आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत नींव तैयार की है। आज के तेज रफ्तार और आधुनिक जीवन में युवा वर्ग नई तकनीक और अवसरों की ओर अग्रसर है, लेकिन इसी दौड़ में कई बार बुजुर्गों की भावनाएं और आवश्यकताएं पीछे छूट जाती हैं, जो चिंता का विषय है।

बुजुर्ग जीवन के उस चरण में होते हैं जहां उन्हें शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक सहारे की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। उम्र बढ़ने के साथ उनकी सक्रियता कम हो जाती है, सामाजिक दायरा सीमित हो जाता है और अकेलेपन की भावना बढ़ने लगती है। ऐसे समय में परिवार के युवाओं का स्नेह, समय और सम्मान उनके लिए सबसे बड़ी ताकत बनता है। यदि युवा उनके साथ संवेदनशील व्यवहार करें तो बुजुर्ग स्वयं को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करते हैं।

तुलसी राम डोगरा
स्वतंत्र लेखक, पालमपुर

बुजुर्ग केवल सलाह देने वाले व्यक्ति नहीं होते, बल्कि वे जीवन के अनुभवों का जीवंत स्रोत होते हैं। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव, कठिन परिस्थितियों और संघर्षों को निकट से देखा होता है। उनके अनुभव युवाओं को सही निर्णय लेने और जीवन की जटिलताओं को समझने में मदद करते हैं। यदि युवा उनकी बातों को ध्यान से सुनें, तो परिवार में आपसी समझ, प्रेम और विश्वास का वातावरण मजबूत होता है। वर्तमान समय में तकनीक और सोशल मीडिया ने लोगों को जोड़ने के साथ-साथ कई बार पारिवारिक संवाद को कम भी कर दिया है। एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति और रोजगार के कारण युवाओं का घर से दूर रहना आम हो गया है। इसके परिणामस्वरूप कई बुजुर्ग स्वयं को अकेला और उपेक्षित महसूस करने लगते हैं। यह स्थिति समाज में पीढ़ियों के बीच दूरी को बढ़ाती है।

अक्सर युवा यह मान लेते हैं कि बुजुर्ग उनकी आधुनिक सोच को नहीं समझ सकते, जबकि बुजुर्ग यह महसूस करते हैं कि उनके अनुभवों को महत्व नहीं दिया जा रहा। यह आपसी समझ की कमी ही पीढ़ीगत अंतर को जन्म देती है। इस अंतर को कम करने का सबसे प्रभावी माध्यम संवाद और सम्मान है।

युवाओं को चाहिए कि वे बुजुर्गों के साथ अधिक समय बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें और उनके अनुभवों से सीखने का प्रयास करें। केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त नहीं होती, बल्कि भावनात्मक सहारा और अपनापन भी उतना ही आवश्यक है। यदि युवा प्रतिदिन कुछ समय अपने दादा-दादी, नाना-नानी या अन्य वरिष्ठ सदस्यों के साथ बिताएं, तो इससे न केवल बुजुर्गों का अकेलापन कम होगा, बल्कि युवाओं को भी जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य सीखने को मिलेंगे। बुजुर्गों के पास धैर्य, संयम, त्याग, अनुशासन और नैतिकता जैसे जीवन मूल्यों का समृद्ध भंडार होता है। उनका जीवन संघर्ष युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वे कठिन परिस्थितियों में भी जिस धैर्य और साहस के साथ जीवन जीते हैं, वह किसी भी पाठ्यपुस्तक से अधिक प्रभावशाली शिक्षा देता है। आज जब समाज भौतिकवाद की ओर बढ़ रहा है, तब बुजुर्गों के संस्कार और अनुभव ही युवाओं को मानवीय मूल्यों से जोड़ते हैं।

भारतीय संस्कृति में सदैव माता-पिता और बुजुर्गों के सम्मान को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। यही परंपरा समाज को मजबूत और संतुलित बनाती है। बुजुर्ग केवल अतीत की स्मृति नहीं हैं, बल्कि वे वर्तमान के मार्गदर्शक और भविष्य की दिशा दिखाने वाले प्रकाश स्तंभ भी हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> **हंसी** छूत की बीमारी है, आपको हंसी आई नहीं कि दूसरे को जबरदस्ती अपने दाँत निकालने पड़ेंगे।
>
> -प्रेमलता दीप

संपादकीय

आस्था से मिलता है आत्मबल

मानव जीवन में ईश्वर के प्रति आस्था का महत्व सदियों से स्वीकार किया जाता रहा है। संसार की लगभग सभी सभ्यताओं और संस्कृतियों में ईश्वर को सृष्टि का आधार माना गया है। समय चाहे सुख का हो या दुख का मनुष्य का मन किसी अदृश्य शक्ति की ओर अवश्य आकर्षित होता है। यही विश्वास उसे कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का साहस देता है। ईश्वर में विश्वास केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन को सही दिशा देने वाली एक सकारात्मक भावना है। यह मनुष्य को आशा धैर्य आत्मविश्वास और नैतिकता का मार्ग दिखाती है। जब व्यक्ति स्वयं को असहाय अनुभव करता है तब ईश्वर में उसकी आस्था उसे मानसिक शक्ति प्रदान करती है और जीवन के संघर्षों का सामना करने की प्रेरणा देती है। ईश्वर में विश्वास का अर्थ अंधविश्वास नहीं बल्कि यह स्वीकार करना है कि इस ब्रह्मांड के पीछे एक ऐसी महान शक्ति कार्य कर रही है जो समस्त सृष्टि का संचालन करती है। मनुष्य अपनी बुद्धि और परिश्रम से बहुत कुछ प्राप्त कर सकता है लेकिन जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जो उसके नियंत्रण से बाहर होती हैं। जन्म मृत्यु प्रकृति के नियम समय का परिवर्तन और अनेक अप्रत्याशित परिस्थितियां हमें यह अनुभव कराती हैं कि जीवन में केवल मनुष्य की इच्छा ही सर्वोपरि नहीं है। ऐसे समय में ईश्वर के प्रति विश्वास व्यक्ति को संतुलित दृष्टिकोण अपनाने में सहायता करता है और उसे निराशा से बचाता है।

जीवन संघर्षों से भरा हुआ है। प्रत्येक व्यक्ति कभी न कभी आर्थिक कठिनाइयों पारिवारिक समस्याओं बीमारी असफलता या मानसिक तनाव का सामना करता है। ऐसे समय में यदि मनुष्य के भीतर ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास हो तो वह टूटता नहीं बल्कि धैर्य के साथ परिस्थितियों का सामना करता है। उसे यह विश्वास रहता है कि कठिन समय स्थायी नहीं होता और ईश्वर प्रत्येक परीक्षा के बाद नया अवसर प्रदान करता है। यही भावना व्यक्ति को निराशा से निकालकर आशा की ओर ले जाती है। इसलिए कहा जाता है कि जहां विश्वास होता है वहां भय कम हो जाता है और जहां भय समाप्त होता है वहां आत्मविश्वास जन्म लेता है। ईश्वर में विश्वास मनुष्य को नैतिक जीवन जीने की प्रेरणा देता है। संसार के सभी प्रमुख धर्म सत्य अहिंसा दया करुणा क्षमा सेवा और परोपकार जैसे मूल्यों का संदेश देते हैं। जब व्यक्ति ईश्वर को साक्षी मानकर अपने जीवन का संचालन करता है तब वह दूसरों के साथ अन्याय करने से बचता है। वह अपने व्यवहार में ईमानदारी अपनाता है और समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करता है। इस प्रकार ईश्वर में आस्था केवल व्यक्तिगत शांति का साधन नहीं बल्कि सामाजिक सद्भाव और नैतिक व्यवस्था की भी आधारशिला है।

ईश्वर में विश्वास का सबसे बड़ा लाभ मानसिक शांति है। आधुनिक जीवन में प्रतिस्पर्धा अत्यधिक बढ़ गई है। सफलता प्राप्त करने की दौड़ में लोग तनाव चिंता और अवसाद का सामना कर रहे हैं। ऐसे वातावरण में प्रार्थना ध्यान और ईश्वर का स्मरण मन को स्थिरता प्रदान करता है। जब व्यक्ति कुछ समय के लिए स्वयं को सांसारिक चिंताओं से अलग कर ईश्वर का ध्यान करता है तब उसके भीतर नई ऊर्जा का संचार होता है। वैज्ञानिक अनुसंधानों में भी यह पाया गया है कि नियमित ध्यान और प्रार्थना मानसिक तनाव को कम करने तथा सकारात्मक सोच विकसित करने में सहायक हो सकते हैं। इसलिए आध्यात्मिक जीवन केवल धार्मिक दृष्टि से ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। ईश्वर में विश्वास का अर्थ यह नहीं कि मनुष्य कर्म करना छोड़ दे और केवल भाग्य पर निर्भर हो जाए। लगभग सभी धार्मिक परंपराएं यह सिखाती हैं कि कर्म करना मनुष्य का धर्म है। ईश्वर उसी व्यक्ति की सहायता करता है जो स्वयं भी परिश्रम करता है। यदि किसान खेत में बीज ही न बोए और केवल प्रार्थना करता रहे तो उसे फसल प्राप्त नहीं होगी। विद्यार्थी यदि अध्ययन न करे और केवल सफलता की कामना करे तो वह परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। इसलिए सच्ची आस्था वही है जो परिश्रम और विश्वास दोनों का संतुलन बनाए रखे। ईश्वर पर भरोसा रखने वाला व्यक्ति अपने कर्तव्य पूरे मन से निभाता है और परिणाम को शांत भाव से स्वीकार करता है।

इतिहास ऐसे अनेक महान व्यक्तित्वों से भरा पड़ा है जिन्होंने ईश्वर में अटूट विश्वास के बल पर असंभव प्रतीत होने वाली चुनौतियों का सामना किया। संतों महापुरुषों समाज सुधारकों और स्वतंत्रता सेनानियों ने कठिन परिस्थितियों में भी अपने विश्वास को नहीं छोड़ा। उनके जीवन से यह प्रेरणा मिलती है कि आध्यात्मिक शक्ति मनुष्य को विपरीत परिस्थितियों में भी अडिग बनाए रखती है। उनका विश्वास केवल व्यक्तिगत साधना तक सीमित नहीं था बल्कि मानव सेवा और समाज कल्याण का माध्यम भी बना। ईश्वर में विश्वास व्यक्ति के भीतर विनम्रता का विकास करता है। जब मनुष्य यह समझता है कि जीवन में जो कुछ भी प्राप्त हुआ है वह केवल उसके प्रयासों का परिणाम नहीं बल्कि ईश्वर की कृपा भी है तब उसके भीतर अहंकार नहीं पनपता। विनम्र व्यक्ति दूसरों का सम्मान करता है और अपने ज्ञान तथा सफलता का उपयोग समाज के हित में करता है। इसके विपरीत अहंकार मनुष्य को पतन की ओर ले जाता है। इसलिए आध्यात्मिक परंपराएं सदैव विनम्रता को ईश्वर के निकट पहुंचने का सबसे सरल मार्ग मानती हैं। ईश्वर में विश्वास परिवार और समाज को भी मजबूत बनाता है। जिन परिवारों में प्रेम सहयोग और नैतिक मूल्यों का वातावरण होता है वहां बच्चों का व्यक्तित्व भी सकारात्मक बनता है। यदि माता पिता बच्चों को सत्य बोलने बड़ों का सम्मान करने जरूरतमंदों की सहायता करने और ईश्वर के प्रति कृतज्ञ रहने की शिक्षा देते हैं तो वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। इस प्रकार आस्था केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं रहती बल्कि पूरे समाज के नैतिक विकास में योगदान देती है।

-शिवांश धाकड़

प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व ही भविष्य का रास्ता, अन्यथा पहाड़ों में तबाही का सिलसिला नहीं थमेगा

वर्ष 2026 में एक बार फिर मानसून ने भारत के पहाड़ी और उत्तर-पूर्वी राज्यों में भारी तबाही मचाई है। हिमाचल प्रदेश में नदियों के उफान से पुल बह रहे हैं, उत्तराखंड में चारधाम यात्रा मार्गों पर भूस्खलन से सैकड़ों यात्री फंसे हैं, जम्मू-कश्मीर के संवेदनशील पहाड़ी ढलानों पर मलबा गिर रहा है और पूर्वोत्तर के राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और त्रिपुरा में लाखों लोग बाढ़ और विस्थापन का दंश झेल रहे हैं। हर साल मानसून के दौरान पहाड़ों में मचने वाली यह चीख-पुकार अब केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं रह गई है। यह एक गंभीर चेतावनी है कि क्या प्रकृति का मिजाज बदला है या फिर हमारे लालच और संवेदनहीनता ने इन शांत पहाड़ों को टाइम बम में तब्दील कर दिया है?

पवन कुमार शर्मा
स्वतंत्र लेखक

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, इस वर्ष मानसून की तीव्रता में अप्रत्याशित बदलाव देखा गया है। जुलाई के शुरुआती हफ्तों में ही हिमाचल के सोलन और सिरमौर जैसे इलाकों में इतनी भारी बारिश हुई कि स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े। किन्नौर में उफनती नदी ने लोहे के मजबूत पुलों को लील लिया। पूर्वोत्तर में अरुणाचल प्रदेश के 26 से अधिक जिलों में फ्लैश फ्लड और रॉकफॉल ने पूरे जनजीवन को पंगु बना दिया है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद् लंबे समय से चेतावनी दे रहे हैं कि हिमालय दुनिया की सबसे नई और कच्ची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। इसकी एक निश्चित वहन क्षमता है। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने इस संवेदनशीलता को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। पहाड़ की छाती को चीरकर अवैज्ञानिक बुनियादी ढांचा और फोर-लेन सड़कें बनाई जा रही हैं। पहाड़ों की सड़कों को चौड़ा करने के लिए 'वर्टिकल कटिंग' यानी सीधी कटाई की जा रही है। जब पहाड़ों को ढलान की बजाय सीधा काटा जाता है तो उनकी जड़ों की पकड़ कमजोर हो जाती है। नतीजा, हल्की सी बारिश होते ही पूरी की पूरी पहाड़ी नीचे आ जाती है।

दूसरा, पहाड़ी क्षेत्रों में हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स का अनियंत्रित जाल बिछ रहा है। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को मोड़कर बनाई जा रही सुरंगों और बांधों ने पहाड़ों को अंदर से खोखला कर दिया है। टनल बनाने के लिए की जाने वाली अनियंत्रित ब्लास्टिंग से टेक्टोनिक रूप से सक्रिय यह क्षेत्र और अधिक अस्थिर हो गया है। पहाड़ी टूरिस्ट डेस्टिनेशंस पर अनियंत्रित कंक्रीटीकरण और पर्यटन का दबाव है। शिमला, मनाली, नैनीताल और जोशीमठ जैसे शहरों में वहन क्षमता से कई गुणा अधिक बहुमंजिला होटल और इमारतें खड़ी हो गई हैं। पहाड़ों का ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह ठप है जिससे बारिश का पानी जमीन के अंदर रिसकर पूरी जमीन को ही धंसा रहा है।

मानव जाति की संवेदनहीनता केवल पहाड़ों तक सीमित नहीं है। वैश्विक स्तर पर कार्बन उत्सर्जन के कारण जो 'ग्लोबल वॉर्मिंग' हो रही है, उसका सीधा असर मानसून के पैटर्न पर पड़ा है। अब शॉर्ट-ड्यूरेशन इंटेंस रेनफॉल होने लगा है। अब बारिश महीनों में रुक-रुक कर होने के बजाय कुछ ही घंटों में दर्जनों सेंटीमीटर बरस जाती है। गर्म हवाओं के कारण पहाड़ों के ऊपर अचानक घने बादलों का निर्माण होता है जिससे सीमित दायरे में प्रलयंकारी बारिश होती है जिसे क्लाउड बर्स्ट या बादल का फटना कहते हैं। उत्तर-पश्चिम भारत में जब भूमध्य सागर से आने वाली नम हवाएं यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस मानसूनी हवाओं से टकराती हैं तो पहाड़ों पर विनाशकारी स्थिति पैदा होती है।

पहाड़ी राज्यों में विकास बनाम विनाश की लड़ाई चल रही है। तथाकथित 'सस्टेनेबल मॉडल' और 'व्यावसायिक मॉडल' के बीच के अंतर ने संकट को बढ़ाया है। नदियों के पास अपना रिवर बैड या 'बाढ़ क्षेत्र' होता है जहां वे फैलती हैं। लेकिन नदी तटों पर अवैध माइनिंग, होटल और बस्तियों का अंधाधुंध निर्माण हुआ है जिससे पानी अब सीधे शहरों में घुसता है। पहाड़ों में कटाई ढलान के अनुसार की जानी चाहिए ताकि मिट्टी का कटाव कम हो लेकिन जगह बचाने के चक्कर में 90-डिग्री वर्टिकली कटान हो रहा है जिससे लैंडस्लाइड की घटनाएं कई गुणा बढ़ गईं।

बांज (ओक) और दूसरी स्थानीय प्रजाति के पेड़ जो पानी सोखते हैं और मिट्टी को बांधते हैं; उनकी बजाय व्यावसायिक लाभ के लिए चीड़ (पाइन) जैसे पेड़ों को बढ़ावा दिया गया जो मिट्टी को नहीं बांध पाते। संसद की संसदीय समिति की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार 'हिमालयी राज्यों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी देने से पहले वहां के भू-वैज्ञानिक ढांचे और वहन क्षमता का कड़ाई से मूल्यांकन नहीं किया जाना आपदाओं का सबसे बड़ा कारण है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यक्तित्व विशेष

मासूम अदाकारी की चमक

स्विनी खरा

स्विनी खरा का जन्म 12 जुलाई 1998 को हुआ। उन्होंने बहुत कम उम्र में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और अपनी सहज अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लिया। बाल कलाकार के रूप में उन्होंने कई लोकप्रिय धारावाहिकों और फिल्मों में काम किया तथा अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उनकी मासूम मुस्कान और स्वाभाविक अभिनय ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

स्विनी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्मों में भी अपनी अलग पहचान बनाई। आमिर खान अभिनीत चर्चित फिल्म चीनी कम और विशेष रूप से पा में उनके अभिनय की काफी सराहना हुई। फिल्म पा में निभाए गए उनके किरदार ने दर्शकों और समीक्षकों का ध्यान आकर्षित किया।

भजन

दिव्य अनुराग

राकेश डोगरा
गांव कौना, पालमपुर

यह तन मिट्टी का बर्तन है, रहेगा नहीं अटल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
जब तक साबुत है हम इसमें अमृत भर कर रखें,
दूषित जल न बनने दें इसे खूब संभाल के रखें।
कोई कपटी आकर इससे, कोई कपटी आकर इससे
कर जाए न छल, टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
खेल खेल में बीता बचपन, जिद में कटी जवानी,
और बुढ़ापा रोगों में, जीवन की यही कहानी।
कब करेगा रब का सिमरन, बीत रहा पल पल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।
ऐ मानस काहे करता तू इस तन का अभिमान,
तन तो राख बनेगा, कर्मों से होगी तेरी पहचान।
कहीं भटक न जाना, कहीं भटक न जाना,
चलना हर पल संभल संभल,
टूटेगा ही टूटेगा यह आज नहीं तो कल।

शिक्षा से ही मिटेगा भेदभाव और बनेगा समान अवसरों वाला सशक्त समाज

हर वर्ष 12 जुलाई को मालाला दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दुनिया भर में शिक्षा के अधिकार विशेष रूप से बालिकाओं की शिक्षा के महत्व को रेखांकित करने के लिए समर्पित है। इस दिन का उद्देश्य केवल एक व्यक्ति का जन्मदिन मनाना नहीं है बल्कि उस विचार का सम्मान करना है जिसके अनुसार शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है। मालाला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि ज्ञान सबसे बड़ी शक्ति है और शिक्षा के माध्यम से ही समाज में समानता न्याय और विकास का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

सुभाष चंद कासव
राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक
कवि लेखक एवं साहित्यकार

मालाला दिवस का संबंध नोबेल शांति पुरस्कार विजेता मालाला यूसुफजई के जीवन संघर्ष और उनके साहसिक अभियान से जुड़ा है। कम उम्र में ही उन्होंने उन परिस्थितियों का सामना किया जिनमें लड़कियों को स्कूल जाने से रोका जा रहा था। उन्होंने भय और हिंसा के सामने झुकने के बजाय शिक्षा के अधिकार के लिए आवाज उठाई। उनका यह साहस पूरी दुनिया के लिए प्रेरणा बन गया। इसी कारण 12 जुलाई को उनके जन्मदिन के अवसर पर शिक्षा और बालिका सशक्तिकरण का संदेश देने के लिए मालाला दिवस मनाया जाता है।

शिक्षा केवल पढ़ना और लिखना सीखने का माध्यम नहीं है बल्कि यह व्यक्ति के व्यक्तित्व का निर्माण करती है। शिक्षा से सोचने समझने और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित होती है। शिक्षित व्यक्ति अपने अधिकारों और कर्तव्यों को बेहतर ढंग से समझता है। यही कारण है कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति उसके नागरिकों की शिक्षा पर निर्भर करती है। जब समाज का प्रत्येक बच्चा विशेषकर प्रत्येक बेटी शिक्षित होगी तभी देश समृद्ध और विकसित बन सकेगा।

विश्व के अनेक देशों में आज भी लाखों बच्चे शिक्षा से वंचित हैं। गरीबी सामाजिक असमानता बाल विवाह लैंगिक भेदभाव युद्ध प्राकृतिक आपदाएं और विस्थापन जैसी अनेक समस्याएं बच्चों को विद्यालय से दूर कर देती हैं। सबसे अधिक प्रभावित लड़कियां होती हैं क्योंकि कई स्थानों पर आज भी यह सोच मौजूद है कि लड़कियों की शिक्षा आवश्यक नहीं है। मालाला दिवस ऐसी सोच को बदलने और शिक्षा को प्रत्येक बच्चे तक पहुंचाने का संकल्प लेने का अवसर प्रदान करता है।

मालाला यूसुफजई का जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक व्यक्ति का साहस पूरी दुनिया में परिवर्तन की शुरुआत कर सकता है। उन्होंने छोटी उम्र में ही शिक्षा के महत्व को समझा और कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपनी पढ़ाई जारी रखी। शिक्षा के अधिकार के लिए उनके संघर्ष ने दुनिया का ध्यान इस ओर आकर्षित किया कि आज भी करोड़ों बच्चों को विद्यालय जाने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। उनके प्रयासों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकारों सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों को इस दिशा में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

मालाला दिवस का सबसे महत्वपूर्ण संदेश यह है कि शिक्षा किसी विशेष वर्ग या समुदाय का अधिकार नहीं बल्कि प्रत्येक बच्चे का जन्मसिद्ध अधिकार है। संविधान और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार घोषणाएं भी प्रत्येक बच्चे को शिक्षा का अधिकार प्रदान करती हैं। फिर भी अनेक क्षेत्रों में संसाधनों की कमी और सामाजिक बाधाओं के कारण यह अधिकार पूरी तरह से लागू नहीं हो पाया है। इस दिवस के माध्यम से सरकारों और समाज से यह अपेक्षा की जाती है कि वे गुणवत्तापूर्ण और समान शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास करें।

बालिका शिक्षा किसी भी समाज के विकास की सबसे मजबूत नींव होती है। जब एक लड़की शिक्षित होती है तो उसका लाभ केवल उसी तक सीमित नहीं रहता बल्कि उसका पूरा परिवार और आने वाली पीढ़ियां भी उससे लाभान्वित होती हैं। शिक्षित महिलाएं बेहतर स्वास्थ्य बेहतर आर्थिक स्थिति और सामाजिक जागरूकता का आधार बनती हैं। वे अपने बच्चों को भी शिक्षा के लिए प्रेरित करती हैं जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आता है। इसलिए कहा जाता है कि यदि एक पुरुष शिक्षित होता है तो एक व्यक्ति शिक्षित होता है लेकिन यदि एक महिला शिक्षित होती है तो पूरा परिवार शिक्षित होता है।

भारत सहित अनेक देशों ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। विद्यालयों में नि:शुल्क शिक्षा छात्रवृत्ति मध्याह्न भोजन योजना पुस्तकें और वर्दी उपलब्ध कराना विद्यालयों में शौचालय और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना तथा डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देना ऐसे अनेक प्रयास हैं जिनका उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ना है। इसके बावजूद अभी भी कई ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा की पहुंच मजबूत करने की आवश्यकता बनी हुई है।

वर्तमान समय में डिजिटल तकनीक ने शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा की हैं। ऑनलाइन कक्षाएं डिजिटल पुस्तकालय और शैक्षणिक मंचों ने सीखने के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। हालांकि डिजिटल संसाधनों तक समान पहुंच सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है क्योंकि इंटरनेट और उपकरणों की कमी के कारण अनेक बच्चे इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। मालाला दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि आधुनिक शिक्षा सभी तक समान रूप से पहुंचे तभी उसका वास्तविक लाभ समाज को मिलेगा।

मालाला दिवस केवल सरकारों की जिम्मेदारी का स्मरण नहीं कराता बल्कि प्रत्येक नागरिक को भी अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। माता पिता को बच्चों विशेषकर बेटियों की शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। समाज को बाल विवाह बाल श्रम और लैंगिक भेदभाव जैसी कुप्रथाओं का विरोध करना चाहिए। सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों को शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने तथा जरूरतमंद बच्चों की सहायता करने के लिए आगे आना चाहिए। विद्यालयों और महाविद्यालयों में इस अवसर पर भाषण प्रतियोगिता निबंध लेखन चित्रकला वाद विवाद संगोष्ठी और जागरूकता रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों में शिक्षा के महत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना होता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

'भारतेन्दु शिखर

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

एम्स गोरखपुर में गैस्ट्रो वार्ड का शुभारंभ पूर्वांचल के मरीजों को मिलेगी बड़ी राहत

एजेंसी, गोरखपुर

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), गोरखपुर में गैस्ट्रो वार्ड का शुभारंभ किया गया है। इस नई चिकित्सा सुविधा के शुरू होने से पूर्वांचल, पश्चिमी बिहार और नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। अब पेट, आंत, लिवर और पाचन तंत्र से जुड़ी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को दूसरे बड़े शहरों का रुख करने की जरूरत कम होगी।

एम्स प्रशासन के अनुसार, गैस्ट्रो वार्ड को आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस किया गया है। यहां मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में जांच, उपचार और भर्ती की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। वार्ड में पाचन तंत्र, लिवर, पित्ताशय, अग्न्याशय और आंतों से संबंधित विभिन्न बीमारियों का उपचार किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि गैस्ट्रो से जुड़ी बीमारियों के मरीजों को लंबे समय से बेहतर उपचार के लिए लखनऊ, दिल्ली और अन्य महानगरों की ओर जाना पड़ता था। नई सुविधा शुरू होने के बाद क्षेत्र के मरीजों को अपने ही इलाके में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। इससे मरीजों और उनके परिजनों का समय और आर्थिक बोझ भी कम होगा।

गैस्ट्रो वार्ड में अत्याधुनिक जांच उपकरणों और जरूरी चिकित्सा संसाधनों की व्यवस्था की गई है। विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की बीमारी की पहचान कर बेहतर उपचार योजना तैयार करेंगे। गंभीर मामलों में मरीजों को भर्ती कर लगातार निगरानी में रखा जाएगा।

एम्स गोरखपुर में इस सुविधा के विस्तार को क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे पूर्वांचल समेत आसपास के राज्यों और पड़ोसी देश नेपाल के मरीजों को भी लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि पेट और लिवर से जुड़ी बीमारियों के मामलों में समय पर जांच और उपचार बेहद जरूरी होता है। गैस्ट्रो वार्ड शुरू होने से मरीजों को शुरुआती स्तर पर ही विशेषज्ञ सलाह और उपचार मिल सकेगा।

प्रो. गोविंद पांडेय राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की विद्वत परिषद में नामित, ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ेगा योगदान

एमएमएमयूटी गोरखपुर के प्रो. पांडेय का नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन अकादमिक काउंसिल में चयन

एजेंसी, लखनऊ

मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एमएमएमयूटी), गोरखपुर के सिविल इंजीनियरिंग विभाग से हाल ही में सेवानिवृत्त हुए प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रो. गोविन्द पाण्डेय को भारत सरकार ने महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय की ओर से उन्हें राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत गठित सात सदस्यीय विद्वत् परिषद (अकादमिक काउंसिल) का सदस्य नामित किया गया है।

मंत्रालय की ओर से नौ जुलाई को जारी आदेश में उनके चयन की जानकारी दी गई। राष्ट्रीय स्तर की इस परिषद में प्रो. पाण्डेय को हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में कौशल विकास, प्रशिक्षण मानकों और शैक्षणिक गुणवत्ता से जुड़े विषयों पर अपनी विशेषज्ञ राय देने की जिम्मेदारी दी गई है। परिषद का गठन राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के लक्ष्यों को प्रभावी रूप से लागू करने के उद्देश्य से किया गया है।

इस विद्वत् परिषद की अध्यक्षता राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद के निदेशक करेंगे। परिषद में देश के विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इसमें सतारा के डॉ. सुभाष देशमुख, पुणे के डॉ. दादासाहेब जे. शेंडगे, नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के प्रतिनिधि और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के महाप्रबंधक सदस्य के रूप में शामिल हैं। वहीं कौशल विकास मंत्रालय के उप निदेशक को परिषद का सदस्य सचिव बनाया गया है।

परिषद का मुख्य कार्य राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप योग्यता पैक और प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की समीक्षा करना होगा। इसके अलावा परिषद कौशल विकास से जुड़े गुणवत्ता मानकों को तय करने, प्रशिक्षण व्यवस्था में मौजूद कमियों की पहचान करने और उनमें सुधार के सुझाव देने का काम करेगी। परिषद हरित हाइड्रोजन क्षेत्र में प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार करने के लिए मूल्यांकन और प्रमाणन की एक समान व्यवस्था विकसित करने में भी सहयोग करेगी। प्रो. गोविन्द पाण्डेय पर्यावरण अभियांत्रिकी के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रहे हैं। उन्होंने आईआईटी रुड़की से पर्यावरण अभियांत्रिकी में पीएचडी की है। एमएमएमयूटी में अपने 38 वर्षों के गौरवशाली कार्यकाल के दौरान उन्होंने शिक्षण, शोध और परामर्श के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया।

पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के अध्ययन में प्रो. पाण्डेय का विशेष योगदान रहा है। उन्होंने आमी, राप्ती और घाघरा जैसी नदियों के पर्यावरणीय मुद्दों पर शोध और कार्य किया है। जल प्रदूषण नियंत्रण, पर्यावरण प्रबंधन और सतत विकास जैसे विषयों पर उनकी विशेषज्ञता को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। एमएमएमयूटी के शिक्षकों और अधिकारियों ने प्रो. पाण्डेय के चयन को विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया है।

न्यूज ब्रीफ

हाथ मिलाने तक का रेट तयः राजभर

एजेंसी, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधा है। अंबेडकरनगर दौरे के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि सपा में भी ऐसी व्यवस्था चल रही है जिसमें अखिलेश यादव से मिलने और हाथ मिलाने तक के लिए रेट तय है। राजभर ने अखिलेश यादव की संपत्ति को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा कि राजनीति में खर्च होने के बावजूद उनकी संपत्ति लगातार बढ़ रही है। उन्होंने इस पर जवाब मांगा है।

नाबालिग बालिका को 1.20 लाख रुपये में खरीदकर छोटे भाई से शादी कराने वाला गिरफ्तार

एजेंसी, सोनभद्र। जिले की एक किशोरी को एक लाख 20 हजार रुपये में खरीदकर अपने छोटे भाई से विवाह कराने के आरोप में फरार आरोपित को राबर्ट्सगंज कोतवाली पुलिस ने एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग की संयुक्त टीम की मदद से शुक्रवार देर रात को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में कुछ आरोपित पहले गिरफ्तार किए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) अभिषेक वर्मा ने शनिवार को बताया कि राबर्ट्सगंज कोतवाली में एक नाबालिग बालिका की 1.20 लाख रुपये में खरिद फरोक्त, जबरन शादी और दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज था। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी थी। शुक्रवार को पुलिस की संयुक्त टीम ने एक सूचना के आधार पर राबर्ट्सगंज रेलवे स्टेशन के पास से अलीगढ़ निवासी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

पौधरोपण सिर्फ फोटो खिंचवाने तक सीमित न रहे, उनका संरक्षण भी जरूरी : रेवती रमण सिंह

एजेंसी, प्रयागराज। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह ने शनिवार को सरकार के 'एक पेड़ माँ के नाम' पौधरोपण अभियान की जमीनी स्थिति पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण सुधार एवं संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन उचित योजना और पौधों की देखरेख के अभाव में यह अभियान केवल कागजी आंकड़ों और फोटो खिंचवाने तक सीमित होकर रह गया है। पूर्व सांसद ने कहा कि हर वर्ष मानसून के दौरान रिकॉर्ड संख्या में पौधे लगाए जाते हैं, लेकिन उनके संरक्षण की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं होती। अधिकांश स्थानों पर न तो पौधों के लिए ट्री-गार्ड लगाए जाते हैं और न ही नियमित सिंचाई की व्यवस्था की जाती है। परिणामस्वरूप अधिकांश पौधे कुछ ही महीनों में सूख जाते हैं या मवेशियों द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं।

नवाब सिंह की बेनामी संपत्तियों पर जल्द होगी बड़ी कार्रवाई

एजेंसी, कन्नौज। कन्नौज के गैंगस्टर नवाब सिंह यादव के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार तेज हो रही है। जिले में 28 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क करने के बाद अब पुलिस नोएडा, आगरा, मथुरा और वृंदावन में उसकी कथित बेनामी संपत्तियों की जांच कर रही है। पुलिस राजस्व रिकॉर्ड, जमीन, मकान, फ्लैट और व्यावसायिक संपत्तियों की जानकारी जुटा रही है। अधिकारियों के अनुसार गैंगस्टर से जुड़े करीबियों और रिश्तेदारों के नाम पर खरीदी गई संपत्तियों की भी जांच की जा रही है। जल्द ही बड़ी कार्रवाई की तैयारी है।

तीन माह के बच्चे के पेट से निकला आठ सप्ताह का भ्रूण, बरेली में सामने आया दुर्लभ मामला

एजेंसी,बरेली। बरेली के रामपुर गार्डन स्थित निजी अस्पताल में सर्जरी कर तीन माह के बच्चे के पेट से करीब आठ सप्ताह का भ्रूण निकाला गया। डॉक्टरों के मुताबिक, इस स्थिति को फीटस इन फीटू कहते हैं। एक दशक में दुनियाभर में तीन सौ ऐसे मामले सामने आए हैं। बरेली में यह दूसरा मामला बताया जा रहा है। शाहजहांपुर के कलान निवासी किसान दुर्गेश और राधा के तीन माह के बेटे मंजेश को दूध पचने में दिक्कत हो रही थी। पेट में छाती के नीचे गांठ महसूस होने पर परिजन जांच के लिए निजी मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जांच में लिवर के नीचे फीटस इन फीटू की पुष्टि हुई। उसमें बाल, हड्डी, अंगुलियां आदि विकसित हो रही थीं।

सात वर्षीय बच्ची का शव निर्माणाधीन मॉल के पास मिला, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

एजेंसी, भदोही

उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के नंदग्राम थाना क्षेत्र में शनिवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। राजनगर एक्सटेंशन इलाके में निर्माणाधीन मॉल के पास सात वर्षीय बच्ची का शव लहूलुहान हालत में बरामद हुआ। बच्ची के सिर और मुंह पर पत्थर से गंभीर चोट के निशान मिले हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, मृतक बच्ची निर्माणाधीन मॉल में काम करने वाले एक मजदूर परिवार की थी। परिवार के लोग मॉल के पास बनी झुग्गी में रहते हैं। परिजनों ने बताया कि शुक्रवार रात सभी लोग अपनी झुग्गी में सो रहे थे। रात करीब 12 बजे जब परिवार की नींद खुली तो बच्ची अपने बिछौने पर मौजूद नहीं थी। काफी तलाश करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार सुबह निर्माणाधीन मॉल के पास बच्ची का शव मिलने की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में बच्ची के सिर और चेहरे पर पत्थर से वार किए जाने की बात सामने आई है।

पुलिस उपायुक्त धवल जायसवाल ने बताया कि बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि हो सकेगी। पुलिस ने आशंका जताई है कि बच्ची को किसी व्यक्ति द्वारा झुग्गी से ले जाया गया और सुनसान स्थान पर वारदात को अंजाम दिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। संदिग्ध लोगों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटना के बाद मजदूर परिवार और आसपास के लोगों में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। पुलिस ने लोगों को भरोसा दिलाया है कि दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद पुलिस ने इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी है और स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि बच्ची को आखिरी बार किसके साथ देखा गया था और वह झुग्गी से बाहर कैसे पहुंची। जांच टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए हैं। फॉरेंसिक टीम की मदद से भी मामले की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं, मजदूर परिवार ने आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर न्याय दिलाने की मांग की है।

छात्र-छात्राओं की माताएं करेंगी मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता की निगरानी : बेसिक शिक्षा अधिकारी

एजेंसी, मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालयों में संचालित पीएम पोषण योजना (मध्याह्न भोजन) की गुणवत्ता अब छात्र-छात्राओं की माताओं की निगरानी में होगी। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अमित सिंह ने बताया कि योजना में पारदर्शिता बढ़ाने और बच्चों को बेहतर गुणवत्ता वाला भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रत्येक विद्यालय में मां समूह का गठन किया जाएगा।

बीएसए ने बताया कि इस संबंध में जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। अधिकारियों को कहा गया है कि वे अपने क्षेत्र के सभी विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों और प्रभारी शिक्षकों के माध्यम से मां समूह का गठन सुनिश्चित कराएं। इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक विद्यालय में छह महिला अभिभावकों का चयन किया जाएगा।

चयनित महिला अभिभावकों के नाम विद्यालय में सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे। इसके बाद निर्धारित रोस्टर के अनुसार प्रत्येक महिला सप्ताह में एक दिन विद्यालय पहुंचकर मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता की जांच करेगी। वह बच्चों को परोसे जाने वाले भोजन को चखकर उसकी गुणवत्ता, स्वाद और व्यवस्था का निरीक्षण करेगी। इसके साथ ही भोजन से संबंधित आवश्यक सुझाव भी दे सकेगी। महिला अभिभावकों को अपनी जांच और सुझावों की जानकारी रोस्टर रजिस्टर में दर्ज करनी होगी। इसके लिए उन्हें हस्ताक्षर भी करने होंगे, जिससे भोजन व्यवस्था की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जा सके।

बीएसए ने बताया कि यह पहल पीएम पोषण योजना में सामुदायिक भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू की जा रही है। इससे विद्यालयों में बनने वाले भोजन की गुणवत्ता पर लगातार नजर रखी जा सकेगी और किसी भी तरह की लापरवाही को समय रहते दूर किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि जिन विद्यालयों में स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाता है, वहां भी मां समूह की सदस्य भोजन की गुणवत्ता की निगरानी करेंगी।

अधिकारियों के अनुसार, चयनित महिला अभिभावकों को इस कार्य के लिए कोई मानदेय नहीं दिया जाएगा। उनका सहयोग बच्चों के स्वास्थ्य और भोजन व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए स्वैच्छिक रूप से लिया जाएगा। प्रशासन का लक्ष्य है कि इस व्यवस्था से बच्चों को सुरक्षित, पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन मिल सके। मां समूह की निगरानी से मध्याह्न भोजन व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ेगी, बच्चों को मिलेगा बेहतर और पौष्टिक आहार।

फर्जी दस्तावेजों के सहारे 45 लाख की जमीन ठगी पुलिस ने गिरोह के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया

एजेंसी, बाराबंकी

थाना बदोसराय पुलिस ने कूटरचित दस्तावेजों के जरिए जमीन का फर्जी बैनामा कर 45 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का खुलासा किया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई स्विफ्ट कार भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, गिरोह में वह व्यक्ति भी शामिल था, जिसने फर्जी तरीके से जमीन मालिक बनकर बैनामा कराया था।

◆ जमीन धोखाधड़ी मामले में पुलिस का शिकंजा छह आरोपियों को भेजा गया हिरासत में

पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि 9 जुलाई को चन्दवारा निवासी कृष्णावती ने थाना बदोसराय में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में उन्होंने बताया कि उन्होंने 7 मई 2026 को डेरेराजा निवासी बंशीलाल पुत्र संतराम की 13 बीघा जमीन का 45 लाख रुपये में बैनामा कराया था। इसके लिए 15 लाख रुपये आरटीजीएस के माध्यम से और 30 लाख रुपये नकद दिए गए थे।

पीड़िता ने बताया कि जमीन पर कब्जा लेने के दौरान उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। जांच में सामने आया कि असली जमीन मालिक बंशीलाल की जगह बंशी नामक व्यक्ति को फर्जी बंशीलाल बनाकर खड़ा किया गया था। आरोपियों ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर तहसील सिरौली गौसपुर में जमीन का बैनामा करा दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर टीम गठित की गई।

पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलीजेंस और जांच के आधार पर छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार वर्मा उर्फ सुशील, रविनन्दन द्विवेदी, विनोद कुमार, राजकुमार, नन्दकिशोर और बंशी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने पहले जमीन दिखाई और फिर फर्जी मालिक बनाकर सौदा तय कराया। इसके बाद कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर बैनामा करा लिया गया।

वाराणसी में एयर शो का ट्रायल, विमानों की आवाज पहुंची पड़ोसी जिलों तक

एजेंसी, वाराणसी

धार्मिक नगरी काशी में शनिवार को उस समय लोगों का ध्यान आसमान की ओर टिक गया, जब गंगा नदी के ऊपर तीन लड़ाकू विमानों ने तेज गर्जना के साथ उड़ान भरते हुए कई चक्कर लगाए। नमोघाट और आसपास के घाटों के ऊपर विमानों की कलाबाजी देखकर राहगीर और स्थानीय लोग कुछ देर के लिए ठहर गए। लड़ाकू विमानों की गड़गड़ाहट वाराणसी के साथ पड़ोसी जनपद चंदौली तक सुनाई दी।

आसमान में विमानों की शानदार उड़ान लोगों के लिए कौतूहल का विषय बन गई। युवा, बच्चे और स्थानीय लोगों ने अपने मोबाइल फोन से विमानों की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया और कई वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए। हालांकि इस अभ्यास को लेकर दोपहर तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया था, लेकिन माना जा रहा है कि यह आगामी

अक्टूबर माह में एयर फोर्स डे के अवसर पर नमोघाट पर प्रस्तावित एयर शो की तैयारियों का हिस्सा है।

भारतीय वायुसेना के अधिकारी भी एयर शो की तैयारियों में जुटे हुए हैं। शनिवार को होने वाले अभ्यास को देखते हुए नमोघाट पर सुबह से ही सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। एयरफोर्स के अधिकारी और जवान घाट क्षेत्र में तैनात रहे। सुरक्षा कारणों से नमोघाट के फेस-2 के आगे लोगों की आवाजाही को सीमित कर दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के बीच बड़ी संख्या में लोग राजघाट पुल और आसपास की सड़कों से इस रोमांचक नजारे को देखते नजर आए।

बताया जा रहा है कि अभ्यास के दौरान लड़ाकू विमानों ने अलग-अलग कोणों से उड़ान भरते हुए नमोघाट के ऊपर कई बार चक्कर लगाए। चर्चा रही कि इस अभ्यास में राफेल और सूर्य किरण टीम के विमानों ने हिस्सा लिया। सुबह शुरू हुआ यह पूर्वाभ्यास करीब साढ़े 12 बजे तक चला। विमानों की तेज आवाज और आसमान में उनकी कलाबाजी ने काशीवासियों को रोमांचित कर दिया।

वाराणसी कैंट रेलवे स्टेशन के सामने पुरुषों को छेड़ रही पांच महिलाएं गिरफ्तार

एजेंसी, वाराणसी

थाना सिगरा की एंटी रोमियो टीम ने शनिवार को कैंट रेलवे स्टेशन के सामने कार्रवाई करते हुए पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया। आरोप है कि ये महिलाएं स्टेशन के बाहर पिलर नंबर 59 के पास खड़े होकर आने-जाने वाले पुरुषों को अश्लील इशारे कर रही थीं, जिससे कई राहगीरों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ रहा था।

स्थानीय लोगों और राहगीरों ने महिलाओं की हरकतों की जानकारी सिगरा थाने को दी। सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और महिला पुलिसकर्मियों की टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने कार्रवाई करते हुए पांच महिलाओं को मौके से हिरासत में ले लिया, जबकि दो अन्य महिलाएं पुलिस को देखकर वहां से फरार हो गईं। सिगरा थाना प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि कैंट रेलवे स्टेशन क्षेत्र में पुरुषों से अभद्र व्यवहार और परेशान करने की शिकायत मिली थी। इसके बाद महिला पुलिसकर्मियों की मदद से आरोपित महिलाओं को पकड़ा गया।

गिरफ्तार महिलाओं में चार की उम्र करीब 40 वर्ष और एक महिला की उम्र लगभग 27 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने सभी महिलाओं के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस फरार हुई दो महिलाओं की तलाश में जुटी है। अधिकारियों ने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर अशोभनीय गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा। कैंट रेलवे स्टेशन पर पुलिस कार्रवाई, पांच महिलाएं गिरफ्तार हुईं।

विरोध मायावती बोलीं, बसपा ही गरीबों शोषितों और वंचितों के हितों की सच्ची आवाज है

बसपा के बढ़ते प्रभाव से बेचैन हैं विरोधी दल : मायावती

एजेंसी, लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने शनिवार को विरोधी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि बसपा के बढ़ते प्रभाव से विपक्षी दलों में बेचैनी और द्वेष की भावना बढ़ गई है। इसी कारण वे साम, दाम, दंड और भेद जैसी रणनीतियों का सहारा लेकर दलित एवं बहुजन समाज के विभिन्न वर्गों को गुमराह करने और भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं।

मायावती ने सोशल मीडिया एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि बसपा दूसरी पार्टियों की तरह अपना राजनीतिक व चुनावी स्वार्थ साधने के लिये धरना-प्रदर्शन, सड़क जाम, तोड़फोड़, हवाहवाई वादों-दावों और झूठे प्रचार से जनता को गुमराह करने में विश्वास नहीं रखती। बसपा पूरी तरह से पाक-साफ देश की एकमात्र ऐसी अम्बेडकरवादी पार्टी है जो 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' के सिद्धान्त व नीति पर चलकर

गरीबों, मजदूरों, शोषितों-पीड़ितों व उपेक्षितों के हित व कल्याण के लिए समर्पित है। उत्तर प्रदेश में बसपा के नेतृत्व में चार बार रही सरकार में व्यापक जनहित, जनकल्याण, विकास तथा अपराध-नियंत्रण व कानून व्यवस्था के मामलों में कानून का बेहतरीन राज रहा है।

बसपा प्रमुख ने किसी भी राजनीतिक पार्टी का नाम लिए बगैर उन पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव नजदीक आता देख विरोधी पार्टियां अपने हथकंडों आदि के साथ-साथ दलित संगठनों व गुलाम मानसिकता रखने वाले लोगों के कंधे पर बंदूक रखकर राजनीतिक स्वार्थ का अपना खेल आगे बढ़ाना चाहती हैं, जिससे सर्वसमाज के लोगों को व विशेषकर दलित एवं 'बहुजन समाज' के सभी लोगों को सचेत व सतर्क रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बसपा की असली चिन्ता यही है कि सर्वसमाज के गरीब, मजदूर व बेरोजगार नौजवान आदि के साथ-साथ समाज के शोषित-पीड़ित व अन्य उपेक्षित लोग, अपनी समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरने के क्रम में सरकारी द्वेष, उत्पीड़न आदि का शिकार ना बनने पायें। नौजवान अगर सरकारी ज्यादती के कारण यदि मुकदमा व जेल आदि में उलझ जायेंगे तो इससे उनका भविष्य खतरे में पड़ जाने की आशंका है, जो बसपा कतई भी नहीं चाहती है।

मायावती ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए कुछ विरोधी पार्टियों व उनके इशारे पर चलने वाले दलित संगठन की तरह छल व छलावा की राजनीति तथा उनके लिए मगरमच्छ के आंसू नहीं बहाती। न ही संकीर्ण स्वार्थ के लिए गिरगिट की ही तरह रंग बदलती है, बल्कि करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ-साथ अपरकास्ट समाज के गरीबों के वास्तविक हित व कल्याण के लिए अपने गुरु, महापुरुषों के बताये रास्तों पर चलती है।

फतेहपुर में तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार को मारी टक्कर, एक की मौत

एजेंसी, फतेहपुर

उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के जोनिहा-अमौली मार्ग पर स्थित बिलौना मोड़ के पास हुआ। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, खुरमाबाद निवासी सुशील कुमार दीक्षित (66) और नाहर सिंह (45) शनिवार दोपहर मोटरसाइकिल से किसी जरूरी काम के सिलसिले में जोनिहा कस्बे की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक बिलौना मोड़ के पास पहुंची, तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और दोनों घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिंदकी पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने जांच के बाद सुशील कुमार दीक्षित को मृत घोषित कर दिया। वहीं, नाहर सिंह की हालत गंभीर होने पर प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली बिंदकी पुलिस मौके पर पहुंची। कोतवाली प्रभारी दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है और हादसे के बाद फरार हुए अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है। पुलिस ने मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजनों को हादसे की जानकारी मिलते ही घर में मचा कोहराम, पुलिस कर रही वाहन चालक की तलाश।

फतेहाबाद पूर्व सरपंच हत्याकांड में निलंबित सरपंच गिरफ्तार, कोर्ट में होगी पेशी

भारतेंन्दु संवाददाता, फतेहाबाद

हरियाणा के फतेहाबाद जिले के गांव खाराखेड़ी में पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी हत्याकांड में पुलिस ने चौथे आरोपी एवं निलंबित सरपंच संजय को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस इससे पहले इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार भी बरामद कर ली गई है। पुलिस शनिवार को आरोपी को अदालत में पेश कर आगे की कार्रवाई करेगी।

पुलिस के अनुसार, 4 जुलाई 2026 को गांव खाराखेड़ी स्थित रंगला पंजाब तड़का ढाबा के पास पूर्व सरपंच राजेंद्र खिलेरी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में मृतक के भतीजे सौरभ की शिकायत पर पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। थाना सदर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद राय ने बताया कि इससे पहले आरोपी विनोद गोदारा, विक्रम और जिलेसिंह उर्फ सेठी, निवासी खाराखेड़ी, को गिरफ्तार कर चार दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त एक 12 बोर बंदूक, एक देशी पिस्तौल और 12 बोर के पांच कारतूस बरामद किए गए।

पुलिस ने अब निलंबित सरपंच संजय को भी गिरफ्तार कर लिया है। जांच के दौरान वारदात में इस्तेमाल की गई क्रेटा कार भी बरामद कर ली गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच जारी है और सभी पहलुओं की पड़ताल की जा रही है। यदि जांच में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

17 जुलाई को पीएम मोदी करेंगे हरियाणा के 11 अमृत भारत स्टेशनों का लोकार्पण

करोड़ों रुपए की लागत से आधुनिक सुविधाओं से स्टेशनों से यात्रियों को बेहतर यात्रा का अनुभव मिलेगा

भारतेंन्दु संवाददाता, अंबाला

उत्तर रेलवे के लिए 17 जुलाई का दिन ऐतिहासिक साबित होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित 11 अत्याधुनिक रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण करेंगे। इन स्टेशनों में अंबाला रेल मंडल के अंब अंदौरा, साहिबजादा अजीत सिंह नगर (मोहाली), कालका और आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इन स्टेशनों के आधुनिकीकरण से यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने के साथ क्षेत्रीय रेल संपर्क भी मजबूत होगा। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत इन स्टेशनों का व्यापक स्तर पर पुनर्विकास किया गया है। करोड़ों रुपये की लागत से तैयार किए गए स्टेशनों में आधुनिक

यात्री सुविधाएं, आकर्षक भवन, बेहतर प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, दिव्यांगजन के लिए सुगम पहुंच, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, डिजिटल सूचना प्रणाली, उन्नत सुरक्षा व्यवस्था और बेहतर पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना है। अंबाला रेल मंडल के अंब अंदौरा रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास पर लगभग 23.84 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के साथ स्थानीय संस्कृति और क्षेत्रीय पहचान को भी डिजाइन में स्थान दिया गया है।

इससे न केवल यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि पर्यटन और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों को केवल नया स्वरूप नहीं दिया गया है, बल्कि उन्हें भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित किया गया है। यात्री सुविधाओं के विस्तार के साथ सुरक्षा, स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इसके अलावा स्टेशन परिसरों को अधिक व्यवस्थित और पर्यावरण अनुकूल बनाया गया है। रेल मंत्रालय का मानना है कि इन परियोजनाओं से उत्तर रेलवे के बुनियादी ढांचे को नई मजबूती मिलेगी। 17 जुलाई को होने वाला लोकार्पण रेलवे आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इससे लाखों यात्रियों को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिलेगा और रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। इससे क्षेत्रीय विकास, व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

पानीपत में शादी के सात माह बाद युवती की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, पानीपत। शहर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतका की पहचान 21 वर्षीय सहरीन के रूप में हुई है। शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या और हत्या के बीच उलझा हुआ नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार, सहरीन मूल रूप से उत्तर प्रदेश के कैराना क्षेत्र की रहने वाली थी। करीब सात महीने पहले उसने पानीपत निवासी साहिल के साथ प्रेम विवाह किया था। घटना के समय घर में मृतका की सास रेहाना मौजूद थी। उसने पुलिस को बताया कि शनिवार शाम उसका बेटा साहिल और पति जहीर काम पर गए हुए थे। वह घर के अन्य कामों में व्यस्त थी। इसी दौरान सहरीन ने कमरे में जाकर फंदा लगा लिया। सास के बयान के आधार पर पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन घटनास्थल की जांच के दौरान कुछ ऐसे तथ्य सामने आए, जिनसे मामला संदिग्ध लगने लगा। पुलिस की शुरुआती जांच में मृतका के गले पर फंदे के स्पष्ट निशान या किसी तरह की खरोंच नहीं मिली। इसके अलावा शव के मुंह से झाग निकलने की बात भी सामने आई है। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस आत्महत्या के साथ-साथ अन्य संभावनाओं को भी ध्यान में रखकर जांच कर रही है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मृतका का पति साहिल और उसका पिता जहीर भी मौके पर पहुंचे। बताया जा रहा है कि घर पहुंचने के बाद दोनों का मृतका की सास रेहाना से विवाद हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलने पर थाना किला पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और अपराध स्थल जांच टीम को बुलाकर जरूरी साक्ष्य जुटाए। घटनास्थल से मिले तथ्यों और अन्य सबूतों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई पूरी कर पानीपत सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। मृतका के मायके पक्ष को भी सूचना दे दी गई है। मायके वालों के पहुंचने के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने लौह अयस्क से भरा ट्रैक्टर पकड़ा अवैध खनन माफिया में हड़कंप

भारतेंन्दु संवाददाता, नारनौल। महेंद्रगढ़ जिले के नांगल चौधरी क्षेत्र में पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए आंतरी और जैनपुर की पहाड़ियों से अवैध रूप से निकाले गए लौह अयस्क से भरा एक ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर शुक्रवार देर रात थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने छापेमारी कर वाहन को कब्जे में लिया और मामले की सूचना खनन विभाग को भी दे दी। पुलिस के अनुसार, आंतरी और जैनपुर की पहाड़ियों में लंबे समय से अवैध खनन की शिकायतें मिल रही थीं। जब्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को सुरक्षित स्थान पर खड़ा कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022 में इसी क्षेत्र में अवैध खनन के दौरान पहाड़ी का हिस्सा गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रशासन ने रास्ते बंद किए थे, लेकिन खनन माफिया ने दोबारा रास्ते बना लिए। पुलिस ने चेतावनी दी है कि अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

फतेहाबाद में टैंट हाउस संचालक के साथ लाखों की साइबर ठगी, मामला दर्ज

भारतेंन्दु संवाददाता, फतेहाबाद। जिले के भूना कस्बे में साइबर ठगों ने ट्रेडिंग में मुनाफे का झांसा देकर एक टेंट हाउस संचालक से 4.27 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित सुरेंद्र कुमार ने साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि इंस्टाग्राम पर संपर्क करने के बाद आरोपियों ने उसे ट्रेडिंग में निवेश पर अधिक लाभ का लालच दिया। शुरुआत में 10 हजार रुपये निवेश करने पर लाभ दिखाकर उसका भरोसा जीता और उसे कुछ राशि निकालने भी दी। इसके बाद अलग-अलग चरणों में उससे लाखों रुपये जमा करवा लिए। बाद में खाता होल्ड कर अतिरिक्त रकम जमा करने की मांग की गई। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डंपर से भिड़ा परचून से भरा कैंटर, आग में जलकर हुआ खाक

भारतेंन्दु संवाददाता, रेवाड़ी। दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सांवरिया होटल के सामने शनिवार सुबह डंपर और परचून के सामान से भरे कैंटर की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डंपर चालक के अचानक ब्रेक लगाने से पीछे आ रहा कैंटर उससे जा भिड़ा। टक्कर के तुरंत बाद कैंटर आग की लपटों में घिर गया। चालक ने समय रहते वाहन से कूदकर अपनी जान बचा ली। सूचना पर धारूहेड़ा फायर ब्रिगेड और सेक्टर-छह थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कैंटर और उसमें रखा पूरा सामान जलकर राख हो चुका था। हादसे से हाईवे पर कुछ देर जाम लगा रहा। पुलिस ने वाहन हटवाकर यातायात बहाल किया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सोनीपत में बच्चे पर थर्ड डिग्री, चोरी के शक में दुकानदार की हैवानियत

भारतेंन्दु संवाददाता, सोनीपत। जिले में चोरी के शक में एक दुकानदार द्वारा मासूम बच्चे को कथित तौर पर थर्ड डिग्री यातना देने का मामला सामने आया है। आरोप है कि दुकानदार ने बच्चे के हाथ-पैर मरोड़े, उसे करंट लगाया और लगातार पूछताछ करता रहा। इस दौरान बच्चा दर्द से तड़पते हुए अपनी मां को बुलाने की गुहार लगाता रहा। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने वीडियो के आधार पर जांच शुरू कर दी। बच्चे के परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और वीडियो की सत्यता भी परखी जा रही है। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी सम्मान के साथ सब-इंस्पेक्टर को दी अंतिम विदाई

भारतेंन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। केएमपी एक्सप्रेसवे पर गौ-तस्करों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान सड़क हादसे में बलिदान हुए हरियाणा पुलिस के सब-इंस्पेक्टर मुकेश फौगाट का शनिवार को उनके पैतृक गांव फतेहपुर बिल्लौच में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। एसपी नूंह अर्पित जैन की मौजूदगी में पुलिस गार्द ने उन्हें अंतिम सलामी दी। उनके पुत्र मन्नू ने मुखाग्नि दी। अंतिम विदाई में आसपास के गांवों के लोगों, पुलिस अधिकारियों और परिजनों की बड़ी संख्या मौजूद रही। मुकेश फौगाट ने 28 अक्टूबर 1991 को हरियाणा पुलिस में भर्ती होकर करीब 35 वर्षों तक सेवाएं दीं। वर्तमान में वे नूंह जिले की पुन्हाना सीआईए में तैनात थे और उनकी सेवानिवृत्ति में अभी लगभग तीन वर्ष शेष थे।

पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट का फैसला, अदालत में जमा धन की अब बैंक में कराई जाएगी एफडी

भारतेंन्दु संवाददाता, चंडीगढ़

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने अदालतों में जमा होने वाली राशि के प्रबंधन को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ की सभी निष्पादन (एग्जीक्यूशन) अदालतों को निर्देश दिया है कि मामलों के दौरान जमा होने वाली राशि को निष्क्रिय न रखा जाए।

अदालत ने कहा कि ऐसी प्रत्येक राशि को तुरंत किसी राष्ट्रीयकृत बैंक में ब्याज वाली सावधि जमा (फिक्स्ड डिपॉजिट) के रूप में रखा जाए, ताकि उस पर ब्याज मिलता रहे और संबंधित पक्षों को आर्थिक नुकसान न उठाना पड़े। यह आदेश न्यायमूर्ति पंकज जैन ने धन डिक्री से जुड़े एक निष्पादन मामले में दायर सिविल पुनरीक्षण याचिका का निपटारा करते हुए दिया। यह याचिका सफीदों के अतिरिक्त

सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) द्वारा 11 मार्च 2025 को पारित आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थी।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि कई बार मुकदमों के निस्तारण में समय लगने के कारण अदालतों में जमा राशि लंबे समय तक बिना किसी ब्याज के पड़ी रहती है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि अदालत की प्रक्रिया के कारण किसी भी पक्ष को आर्थिक हानि नहीं होनी चाहिए।

यदि किसी व्यक्ति ने अदालत के निर्देश पर राशि जमा कराई है, तो वह धन निष्क्रिय रहने के बजाय ब्याज अर्जित करे। इससे अंतिम निर्णय आने तक संबंधित राशि सुरक्षित भी रहेगी और उसका मूल्य भी बना रहेगा। अदालत ने सभी निष्पादन न्यायालयों को आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने कहा।

फरीदाबाद के बिजनेस हब में दिखा 10 फुट लंबा अजगर

भारतेंन्दु संवाददाता, फरीदाबाद

फरीदाबाद ग्रेटर के सेक्टर-81 स्थित पुरी बिजनेस हब में शनिवार को करीब 10 फुट लंबा अजगर दिखाई देने से इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विशाल अजगर इमारत की बाहरी दीवार पर रेंगता हुआ नजर आया। अचानक सामने आए इस दृश्य को देखकर वहां मौजूद लोग घबरा गए और कुछ ही देर में बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

सुबह करीब 11 बजे लोगों की नजर दीवार पर चढ़े अजगर पर पड़ी। कई लोगों ने तुरंत अपने मोबाइल फोन से उसका वीडियो बना लिया, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। कुछ देर तक दीवार पर रहने के बाद अजगर नीचे उतरा और पास की घनी झाड़ियों में चला गया। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक अजगर झाड़ियों में ओझल हो चुका था। टीम ने आसपास के क्षेत्र में काफी देर तक उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका।

घटना के बाद वन विभाग ने लोगों से अपील की कि यदि अजगर या कोई अन्य वन्यजीव दोबारा दिखाई दे तो उसके पास जाने या उसे पकड़ने की कोशिश न करें। तुरंत विभाग या स्थानीय प्रशासन को सूचना दें ताकि सुरक्षित तरीके से उसका रेस्क्यू किया जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि सेक्टर-81 और आसपास के क्षेत्रों में बारिश के मौसम के दौरान पहले भी अजगर और अन्य सांप दिखाई देते रहे हैं। इलाके में खाली प्लॉट, घनी झाड़ियां और हरियाली अधिक होने के कारण वन्यजीव अक्सर रिहायशी इलाकों की ओर आ जाते हैं।

रेवाड़ी गैस ब्लास्ट में बेटी के बाद पिता की भी मौत, तीन घायल दिल्ली में भर्ती

भारतेंन्दु संवाददाता, रेवाड़ी

हरियाणा के रेवाड़ी में घरेलू गैस विस्फोट से हुए दर्दनाक हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। हादसे में गंभीर रूप से घायल पिता ने दिल्ली के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इससे पहले उनकी बेटी की मौत हो चुकी थी। परिवार के तीन अन्य सदस्य अभी भी दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हैं, जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

यह हादसा घर में अचानक हुए तेज विस्फोट के कारण हुआ था। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि मकान का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और घर में मौजूद सभी लोग इसकी चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने धमाके की आवाज सुनते ही मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। गंभीर रूप से घायल लोगों को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर किया गया था। बेटी की मौत के बाद पिता भी जिंदगी की जंग हार गए। वहीं

तीन अन्य घायलों का इलाज विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्रारंभिक जांच के आधार पर पुलिस ने संबंधित गैस कंपनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोप है कि गैस आपूर्ति या उपकरण में लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और तकनीकी विशेषज्ञों की सहायता से विस्फोट के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। जांच टीम घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रही है। गैस सिलेंडर, रेगुलेटर और पाइप समेत अन्य उपकरणों की जांच की जाएगी ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हादसा तकनीकी खराबी, गैस रिसाव या किसी अन्य वजह से हुआ। पुलिस का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने भी पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया है और मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश देखा गया। लोगों ने प्रशासन से गैस आपूर्ति व्यवस्था की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने तक किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। वहीं प्रशासन ने प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चार दिन से बिजली गुल, गुस्साई महिलाओं ने जेई से की हाथापाई

भारतेंन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। हरियाणा में बिजली संकट को लेकर एक जेई के साथ धक्का-मुक्की और मारपीट का मामला सामने आया है। बताया गया कि क्षेत्र में लगातार चार दिन तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोग पहले ही नाराज थे। शिकायत पर मौके पर पहुंचे जेई का महिलाओं ने घेराव कर दिया। इसी दौरान एक महिला ने आरोप लगाया कि जेई ने उसके साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उसकी छाती को छुआ। आरोप के बाद माहौल तनावपूर्ण हो गया और महिलाओं ने जेई का कॉलर पकड़कर धक्का मुक्की कर दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सायरन खरीद में अनियमितता, 5900 की मशीन 30 हजार में खरीदने का आरोप

भारतेंन्दु संवाददाता, सिरसा

भारत-पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमावर्ती गांवों में आपात स्थिति में लोगों को अलर्ट करने के लिए खरीदे गए सायरनों की खरीद अब विवादों में घिर गई है। सायरन खरीद में कथित अनियमितताओं और कीमतों में भारी अंतर के आरोप सामने आने के बाद मामले की जांच एसडीएम स्तर पर की जा रही है। प्रारंभिक जांच में खरीद प्रक्रिया को लेकर कई सवाल उठे हैं।

जांच के दौरान सामने आया कि सिरसा जिले की मीरपुर ग्राम पंचायत ने जिस क्षमता का सायरन जीएसटी सहित लगभग 5,900 रुपये में खरीदा, उसी क्षमता के सायरन के लिए बड़ागुढ़ा पंचायत समिति ने दिल्ली की एक फर्म को 30 हजार रुपये प्रति सायरन का भुगतान किया। दोनों खरीद में कीमत का बड़ा अंतर सामने आने से सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी के अनुसार, बड़ागुढ़ा पंचायत समिति ने कुल 48 सायरनों की खरीद की, जिन पर जीएसटी सहित लगभग 16.99 लाख रुपये खर्च किए गए। इस मामले के सामने आने के बाद प्रशासन ने खरीद प्रक्रिया से जुड़े सभी दस्तावेजों और भुगतान संबंधी रिकॉर्ड की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी तथ्यों की निष्पक्ष जांच की जाएगी और यदि किसी स्तर पर वित्तीय अनियमितता या नियमों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों एवं संबंधित पक्षों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। फिलहाल खरीद प्रक्रिया, निविदा, भुगतान और उपकरणों की गुणवत्ता से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से पड़ताल की जा रही है। मामले ने स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज कर दी है और लोग जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोष तय होने पर संबंधित अधिकारियों और आपूर्तिकर्ता के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

हरियाणा में नदियां उफान पर, चार गांवों में घुसा पानी, पंचकूला में धारा-163 लागू

भारतेंन्दु संवाददाता, पंचकूला

हरियाणा में लगातार हो रही बारिश से हालात चिंताजनक बने हुए हैं। प्रदेश की कई नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। कुरुक्षेत्र जिले के चार गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से जनजीवन प्रभावित हुआ है। निचले इलाकों में पानी भरने के कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव दल तैनात कर दिए हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रशासन के अनुसार, बढ़ते जलस्तर को देखते हुए संवेदनशील इलाकों के लोगों को सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है। कई खेतों में पानी भरने से किसानों की फसलों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। स्थानीय प्रशासन प्रभावित गांवों में राहत सामग्री पहुंचाने और जरूरतमंद परिवारों की हरसंभव सहायता करने में जुटा है।

उधर, पंचकूला में घग्गर और टांगरी नदियों के उफान पर होने के कारण जिला प्रशासन ने दोनों नदियों के किनारों पर लोगों के जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा-163 लागू कर दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस और प्रशासनिक टीमें लगातार नदी किनारों पर निगरानी कर रही हैं।

इस बीच कुरुक्षेत्र से एक भावुक दृश्य सामने आया, जहां नदी के बढ़ते जलस्तर के बीच एक व्यक्ति अपने दिवंगत भाई की चिता के पास पहरा देता रहा, ताकि तेज बहाव अंतिम संस्कार स्थल तक न पहुंच सके। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसने लोगों को भावुक कर दिया। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के विभिन्न जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना जताई है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने, अनावश्यक यात्रा से बचने तथा किसी भी आपात स्थिति में तुरंत प्रशासन से संपर्क करने की अपील की है।

भिवानी में पूर्व मंत्री का दावा, साजिश से रुका किसानों का 250 करोड़ का बीमा

दलाल बोले, बीमा क्लेम में देरी से किसानों को आर्थिक नुकसान हुआ और चुनावी परिणाम भी प्रभावित हुए

भारतेंन्दु संवाददाता, भिवानी

हरियाणा के भिवानी में पूर्व कृषि मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जे.पी. दलाल ने अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के करीब 250 करोड़ रुपये के फसल बीमा क्लेम को जानबूझकर रोका गया, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा और इसका सीधा राजनीतिक असर भी पड़ा। उन्होंने दावा किया कि यह सब एक सुनियोजित साजिश के तहत किया गया, जिसके कारण उन्हें चुनाव में हार का सामना करना पड़ा।

भिवानी में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से बातचीत करते हुए दलाल ने कहा कि फसल खराब होने के बाद किसानों ने बीमा योजना के तहत मुआवजे की उम्मीद की थी, लेकिन संबंधित अधिकारियों ने समय पर क्लेम जारी नहीं होने दिया। इससे हजारों किसान आर्थिक संकट में आ गए। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि किसानों को समय पर बीमा राशि मिल जाती तो उनकी नाराजगी कम होती और स्थिति अलग हो सकती थी।

पूर्व मंत्री ने कहा कि किसानों का पैसा रोकना केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अधिकारियों ने जानबूझकर फाइलों को लंबित रखा और भुगतान प्रक्रिया में अनावश्यक देरी की। इसका नुकसान सीधे किसानों को उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं और फसल नुकसान से जूझ रहे थे, ऐसे में बीमा क्लेम का समय पर न मिलना उनके लिए दोहरी मार साबित हुआ।

दलाल ने कहा कि प्रदेश सरकार को इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करानी चाहिए। यदि किसी अधिकारी की भूमिका किसानों के भुगतान में देरी या लापरवाही की जिम्मेदार पाई जाती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई

की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों से किसी भी प्रकार का खिलवाड़ स्वीकार नहीं किया जा सकता।

उन्होंने दावा किया कि बीमा क्लेम रुकने से प्रभावित किसानों में भारी नाराजगी थी और इसका असर चुनावी माहौल पर भी पड़ा। उनके अनुसार किसानों ने अपनी नाराजगी मतदान के जरिए जाहिर की, जिससे उन्हें चुनाव में नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता का फैसला सर्वोपरि होता है, लेकिन यदि प्रशासनिक स्तर पर इस तरह की साजिशें हों तो उसका खामियाजा जनप्रतिनिधियों और आम लोगों दोनों को भुगतना पड़ता है।

पूर्व मंत्री ने सरकार से मांग की कि लंबित बीमा क्लेम का जल्द से जल्द भुगतान कराया जाए ताकि किसानों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत और अधिकारों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए बीमा भुगतान प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाया जाना चाहिए।

दलाल ने किसानों से संयम बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि उनकी आवाज हर स्तर पर उठाई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि किसानों के हितों की रक्षा के लिए वे लगातार संघर्ष करते रहेंगे। वहीं, इस मामले को लेकर अब राजनीतिक हलकों में भी चर्चा तेज हो गई है और विपक्ष सरकार से पूरे प्रकरण पर जवाब मांग रहा है। दलाल ने कहा कि किसानों को उनकी फसल का उचित मुआवजा समय पर मिलना उनका अधिकार है। उन्होंने आरोप लगाया कि यदि बीमा दावों का समय पर निपटारा किया जाता तो किसानों को आर्थिक राहत मिलती। उन्होंने सरकार से लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करने तथा भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए जवाबदेही तय करने की मांग भी की।

मकड़ी 'बिच्छू' कनखजूरा तस्करी में आरोपी हिरासत में

कस्टम की बड़ी कार्रवाई, विदेशी मकड़ी-बिच्छू तस्करी मामले में आरोपी गिरफ्तार

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के पटपड़गंज इलाके से जुड़े एक मामले में कस्टम विभाग ने खतरनाक जीव-जंतुओं की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की है। आरोपी पर विदेश से बिना अनुमति के जहरीली मकड़ी, बिच्छू और कनखजूरा जैसे जीव भारत लाने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

कस्टम विभाग के अनुसार, आरोपी के पास से कई विदेशी प्रजातियों के जीव बरामद किए गए थे। जांच के दौरान सामने आया कि इन जीवों को बिना किसी वैध दस्तावेज और अनुमति के भारत लाया गया था। बरामद किए गए जीवों में खतरनाक मकड़ियां, बिच्छू और अन्य जहरीले प्राणी शामिल थे, जिन्हें रखने और आयात करने के लिए विशेष अनुमति की आवश्यकता होती है। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण और अन्य संबंधित नियमों के तहत जांच की जा रही है। कस्टम विभाग ने अदालत को बताया कि मामले की जांच अभी जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि इन खतरनाक जीवों को भारत लाने का उद्देश्य क्या था। अदालत में सुनवाई के दौरान कस्टम विभाग ने आरोपी को हिरासत में रखने की मांग की, जिसके बाद कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। जांच एजेंसियां अब इस बात की जानकारी जुटा रही हैं कि आरोपी का किसी अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से संबंध है या नहीं। विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी और जहरीले जीवों की अवैध तस्करी पर्यावरण और लोगों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन सकती है। ऐसे जीवों को बिना विशेषज्ञ निगरानी के रखना खतरनाक साबित हो सकता है।

कस्टम विभाग और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मामले की गहन जांच कर रही हैं।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही पूरे नेटवर्क और तस्करी के पीछे की वजहों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल आरोपी को अदालत के आदेश के अनुसार न्यायिक हिरासत में रखा गया है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। वन्यजीव विशेषज्ञों ने बताया कि विदेशी प्रजातियों के जीवों की अवैध तस्करी से स्थानीय पर्यावरण पर भी असर पड़ सकता है। जांच एजेंसियां आरोपी से पूछताछ कर तस्करी के पूरे नेटवर्क का पता लगाने में जुटी हैं। अधिकारियों ने लोगों से ऐसे मामलों की जानकारी तुरंत देने की अपील की है। जांच एजेंसियां अब आरोपी के संपर्कों और विदेशी जीवों की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही हैं। मामले में आगे कार्रवाई जारी है।

दिल्ली-मेरठ रोड पर घटेगा जाम जीडीए बनाएगा नया अंडरपास

एजेंसी ,नई दिल्ली

गाजियाबाद में दिल्ली-मेरठ रोड स्थित डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग पर लगने वाले रोजाना के जाम से जल्द राहत मिलने की उम्मीद है। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने इस समस्या के समाधान के लिए यहां अंडरपास बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद रेलवे क्रॉसिंग पर वाहनों की आवाजाही आसान हो जाएगी और लोगों को लंबे समय तक लगने वाले जाम से छुटकारा मिलेगा।

डीपीएसजी रेलवे क्रॉसिंग शहर के व्यस्त मार्गों में शामिल है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। ट्रेन आने के समय फाटक बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। इससे आसपास रहने वाले लोगों के साथ-साथ दिल्ली-मेरठ रोड से गुजरने वाले यात्रियों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जीडीए अधिकारियों के अनुसार, अंडरपास निर्माण के लिए प्रारंभिक स्तर पर योजना तैयार की जा रही है। परियोजना के तहत रेलवे लाइन के नीचे से वाहनों के आवागमन के लिए सुरक्षित रास्ता बनाया जाएगा। इससे रेलवे फाटक बंद होने के दौरान भी यातायात प्रभावित नहीं होगा। इस अंडरपास के बनने से रेलवे लाइन के दोनों ओर बसे क्षेत्रों के लोगों को भी बड़ी सुविधा मिलेगी। स्थानीय निवासियों को आने-जाने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा और समय की बचत होगी।

डीपीएसजी क्रॉसिंग पर बनेगा अंडरपास, जाम से मिलेगी राहत

जीडीए जल्द ही परियोजना से जुड़ी तकनीकी जांच, लागत और अन्य प्रक्रियाओं को पूरा करेगा। अधिकारियों का कहना है कि योजना पूरी होने के बाद क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को वर्षों पुरानी जाम की समस्या से राहत मिल सकेगी।

गेस्ट हाउस के कमरे में प्रेमी-प्रेमिका के बीच हुआ विवाद, युवक ने उठाया खौफनाक कदम

एजेंसी ,नई दिल्ली

फरीदाबाद के एनआईटी-5 इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस से प्रेम प्रसंग के चलते एक युवक द्वारा आत्महत्या के प्रयास का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, युवक अपनी प्रेमिका के साथ इस गेस्ट हाउस में आया हुआ था। वहां दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी या विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आवेश में आकर युवक ने कमरे में ही अपनी प्रेमिका की चुनरी (दुपट्टे) का इस्तेमाल कर पंखे से फंदा लगाने की कोशिश की। हालांकि, गनीमत रही कि समय रहते उसे बचा लिया गया, लेकिन इस कोशिश में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही गेस्ट हाउस प्रबंधन और पुलिस हरकत में आए। युवक को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस गेस्ट हाउस के स्टाफ और युवक की प्रेमिका से पूछताछ कर रही है ताकि आत्महत्या के प्रयास के सही कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस का कहना है कि युवक के बयान दर्ज होने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदूषण पर वार : पुराने वाहनों की जगह आएंगे इलेक्ट्रिक और बीएस-6 वाहन

एजेंसी ,नई दिल्ली

नोएडा में प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए पुराने वाहनों को स्क्रैप कर नए बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने की योजना बनाई गई है। इसके तहत पुराने और अधिक प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को हटाकर उनकी जगह आधुनिक और कम प्रदूषण वाले वाहनों को सड़कों पर लाने की तैयारी की जा रही है। प्रशासन की ओर से वाहन मालिकों को प्रोत्साहित करने के लिए कई सुविधाएं देने का प्रस्ताव है। नए बीएस-6 मानक वाले या इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने पर वाहन मालिकों को 10 वर्ष तक 100 प्रतिशत मोटर वाहन कर में छूट देने की योजना है। इसके अलावा इलेक्ट्रिक और पर्यावरण अनुकूल वाहनों को अपनाने के लिए अन्य प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य वायु प्रदूषण को नियंत्रित करना और स्वच्छ

परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देना है। पुराने पेट्रोल और डीजल वाहनों से निकलने वाला धुआं प्रदूषण का बड़ा कारण माना जाता है। ऐसे में स्क्रैप नीति के माध्यम से पुराने वाहनों को हटाकर नए तकनीक वाले वाहनों को बढ़ावा दिया जाएगा।

योजना के लागू होने से आम लोगों को आर्थिक लाभ मिलने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। इलेक्ट्रिक और सीएनजी वाहनों के बढ़ते इस्तेमाल से ईंधन की बचत होगी और शहर में प्रदूषण का स्तर कम करने में सहायता मिलेगी।

तंग इलाकों में राहत पहुंचाएंगी नई दमकल गाड़ियां, दिल्ली तैयार

एजेंसी ,नई दिल्ली

दिल्ली में आग की घटनाओं पर तेजी से काबू पाने के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा अपने बेड़े को और मजबूत करने जा रही है। विभाग जल्द ही 26 नई क्विक रिस्पांस व्हीकल (क्यूआरवी) शामिल करेगा। इन छोटे और आधुनिक वाहनों की मदद से संकरी गलियों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में दमकल कर्मियों को पहुंचने में आसानी होगी।

नई क्यूआरवी के शामिल होने के बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा के पास कुल 50 क्यूआरवी हो जाएंगी। इन वाहनों को खास तौर पर उन क्षेत्रों के लिए तैयार किया गया है, जहां बड़े दमकल वाहन पहुंचने में परेशानी का सामना करते हैं। क्यूआरवी में आग बुझाने के लिए जरूरी उपकरण, पानी की व्यवस्था और आपात स्थिति से

निपटने के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अधिकारियों के अनुसार, राजधानी में कई ऐसे इलाके हैं जहां गलियां बेहद संकरी हैं और ट्रैफिक की वजह से बड़े दमकल वाहनों को पहुंचने में समय लगता है। ऐसे स्थानों पर क्यूआरवी तेजी से पहुंचकर शुरुआती स्तर पर आग को नियंत्रित करने में मदद करेंगी और जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकेगा। योजना के तहत कुछ क्यूआरवी को दिल्ली पुलिस की पीसीआर यूनिट के साथ भी तैनात किया जाएगा, ताकि आपात घटनाओं में पुलिस और अग्निशमन विभाग के बीच बेहतर तालमेल बनाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि यह कदम दिल्ली की आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करेगा और आग लगने की घटनाओं में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा। नई गाड़ियों के शामिल होने से लोगों को आपातकालीन सेवाओं का अधिक तेज और प्रभावी लाभ मिल सकेगा।

डीटीयू की नई पहल से छात्रों को मिलेगा विदेश शिक्षा लाभ

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) ने छात्रों के लिए कई नए शैक्षणिक अवसरों की शुरुआत की है। विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के विस्तार के उद्देश्य से नए कार्यक्रम और समझौते किए हैं। इसके तहत बीटेक करने वाले छात्रों को अमेरिका की ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी से एमएस की डिग्री हासिल करने के लिए क्रेडिट ट्रांसफर की सुविधा मिलेगी। इस पहल से छात्रों को अपनी पढ़ाई के दौरान अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करने का मौका मिलेगा। डीटीयू के अनुसार, योग्य छात्र बीटेक के बाद आगे की पढ़ाई के लिए ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी में प्रवेश ले सकेंगे और उनके पहले किए गए पाठ्यक्रमों के क्रेडिट को मान्यता दी जाएगी। इससे छात्रों का समय और शैक्षणिक भार कम होगा। विश्वविद्यालय ने बताया कि नए कार्यक्रमों का उद्देश्य छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा, बेहतर शोध अवसर और रोजगार की संभावनाएं उपलब्ध कराना है।

न्यूज ब्रीफ

15 साल बाद दिल्ली कांग्रेस में नई टीम जमीनी स्तर पर बढ़ेगा काम

एजेंसी ,नई दिल्ली दिल्ली कांग्रेस ने करीब 15 साल बाद अपनी सभी 14 जिला कमेटियों की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी है। पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से यह बड़ा कदम उठाया है। इसके साथ ही कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर काम को बेहतर बनाने के लिए 'सेक्टर और मंडलम' का नया माइक्रो-मैनेजमेंट ढांचा भी पेश किया है। पार्टी नेताओं के अनुसार, नए संगठनात्मक ढांचे के जरिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय किया जाएगा। जिला कमेटियों में जिम्मेदारियां तय कर संगठन को अधिक प्रभावी बनाने की योजना है। कांग्रेस का लक्ष्य आगामी राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने के लिए मजबूत नेटवर्क तैयार करना है। नई कार्यकारिणी में अनुभवी नेताओं के साथ-साथ नए कार्यकर्ताओं को भी शामिल किया गया है। पार्टी का मानना है कि इससे संगठन में नई ऊर्जा आएगी और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर तालमेल स्थापित होगा। सेक्टर और मंडलम' व्यवस्था के तहत छोटे-छोटे क्षेत्रों में जिम्मेदारियां बांटी जाएंगी, जिससे स्थानीय समस्याओं और लोगों से जुड़े मुद्दों पर तेजी से काम किया जा सके। कांग्रेस नेतृत्व ने कहा है कि यह बदलाव पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद दिल्ली में कांग्रेस की संगठनात्मक गतिविधियों को और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्वास्थ्य विभाग का बड़ा फैसला, आठ डॉक्टरों को नई जिम्मेदारी

एजेंसी, नई दिल्ली नोएडा जिला अस्पताल के आठ वरिष्ठ चिकित्साधिकारियों को पदोन्नति का लाभ मिला है। शासन स्तर से जारी आदेश के अनुसार, इन चिकित्सकों को उच्च पदों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस फैसले से अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने विशेषज्ञ चिकित्सकों की पदोन्नति सूची जारी की है। इसमें जिला अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी भी शामिल हैं। पदोन्नति पाने वाले चिकित्सकों में विभिन्न विभागों के विशेषज्ञ डॉक्टर शामिल हैं, जो लंबे समय से अपनी सेवाएं दे रहे थे। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, पदोन्नति मिलने से चिकित्सकों का मनोबल बढ़ेगा और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। वरिष्ठ डॉक्टरों की नई जिम्मेदारियों से अस्पताल की कार्यप्रणाली और मजबूत होने की उम्मीद है। स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि योग्य और अनुभवी चिकित्सकों को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से समय-समय पर पदोन्नति प्रक्रिया की जाती है। इससे सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ सेवाओं को बढ़ावा मिलता है। नोएडा जिला अस्पताल में पहले से ही बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

अमित शाह ने दिल्ली में लोकनायक जेपी पुस्तकालय का किया उद्धाटन

एजेंसी ,नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिल्ली में लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) के नाम पर स्थापित एक नए आधुनिक पुस्तकालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अमित शाह ने कहा कि शिक्षा और ज्ञान किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होते हैं तथा ऐसे पुस्तकालय युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और जनसेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उनके नाम पर बना यह पुस्तकालय युवाओं को न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में

मदद करेगा, बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास और बौद्धिक क्षमता को भी नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार का उद्देश्य युवाओं को बेहतर शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि आर्थिक या अन्य कारणों से किसी भी छात्र की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि पुस्तकालय में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें, संदर्भ सामग्री, डिजिटल अध्ययन सुविधाएं, शांत अध्ययन कक्ष और आधुनिक तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों ने इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के पुस्तकालय उनकी तैयारी को अधिक प्रभावी बनाएंगे और उन्हें बेहतर अध्ययन का वातावरण मिलेगा। सरकार का मानना है कि यह पुस्तकालय छात्रों, शोधार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र साबित होगा तथा शिक्षा के क्षेत्र में नई संभावनाओं को बढ़ावा देगा।

गाजियाबाद में बड़ा हादसा, मोदी डिस्टिलरी में लगी भीषण आग

एजेंसी ,नई दिल्ली

गाजियाबाद के मोदीनगर स्थित मोदी डिस्टलरी में स्प्रिट से भरे कंटेनरों में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी चपेट में आए दो टैंकर तेज धमाकों के साथ फट गए। धमाकों की आवाज सुनकर आसपास रहने वाले लोगों में दहशत फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके से दूर चले गए।

घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया गया। अग्निशमन कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। स्प्रिट जैसे अत्यधिक ज्वलनशील पदार्थ के कारण आग बुझाने में काफी सावधानी बरतनी पड़ी। प्रशासन और पुलिस की टीमें भी मौके पर

डिस्टिलरी हादसे से मचा हड़कंप, दो टैंकर फटे

पहुंचीं और स्थिति का जायजा लिया। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आसपास के क्षेत्र को खाली कराया गया और लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की सलाह दी गई। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है। दमकल विभाग की टीमें लगातार राहत और बचाव कार्य में जुटी रहीं। फिलहाल किसी बड़े नुकसान या जनहानि की आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। प्रशासन का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने के बाद ही नुकसान का सही आकलन किया जा सकेगा।

बच्चे के एडमिशन से पहले जरूर जांचें स्कूल की मान्यता, 99 स्कूलों पर एक्शन

एजेंसी, नई दिल्ली

अगर आपके बच्चे गुरुग्राम के निजी स्कूलों में पढ़ते हैं या आप उनका दाखिला कराने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षा विभाग ने जिले के 99 निजी स्कूलों को शिक्षा का अधिकार (आरटीई) अधिनियम के दायरे से बाहर कर दिया है। इसके साथ ही इन स्कूलों का एमआईएस (मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम) एक्सेस भी बंद कर दिया गया है। विभाग के अनुसार, जिन स्कूलों ने आरटीई नियमों और निर्धारित मानकों का पालन नहीं किया या आवश्यक दस्तावेज समय पर उपलब्ध नहीं कराए, उनके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। एमआईएस एक्सेस बंद होने के बाद ये स्कूल विभागीय पोर्टल पर प्रवेश, छात्र रिकॉर्ड और अन्य ऑनलाइन प्रक्रियाएं संचालित नहीं कर सकेंगे। इस निर्णय का असर नए दाखिलों के साथ-साथ आरटीई के तहत मिलने वाली सीटों

पर भी पड़ सकता है। शिक्षा विभाग ने संबंधित स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे सभी कमियों को जल्द दूर कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करें। नियमों का पालन करने और विभाग की संतुष्टि के बाद ही उनका एमआईएस एक्सेस दोबारा बहाल किया जाएगा। अभिभावकों को भी सलाह दी गई है कि किसी भी निजी स्कूल में प्रवेश लेने से पहले उसकी आरटीई मान्यता और विभागीय स्थिति की जानकारी अवश्य जांच लें, ताकि भविष्य में बच्चों की पढ़ाई या प्रवेश प्रक्रिया में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

'मुझे आधुनिक गांधी मत कहिए' –सोनम वांगचुक का भावुक संदेश

सोनम वांगचुक ने समर्थकों से की अपील, बोले- भावनाएं नहीं, जिम्मेदारी निभाइए

एजेंसी, नई दिल्ली

लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधारक सोनम वांगचुक ने अपने अनिश्चितकालीन अनशन के दौरान कहा कि वह न तो महात्मा गांधी हैं और न ही किसी के हीरो बनना चाहते हैं। उन्होंने लोगों से भावुक संदेश भेजने या उनकी चिंता करने के बजाय देश और पर्यावरण के हित में सक्रिय होकर काम करने की अपील की। वांगचुक ने कहा कि पिछले दो दिनों में उन्हें हजारों संदेश मिले हैं, जिनमें लोगों ने उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई और उन्हें अपना प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष की छवि बनाना नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करना है।

सोनम वांगचुक ने कहा कि यदि लोग वास्तव में उनका समर्थन करना चाहते हैं, तो उन्हें पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और हिमालयी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल सोशल मीडिया पर संदेश

समर्थकों से बोले सोनम, मुझे हीरो मत कहिए

लिखने या समर्थन जताने से बदलाव नहीं आएगा। इसके बजाय हर व्यक्ति को अपने स्तर पर प्रकृति के संरक्षण और संसाधनों के जिम्मेदार उपयोग के लिए प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि उनका अनशन किसी व्यक्तिगत मांग के लिए नहीं, बल्कि लद्दाख के भविष्य, वहां के पर्यावरण और स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए है। उनका मानना है कि हिमालयी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन से सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो इसका असर पूरे देश पर पड़ेगा। वांगचुक ने लोगों से अपील की कि वे उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंता करने के बजाय अपने जीवन में ऐसे बदलाव अपनाएं, जिनसे पर्यावरण को लाभ पहुंचे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास, जैसे पानी और बिजली की बचत, प्लास्टिक का कम उपयोग तथा प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, भविष्य के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। उन्होंने दोहराया कि वह किसी नायक की भूमिका में नहीं हैं, बल्कि एक सामान्य नागरिक के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

रोड टैक्स नहीं चुकाया तो रजिस्ट्रेशन और परमिट पर भी पड़ सकता है असर

एजेंसी ,नई दिल्ली

अगर आप कमर्शियल वाहन चलाते हैं और आपके वाहन पर रोड टैक्स या ट्रैफिक जुर्माने की राशि बकाया है, तो यह खबर आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। परिवहन विभाग ने नोएडा में ऐसे 9,000 से अधिक व्यावसायिक वाहन मालिकों को नोटिस जारी किए हैं, जिन्होंने लंबे समय से रोड टैक्स या जुर्माने की रकम जमा नहीं कराई है। विभाग के अनुसार, बार-बार सूचना देने के बावजूद भुगतान नहीं करने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ अब सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि नोटिस मिलने के बाद भी निर्धारित समय सीमा के भीतर बकाया राशि जमा नहीं करने पर संबंधित वाहनों का पंजीकरण निलंबित किया जा सकता है। इसके अलावा वाहन जब्त करने, परमिट रद्द करने और अन्य कानूनी कार्रवाई भी की जा सकती है। परिवहन विभाग का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य राजस्व वसूली बढ़ाने के साथ-साथ नियमों का पालन सुनिश्चित करना है। विभाग ने सभी कमर्शियल वाहन मालिकों से अपील की है कि वे अपने वाहन का रोड टैक्स, चालान और अन्य बकाया राशि की स्थिति ऑनलाइन या परिवहन कार्यालय में जाकर तुरंत जांच लें। यदि कोई बकाया है, तो उसे समय रहते जमा कर दें ताकि अतिरिक्त जुर्माना, कानूनी कार्रवाई या वाहन संचालन में किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का पालन करने वाले वाहन मालिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी, जबकि लगातार लापरवाही बरतने वालों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जेएंडके में बदलेगा न्यूनतम मजदूरी का नियम

54 साल पुरानी व्यवस्था खत्म, अब जरूरतों के हिसाब से तय होगी मजदूरी

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में निजी क्षेत्र के कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी तय करने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव प्रस्तावित किया गया है। श्रम एवं रोजगार विभाग ने कोड ऑन वेजेज (जम्मू-कश्मीर) रूल्स-2026 का मसौदा जारी करते हुए सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं। यदि यह मसौदा अंतिम रूप में लागू होता है तो वर्ष 1972 से लागू न्यूनतम मजदूरी और वेतन भुगतान संबंधी पुरानी व्यवस्था की जगह नई प्रणाली प्रभावी हो जाएगी। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य केवल कर्मचारी के कार्य की श्रेणी के आधार पर मजदूरी तय करना नहीं बल्कि उसके परिवार की वास्तविक आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखना है ताकि श्रमिक और उसका परिवार सम्मानजनक जीवन जी सके।

प्रस्तावित नियमों के अनुसार न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करते समय चार सदस्यीय परिवार की आवश्यक जरूरतों को आधार बनाया जाएगा। इसमें भोजन कपड़े मकान शिक्षा चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक खर्चों को शामिल किया गया है। सरकार का मानना है कि न्यूनतम मजदूरी केवल जीवित रहने का साधन नहीं बल्कि ऐसी आय होनी चाहिए जिससे श्रमिक अपने परिवार की बुनियादी जरूरतों को भी पूरा कर सके। इसी सोच के साथ मजदूरी निर्धारण का नया फार्मूला तैयार किया गया है।

मसौदे के अनुसार एक सामान्य श्रमिक के चार सदस्यीय परिवार के लिए प्रतिदिन प्रति उपभोग इकाई 2700 कैलोरी भोजन की आवश्यकता को मानक माना जाएगा। इसके साथ परिवार के लिए वर्ष भर में 66 मीटर कपड़े की आवश्यकता को भी मजदूरी निर्धारण का हिस्सा बनाया गया है। इसके अतिरिक्त मकान का किराया बिजली ईंधन और अन्य आवश्यक घरेलू खर्चों को भी गणना में शामिल किया जाएगा। प्रस्तावित नियमों के अनुसार मकान किराये के लिए भोजन और कपड़ों पर होने वाले कुल खर्च का 10 प्रतिशत जोड़ा जाएगा जबकि बिजली ईंधन और अन्य आवश्यक मदों के लिए न्यूनतम मजदूरी का 20 प्रतिशत अतिरिक्त रखा जाएगा। शिक्षा चिकित्सा और अन्य जरूरी सामाजिक आवश्यकताओं के लिए न्यूनतम मजदूरी में 25 प्रतिशत अतिरिक्त राशि शामिल करने का प्रस्ताव है। इन सभी मानकों को जोड़कर अंतिम न्यूनतम मजदूरी निर्धारित की जाएगी।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल केवल नियमों का मसौदा जारी किया गया है और अभी नई मजदूरी दरें घोषित नहीं की गई हैं। मसौदे पर 45 दिनों तक उद्योग संगठनों श्रमिक संगठनों नियोक्ताओं तथा आम नागरिकों से सुझाव और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इन सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम अधिसूचित किए जाएंगे।

मजदूरी निर्धारण का नया फार्मूला तैयार

नए नियमों के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के लिए अलग-अलग न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों को अकुशल अर्धकुशल कुशल और अत्यधिक कुशल जैसी चार श्रेणियों में विभाजित किया जाएगा ताकि प्रत्येक वर्ग के कार्य की प्रकृति और जिम्मेदारी के अनुसार उचित मजदूरी तय की जा सके। बढ़ती महंगाई को देखते हुए महंगाई भत्ते की समीक्षा प्रत्येक वर्ष एक अप्रैल और एक अक्तूबर से पहले करने का भी प्रस्ताव रखा गया है जिससे समय-समय पर मजदूरी में आवश्यक संशोधन किया जा सके।

सीएम उमर का दावा, विधायकों को 20-30 करोड़ और पद का दिया गया ऑफर

सरकार गिराने की कोशिश कर रही बीजेपी: उमर

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शनिवार को भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर राजनीतिक आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी उनकी सरकार को अस्थिर करने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों में फूट डालने की कोशिश कर रहा है। उमर अब्दुल्ला ने दावा किया कि उनकी पार्टी के कुछ विधायकों को पैसे और पद का लालच देकर अपने साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक ऐसे किसी भी प्रलोभन में नहीं आएंगे और पार्टी अपने सिद्धांतों के साथ मजबूती से खड़ी है।

हजरतबल में अपनी दादी अकबर जहां की 26वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पिछले कुछ समय से नेशनल कॉन्फ्रेंस को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जब धन और मंत्री पद जैसे प्रस्तावों से बात नहीं बनी तो अब विधायकों को जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा देकर प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जम्मू क्षेत्र के नेशनल कॉन्फ्रेंस के एक विधायक ने उन्हें बताया कि पार्टी बदलने के लिए उन्हें 20 से 30 करोड़ रुपये तक की पेशकश की गई थी। इसके अलावा मंत्री पद और राज्य का दर्जा वापस दिलाने का वादा भी किया गया। हालांकि उमर अब्दुल्ला ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह प्रस्ताव किसके द्वारा दिया गया था लेकिन उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी के विधायक किसी भी कीमत पर अपने विश्वास और जनता के भरोसे को नहीं तोड़ेंगे।

उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस एक विचारधारा और जनता के विश्वास पर आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता पैसे या सत्ता के लिए अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे किसी भी अफवाह या राजनीतिक दबाव से प्रभावित न हों और संगठन को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहें।

बीजेपी पर हमला करते हुए उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सत्ता हासिल करने का रास्ता लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि जनता ने जिस दल को जिम्मेदारी दी है उसे अपना कार्यकाल पूरा करने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने या बदलने के लिए पीछे के रास्तों का सहारा लेना लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सरकार चुनी है और जनता के फैसले का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ ताकतें जनादेश को कमजोर करने के प्रयास कर रही हैं लेकिन नेशनल कॉन्फ्रेंस ऐसे प्रयासों का मजबूती से मुकाबला करेगी।

◆ जम्मू-कश्मीर सियासत गरम
उमर ने बीजेपी पर लगाए गंभीर आरोप

जम्मू-कश्मीर में सियासी घमासान फिर हुआ तेज

उमर अब्दुल्ला के आरोपों के बाद जम्मू-कश्मीर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। बीजेपी की ओर से इन आरोपों पर प्रतिक्रिया आना बाकी है। हालांकि राज्य में पहले भी दल बदल और राजनीतिक अस्थिरता को लेकर आरोप प्रत्यारोप होते रहे हैं। वर्तमान घटनाक्रम ने जम्मू-कश्मीर की सियासत को एक बार फिर चर्चा के केंद्र में ला दिया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस का कहना है कि वह जनता के मुद्दों को लेकर काम कर रही है और किसी भी राजनीतिक दबाव के सामने झुकने वाली नहीं है।

जम्मू-कश्मीर में स्मार्ट पार्किंग शुरू

अब एक क्लिक में मिलेगी पार्किंग की जानकारी, जेएंडके में नई व्यवस्था लागू

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में शहरी क्षेत्रों की पार्किंग व्यवस्था को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने के लिए नई जम्मू-कश्मीर पार्किंग नियम-2026 लागू करने की तैयारी की गई है। इस नई व्यवस्था का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि वाहन चालकों को पार्किंग की तलाश में सड़कों पर अनावश्यक चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। अब मोबाइल ऐप और वेबसाइट के माध्यम से रियल टाइम जानकारी मिलेगी कि किस पार्किंग स्थल पर कितनी जगह खाली है और वहां पार्किंग शुल्क कितना है। इससे समय की बचत होगी, यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को अधिक सुविधा मिलेगी।

हाउसिंग एंड अर्बन डेवलपमेंट विभाग द्वारा जारी नए नियमों के तहत पहली बार प्रदेश के सभी शहरी निकायों में एक समान स्मार्ट पार्किंग व्यवस्था लागू की जाएगी। अब तक विभिन्न नगर निकाय अपने-अपने स्तर पर पार्किंग का संचालन करते थे, लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद पूरे प्रदेश में एक जैसी प्रणाली अपनाई जाएगी। इसके लिए सेंट्रल पार्किंग मैनेजमेंट सिस्टम विकसित किया जाएगा, जिससे सभी पार्किंग स्थलों की जानकारी एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेगी।

वाहन चालक मोबाइल ऐप या वेबसाइट पर पार्किंग की उपलब्धता देखकर पहले से ही अपनी योजना बना सकेंगे। नए नियमों में गलत स्थान पर वाहन खड़ा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी प्रावधान किया गया है।

बूढ़ा अमरनाथ यात्रा का शुभारंभ 16 अगस्त से: विहिप

भारतेंदु संवाददाता, पुंछ। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल की ओर से आयोजित राष्ट्रव्यापी श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा की तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में शनिवार को पुंछ स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, सनातन धर्म सभा, दशनामी अखाड़ा मंदिर समिति तथा विभिन्न हिन्दू और धार्मिक संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में यात्रा के सफल और सुचारु संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं और तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक की अध्यक्षता बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति, मध्य भारत के संयोजक जनमंजय तथा इंद्रप्रस्थ के संयोजक रघुबीर सिंह ने की। इस दौरान पुंछ जिले के विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष यात्रियों को ठहरने, भोजन, पेयजल, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाएं पिछले वर्षों की तुलना में अधिक बेहतर ढंग से उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मीडिया को संबोधित करते हुए बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक किशन प्रजापति ने बताया कि 16 अगस्त की शाम जम्मू में श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा का विधिवत शुभारंभ किया जाएगा।

विहिप ने घोषित किया यात्रा कार्यक्रम

इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तथा विश्व हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिलिंद परांडे उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि 17 अगस्त की शाम यात्रा का पहला जत्था पुंछ पहुंचेगा, जहां श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा।

तीर्थयात्रियों की मददगार बनी पुलिस

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से अमरनाथ यात्रा पर आए तीन तीर्थयात्रियों को बड़ी राहत मिली। रामबन जिले के बनिहाल क्षेत्र में महाराष्ट्र से आए श्रद्धालु टैक्सी में लगभग 13 लाख रुपये नकद और महत्वपूर्ण दस्तावेजों से भरा अपना हैंडबैग भूल गए थे। यह बैग टैक्सी की सीट के नीचे छूट गया था। घटना की जानकारी मिलते ही बनिहाल थाना प्रभारी आशिक हुसैन लोन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने सोपोर पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर संबंधित टैक्सी और उसके चालक का पता लगाया। तलाशी के दौरान नकदी और सभी जरूरी दस्तावेज सुरक्षित बरामद कर लिए गए। आवश्यक सत्यापन और पहचान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस ने पूरा बैग उसके वास्तविक मालिकों को सौंप दिया। अपना सामान सुरक्षित वापस मिलने पर तीर्थयात्रियों ने जम्मू-कश्मीर पुलिस की ईमानदारी, तत्परता और पेशेवर कार्यशैली की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

न्यूज ब्रीफ

नशे के कारोबार पर पुलिस का शिकंजा, चार जिलों से पांच आरोपियों पर कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ अभियान तेज करते हुए उधमपुर के कुख्यात ड्रग पेडलर संजय कुमार उर्फ संजू को पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत हिरासत में लेकर भद्रवाह जिला जेल भेज दिया। वहीं सांबा, कठुआ और राजौरी जिलों में अलग-अलग कार्रवाई के दौरान चार अन्य आरोपियों को हेरोइन और पोस्त की भूसी के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नशीले पदार्थ बरामद कर एक वाहन भी जब्त किया है। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि नशा तस्करों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बीएसएफ महिला कांस्टेबल की संदिग्ध परिस्थिति में मौत, कैंप क्वार्टर में फंदे से लटका मिला शव

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। सतवारी क्षेत्र के इंद्रेश्वर नगर स्थित बीएसएफ क्वार्टर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की एक महिला कांस्टेबल संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गईं। मृतका की पहचान वनीता रानी के रूप में हुई है, जो मूलरूप से बरेली (उत्तर प्रदेश) की रहने वाली थीं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, वर्ष 2014 में बीएसएफ में भर्ती हुईं वनीता रानी वर्तमान में जम्मू में तैनात थीं और कैंप क्वार्टर में रह रही थीं। शुक्रवार रात काफी समय तक जब वे कमरे से बाहर नहीं आईं तो परिजन ने कमरा खोलकर देखा। वनीता संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी हुई मिलीं जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचित किया गया।

कठुआ में चिट्टे के साथ नशा तस्कर गिरफ्तार

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान के तहत कठुआ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए करीब 5 ग्राम चिट्टा बरामद कर एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली है। जानकारी के अनुसार पुलिस थाना कठुआ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विशेष नाका लगाकर एक संदिग्ध मोटरसाइकिल पीबी35एआर-5398 को रोका। तलाशी के दौरान चालक मोहम्मद रफी पुत्र नूर मोहम्मद निवासी कंडीला तहसील बटाला जिला गुरदासपुर पंजाब के कब्जे से प्रतिबंधित नशीला पदार्थ बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ थाना कठुआ में एफआईआर संख्या 346/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मढ़हीन में गौ-तस्करी का प्रयास विफल, 13 मवेशी मुक्त करवाए, ट्रक जब्त

भारतेंदु संवाददाता, कठुआ। कठुआ पुलिस ने मढ़हीन क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए गौ-तस्करी के प्रयास को नाकाम बना दिया। पुलिस ने 13 भैंसों को मुक्त करवाते हुए एक ट्रक जब्त किया है। जानकारी के अनुसार राजबाग थाना क्षेत्र के खानपुर-सांझी मोड़ पर नाका जांच के दौरान एक संदिग्ध ट्रक नंबर जेके08एल-6786 को रोका गया जो पंजाब से जम्मू-कश्मीर की ओर आ रहा था। जांच के दौरान ट्रक में 13 भैंसों को अमानवीय तरीके से भरा हुआ पाया गया। पुलिस ने सभी भैंसों को सुरक्षित छुड़ाकर ट्रक को जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना राजबाग में एफआईआर नंबर 155/2026 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

अमरनाथ यात्रा में नियम तोड़ने वाले 10 फेरीवालों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुचारू बनाए रखने के लिए बनिहाल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 और 136 के तहत 10 लोगों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई शुरू की है। आरोप है कि ये लोग बिना अनुमति यात्रा वाहनों के पास जाकर और उनमें चढ़कर श्रद्धालुओं को फल व अन्य सामान बेच रहे थे। बार-बार चेतावनी के बावजूद नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर पुलिस ने कार्रवाई की। प्रशासन ने सभी फेरीवालों से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

'कश्मीर के हर कब्रिस्तान में पाकिस्तानी युवाओं की कब्र': हिजबुल कमांडर

हिजबुल कमांडर ने कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों के दफन होने का किया दावा

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। प्रतिबंधित आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के डिप्टी सुप्रीम कमांडर शमशेर खान का एक कथित वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तानी आतंकवादियों की मौजूदगी और उनके मारे जाने को लेकर विवादित दावा किया है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो आठ जुलाई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान दिए गए भाषण का है। हालांकि इस वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है और इसकी प्रामाणिकता की आधिकारिक पुष्टि भी नहीं हुई है।

कथित वीडियो में शमशेर खान कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि लोलाब, कुपवाड़ा से लेकर कठुआ तक जम्मू-कश्मीर का ऐसा कोई कब्रिस्तान नहीं है, जहां पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों से आए युवाओं को दफन न किया गया हो। उनका दावा है कि ये लोग जम्मू-कश्मीर में हथियारबंद गतिविधियों में शामिल हुए और बाद में मारे गए। भाषण के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कश्मीर के बीच संबंधों को कोई भी समाप्त नहीं कर सकता और न ही दोनों के बीच नफरत पैदा कर सकता है।

यह बयान ऐसे समय सामने आया है जब भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय कई आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान की धरती से प्रशिक्षण, हथियार, वित्तीय सहायता और घुसपैठ का समर्थन मिलता है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सहित कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया है और पाकिस्तान से अपनी धरती पर सक्रिय आतंकवादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने की मांग की है। दूसरी ओर पाकिस्तान इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है और आधिकारिक तौर पर किसी भी प्रकार की संलिप्तता से इनकार करता है।

सुरक्षा मामलों के विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह वीडियो और उसमें दिए गए बयान प्रामाणिक सिद्ध होते हैं, तो उन्हें सीमा पार आतंकवाद से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे दावों के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

सीमा पार आतंकवाद पर नया दावा

कथित वीडियो में शमशेर खान कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि लोलाब, कुपवाड़ा से लेकर कठुआ तक जम्मू-कश्मीर का ऐसा कोई कब्रिस्तान नहीं है, जहां पाकिस्तान के विभिन्न हिस्सों से आए युवाओं को दफन न किया गया हो। उनका दावा है कि ये लोग जम्मू-कश्मीर में हथियारबंद गतिविधियों में शामिल हुए और बाद में मारे गए। भाषण के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान और कश्मीर के बीच संबंधों को कोई भी समाप्त नहीं कर सकता और न ही दोनों के बीच नफरत पैदा कर सकता है।

राजौरी में दिनदिहाड़े भालू के हमले से बुजुर्ग की मौत

भारतेंदु संवाददाता, राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के दरहाल क्षेत्र के ऊपरी इलाकों में भालू के हमले में एक बुजुर्ग की दर्दनाक मौत हो गई। घटना शुक्रवार देर शाम की बताई जा रही है। अधिकारियों के अनुसार मृतक की पहचान 68 वर्षीय मोहम्मद अमीन पुत्र अली मोहम्मद के रूप में हुई है, जो ढोक जंगवाला, पंज काठा का निवासी था। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोहम्मद अमीन किसी कार्य से दरहाल के ऊपरी पहाड़ी क्षेत्र में गए हुए थे। इसी दौरान अचानक एक जंगली भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वन्यजीवों के बढ़ते हमलों को लेकर स्थानीय लोगों में चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जंगली जानवरों की आवाजाही पर प्रभावी नियंत्रण के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं को रोका जा सके। पुलिस और संबंधित विभाग पूरे मामले की जांच कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रियों से भरा टैंपो पलटा, सात घायल

मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं से भरा टैंपो बना हादसे का शिकार

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू के नगरोटा हाईवे पर श्री अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं से भरा एक टैंपो दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे में वाहन में सवार सात श्रद्धालु घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया तथा सभी घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों का इलाज जारी है और उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रहा टैंपो संख्या जेके 01 एक्स 3118 नगरोटा हाईवे पर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के समय वाहन में मध्यप्रदेश और पश्चिम बंगाल से आए श्रद्धालु सवार थे जो बाबा बर्फानी के पवित्र दर्शन के लिए कश्मीर जा रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

इस हादसे में घायल श्रद्धालुओं की पहचान अरुण वासू, भारत गिरी, सुरजीत दास, अटनू सांतरा और सुभाष विश्वास निवासी कोलकाता पश्चिम बंगाल, भारत विश्वकर्मा और रविन्द्र खामवर निवासी भोपाल मध्यप्रदेश तथा वाहन चालक हिलाल अहमद भट्ट निवासी श्रीनगर के रूप में हुई है। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार देने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है।

गौरतलब है कि अमरनाथ यात्रा के दौरान यह पहला सड़क हादसा नहीं है। इससे पहले भी अमरनाथ यात्रियों को लेकर जा रही एक कार ऊधमपुर से लगभग बारह किलोमीटर दूर टोल्डी नाला के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

वाहन चालकों से सरकार की अपील

प्रशासन ने यात्रियों और वाहन चालकों से अपील की है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों का पूरी तरह पालन करें तथा पहाड़ी मार्गों पर निर्धारित गति सीमा में ही वाहन चलाएं। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और प्रारंभिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होकर पलटने की आशंका जताई जा रही है।

आस्था सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं के बीच आगे बढ़ रही पवित्र अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा: जम्मू से 9,182 श्रद्धालु रवाना

भारतेंदु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास आधार शिविर से शनिवार तड़के श्री अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का नौवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच कश्मीर के लिए रवाना हुआ। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष से पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। श्रद्धालुओं में बाबा बर्फानी के पवित्र हिमलिंग के दर्शन को लेकर गहरा उत्साह देखने को मिला। प्रशासन ने यात्रा को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्बाध बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध किए हैं। लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की संख्या इस बात का संकेत है कि बाबा बर्फानी के प्रति लोगों की आस्था पहले की तरह अटूट बनी हुई है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार नौवें जत्थे में कुल 8,796 श्रद्धालु शामिल हैं। इनमें 6,046 पुरुष, 2,042 महिलाएं, 10 बच्चे, 228 साधु, 56 साध्वियां, एक ट्रांसजेंडर श्रद्धालु तथा 33 विदेशी श्रद्धालु शामिल हैं। यात्रा के लिए 5,346 श्रद्धालुओं ने पारंपरिक पहलगाम मार्ग का चयन किया है, जबकि 3,450 श्रद्धालु बालटाल मार्ग से पवित्र गुफा की ओर रवाना हुए हैं। दोनों मार्गों पर सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती की गई है और हर पड़ाव पर प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी जारी है।

भगवती नगर आधार शिविर में शुक्रवार देर रात से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। सुबह होने से पहले ही यात्रियों की लंबी कतारें दिखाई देने लगीं। सभी श्रद्धालुओं की पहचान का सत्यापन, स्वास्थ्य संबंधी जांच और सुरक्षा जांच पूरी करने के बाद उन्हें निर्धारित वाहनों में बैठाकर सुरक्षा घेरे में आगे रवाना किया गया। प्रशासन ने यात्रा मार्ग पर पर्याप्त संख्या में पुलिस, अर्धसैनिक बल और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती की है ताकि श्रद्धालुओं की यात्रा पूरी तरह सुरक्षित रहे।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं, पेयजल, स्वच्छता, भोजन, विश्राम और आपातकालीन सहायता की व्यापक व्यवस्था की गई है। विभिन्न स्थानों पर चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं, जहां डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों की टीमें चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं।

दो लाख श्रद्धालु कर चुके बाबा के दर्शन

इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अब तक दो लाख से अधिक श्रद्धालु पवित्र गुफा में प्राकृतिक हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। बड़ी संख्या में देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों से भी श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

बिलासपुर में कार से 44.7 ग्राम चरस और 81.4 ग्राम अफीम बरामद, चार गिरफ्तार

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बिलासपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक धीमान ने बताया कि पत्थी फोरलेन पर नाकाबंदी के दौरान एक कार की तलाशी लेने पर 44.7 ग्राम चरस और 81.4 ग्राम अफीम बरामद की गई। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर विकास ठाकुर, कैलाश, गुरप्रीत सिंह उर्फ गोगी और अरुण कुमार को गिरफ्तार किया। सभी आरोपी बिलासपुर जिले के निवासी हैं। इस संबंध में पुलिस थाना घुमारवीं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस बरामद मादक पदार्थों के स्रोत और सप्लाई नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस ने कहा कि नशा तस्करी के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

सुनहाणी-घुमारवीं सड़क मार्ग वाया बरड़ 31 जुलाई तक यातायात के लिए रहेगा बंद

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। जिला दण्डाधिकारी एवं उपायुक्त बिलासपुर राहुल कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 115 के तहत आदेश जारी करते हुए बताया कि लोक निर्माण मण्डल घुमारवीं के अंतर्गत सुनहाणी-घुमारवीं सड़क वाया बरड़ आवश्यक मुरम्मत कार्य के चलते आगामी 31 जुलाई तक बंद करने के आदेश जारी किए है। उन्होंने सुनहाणी से घुमारवीं रुट के वाहनों को वाया बरठीं-निहारी-घुमारवीं तथा बरठीं-पनोल-घुमारवीं सड़क मार्ग का उपयोग करने के निर्देश जारी किए है। इसी प्रकार लोक निर्माण मण्डल झंडूता के अंतर्गत झंडूता-भडोलीकलां-मांडवा सड़क मार्ग को भूस्खलन तथा पहाड़ी से पत्थर गिरने की सम्भावनाओं के दृष्टिगत आगामी 09 अगस्त तक सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही के लिए बंद किया गया है। जारी आदेश में झंडूता-भडोलीकलां-मांडवा सड़क मार्ग का उपयोग करने वाले वाहनों को वाया भडोलीकलां-कलोल के लिए वाया भल्लू भलगाड एवं मलारी सड़क तथा कलोल-जेजवीं की ओर से आने वाले वाहनों को वाया झंडूता-नंदनरावां सड़क मार्ग का उपयोग करने को कहा गया है।

सीटू ने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ आंदोलन तेज करने का किया ऐलान

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सीटू जिला कमेटी की बैठक ताराचंद भवन में जिला उपाध्यक्ष गुरदास वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में सीटू के राज्य महासचिव प्रेम गौतम विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर स्कीम वर्करों तथा मनरेगा मजदूरों की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए श्रम संहिताओं का विरोध किया। उन्होंने कहा कि नई श्रम संहिताओं और मनरेगा के स्थान पर लाई गई योजनाओं से मजदूरों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। बैठक में निर्णय लिया गया कि 25 जुलाई को शिमला में होने वाले प्रदेश स्तरीय किसान-मजदूर अधिवेशन और 29 जुलाई को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मंडी से बड़ी संख्या में प्रतिनिधि भाग लेंगे। साथ ही 10 अगस्त को मंडी, सरकाघाट, जोगिंदर नगर और बाली चौकी में जेल भरो आंदोलन चलाकर मजदूर व किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

शिक्षा व समग्र विकास का आदर्श मॉडल बन रही हरोली: अग्निहोत्री

कहा-विकास की नई इबारत, शिक्षा-स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे पर सरकार का फोकस

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, हरोली। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि हरोली विधानसभा क्षेत्र को शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचे और जनकल्याण के क्षेत्र में समग्र विकास के आदर्श मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज हरोली प्रदेश के उभरते शैक्षणिक केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है।

प्रोफेसर सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय, हरोली के नवनिर्मित शैक्षणिक भवन के लोकार्पण समारोह में उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। वर्तमान में यहां तीन सरकारी महाविद्यालय, 33 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, दो आईटीआई, केंद्रीय विद्यालय, ट्रिपल आईटी, नर्सिंग कॉलेज और लॉ कॉलेज संचालित हैं। आयुर्वेदिक महाविद्यालय की स्थापना की दिशा में भी कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि हरोली, दुलैहड़ और बाथड़ी के

विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध किया गया है, जिससे शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्र की नई पहचान बनी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली में सब-जज कोर्ट की स्थापना को मंजूरी मिल चुकी है और जल्द ही इसे स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू होगी। इससे लोगों को न्यायिक सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को भी मजबूत किया जा रहा है। हरोली अस्पताल की क्षमता 50 से बढ़ाकर 100 बिस्तर की गई है। इसके लिए करीब नौ करोड़ रुपये की लागत से अतिरिक्त भवन का निर्माण किया जाएगा।

मुकेश अग्निहोत्री ने बताया कि आईना परियोजना के तहत 5.50 करोड़ रुपये की लागत से पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी निगरानी प्रणाली से जोड़ा गया है। जल्द ही हरोली बस डिपो शुरू किया जाएगा और इलेक्ट्रिक बस सेवा भी आरंभ होगी। उन्होंने कहा कि हरोली में पेयजल और सिंचाई योजनाओं पर करीब एक हजार करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा 140 करोड़ रुपये की लागत से 14 पुलों का निर्माण, रोड़ा में एथलेटिक ट्रैक, ऑटोमेटेड टेस्टिंग स्टेशन और हेलिपोर्ट जैसी परियोजनाओं पर काम चल रहा है। समारोह में कांग्रेस पदाधिकारियों, पंचायत प्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हरोली का विकास जनता से किए गए संकल्पों के अनुसार लगातार जारी रहेगा।

अनुराग बोले- सहकारी संघवाद की भावना से ही सफल होगा चुनाव सुधार

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर चल रहे व्यापक परामर्श अभियान के तहत संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्य अनुराग ठाकुर ने गोवा विधानसभा अध्यक्ष गणेश गावंकर और नेता प्रतिपक्ष यूरी अलेमाओ के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की। बैठक में प्रस्तावित संवैधानिक और कानूनी ढांचे, राज्य प्रशासन की तैयारियों, संघीय व्यवस्था पर प्रभाव, चुनावी खर्च में कमी और बार-बार होने वाले चुनावों से शासन व्यवस्था में आने वाली बाधाओं जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।

गोवा विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने राज्य के अनुभवों और सुझावों को समिति के समक्ष रखा। अनुराग ठाकुर ने कहा कि वन नेशन, वन इलेक्शन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना, सार्वजनिक धन की बचत करना और सरकारों को विकास कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का अवसर देना है। उन्होंने कहा कि सभी पक्षों की सहभागिता और सहकारी संघवाद की भावना के साथ ही यह व्यवस्था सफल हो सकती है। जेपीसी अध्यक्ष पी.पी. चौधरी के नेतृत्व में समिति एक प्रभावी और व्यावहारिक चुनाव व्यवस्था विकसित करने के लिए कार्य कर रही है।

80 के दशक के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का घर-घर जाकर सम्मान करेगी भाजपा

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर की मासिक बैठक शुक्रवार को बड़सर में जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला प्रभारी एवं प्रदेश सचिव अमित ठाकुर, जिला सह-प्रभारी प्रियव्रत शर्मा, जिला पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठ अध्यक्षों सहित सभी 10 मंडलों के अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 80 के दशक में पार्टी के विस्तार और संगठन को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को उनके घर जाकर सम्मानित किया जाएगा। नेताओं ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में इन कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूत नींव रखी, जिसे आज सम्मान देने का समय है। बैठक में हाल ही में संपन्न कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी गतिविधियों की रूपरेखा पर भी चर्चा हुई। बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने, कार्यकर्ताओं से निरंतर संवाद बनाए रखने और योजनाबद्ध तरीके से कार्यक्रमों के संचालन पर विशेष जोर दिया गया। जिला अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान नई पीढ़ी को संगठन के संघर्ष और समर्पण से प्रेरित करने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

पीलिया फैलने के बाद भी नहीं जागे जिम्मेदार

जामलीधाम नाला बना गंदगी का अड्डा, औद्योगिक कचरे और सीवरेज से दूषित हो रहा पानी

अनिल कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। जिला प्रशासन द्वारा पेयजल स्त्रोतों को साफ रखने के लिए अभियान शुरू किया गया है जिससे बरसात के मौसम में लोग बीमारियों से ग्रसित न हो। वहीं जामलीधाम नाले का पानी इतना गंदा हो चुका हैं कि वहां पर कुछ देर के लिए भी रूकना मुश्किल है। इसका मुख्य कारण औद्योगिक क्षेत्र की गंदगी और सीवरेज का गंदा पानी है जो सीधे नाले में छोड़ा जा रहा है। हालांकि विभाग को भी इसकी जानकारी है लेकिन फिर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। यही नहीं इंडस्ट्रियल एरिया के पास जल शक्ति विभाग की एक उठाऊ पेयजल योजना भी है। वहां तक पानी शायद थोड़ा बहुत ठीक ही होगा, लेकिन उसके आगे की स्थिति संबंधित सारे विभागों की अनदेखी का शिकार मालूम होती है।

हाल ही में डेढ़ महीना पहले इस इलाके में पानी के प्रदूषित होने से ही पीलिया ने भी काफी लोगों को चपेट में लिया था। लेकिन लगता है अब सभी ने इस बड़ी समस्या से मुंह फेर

लिया है। इस नाले में बड़ी तादाद में परंपरागत स्त्रोत का पानी निकलता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों से इस नाले में गंदगी की वजह से जिस बड़े स्तर पर दुर्गंध फैली हुई है, उस पर यही लग रहा है कि सारे विभाग और सरकार किसी बड़ी बीमारी के फैलने की इंतजार में है।

बड़ी विडंबना यह है कि इस नाले को प्रदूषित करने वाले अपनी मनमर्जी कर रहे हैं और संबंधित एजेंसियां नाक तले हो रही इस खतरनाक लापरवाही पर जरा भर भी पसीज नहीं रहीं। यहां के लोग चिल्ला-चिल्ला कर कह रहे हैं, अधिकारियो जाग जाओ, लेकिन कार्रवाई के नाम पर जब बीमारी फैलती है, तो सैंपल भरे जाते हैं, कुछ लोगों को नोटिस जारी किए जाते हैं। उसके बाद इति श्री हो जाती है। क्या यही सिस्टम का हाल है, इस नाले की दशा दिशा देखकर यही सब कुछ लगता है। जिम्मेवार अधिकारी आखिर कब जागेंगे? दोषियों के खिलाफ कौन कार्रवाई करेगा? यह यक्ष प्रश्न लगातार मुंह फुलाए खड़ा है।

यहां के एक बुजुर्ग पूर्ण चंद कटोच और युवा राजेश कुमार का कहना था कि कोई गौर नहीं हो रही। बीमारी फैलती है तो फैलती रहे। उसी वक्त जब पैनिक होता है, तो टीमें आती हैं, लेकिन जब काबू हो जाती है, तो सब भूल जाते हैं, अब भी शायद विभागों के अधिकारी बीमारी फैलने का इंतजार कर रहे हैं। अब तो यहां हालात बेकाबू से हो गए हैं। जो प्रभावशाली लोग नाले के पानी को दूषित कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई करने से गुरेज हो रहा है। जिन लोगों ने पीजी चला रखे हैं, उनमें से कई रात के समय सीवरेज छोड़ देते हैं। ताकि उनके टैंक खाली हो सके। क्योंकि यहां सीवरेज सिस्टम नहीं है। इंडस्ट्रियल एरिया में भी कुछ विशेष कारोबारी बगैर ट्रीट किए हुए गंदे पानी को नाले में छोड़ रहे हैं। उन्हें नोटिस विभाग देता है, लेकिन असर नहीं होता। मोती पेनल्टी डाली जाए, तब शायद उनके होश ठिकाने आएंगे। नहीं तो लापरवाही यूं ही जारी रहेगी।

प्रदूषण नियंत्रण विभाग के हमीरपुर अधिकारी राहुल कुमार का कहना था कि नोटिस दिए गए हैं। फिर से कार्रवाई होगी, लेकिन उनका यह भी कहना था कि अब यह क्षेत्र नगर निगम के तहत पड़ता है। निगम के अधिकारियों को भी इस पर कार्रवाई करनी चाहिए।

बिलासपुर कॉलेज की प्रो. मोनिका ने हासिल की पीएचडी की उपाधि

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर महाविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग में कार्यरत प्रोफेसर मोनिका ने अपना शोधकार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.एस. कटवाल ने उन्हें हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि उनके शोध का लाभ विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा के रूप में मिलेगा। उन्होंने बताया कि वर्ष 2006 से महाविद्यालय में बीसीए और पीजीडीसीए पाठ्यक्रम संचालित हैं, जिनमें प्रतिवर्ष लगभग 200 विद्यार्थी अध्ययन करते हैं। प्रो. मोनिका का शोध विषय 'डाइकॉम के माध्यम से चिकित्सा छवियों की गुणवत्ता में सुधार' रहा। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित एक हाइब्रिड तकनीक विकसित की है, जिसमें सीएनएन, ग्रे वुल्फ ऑप्टिमाइज़र और नॉन-लोकल मीन्स फ़िल्टर का उपयोग कर मेडिकल छवियों की स्पष्टता बढ़ाई गई है। इससे ट्यूमर और रक्त वाहिकाओं की पहचान अधिक सटीक हो सकेगी तथा भविष्य में डॉक्टरों को बेहतर निर्णय लेने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं पीटीए के उपाध्यक्ष सुरेंद्र ठाकुर भी उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटकों से बताईं सरकारी योजनाएं

बैरी दडोला व बैहना जट्टा पंचायत में ग्रामीणों को किया जागरूक

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने के उद्देश्य से सूचना एवं जन संपर्क विभाग के सौजन्य से जिला बिलासपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों में विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान के तहत विभाग द्वारा अनुमोदित सांस्कृतिक दल अमरज्योति कला मंच के कलाकारों ने आज ग्राम पंचायत बैरी दडोला तथा बैहना जट्टा में नुक्कड़ नाटक, गीत-संगीत एवं लोकनाट्य के माध्यम से प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं एवं नीतियों की जानकारी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम

का संचालन दल की प्रधान अमरावती मोहिला ने किया। कार्यक्रमों की अध्यक्षता संबंधित ग्राम पंचायत प्रधानों ने की।

सांस्कृतिक दल द्वारा गीत और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अनुसूचित जाति कल्याण योजनाएं, स्वच्छ भारत मिशन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना, छात्रवृत्ति जैसी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कलाकारों ने महिलाओं, दिव्यांगों और बच्चों को शिक्षा, स्वावलंबन तथा सरकारी योजनाओं से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सरकार की अन्य योजनाओं जैसे पोस्ट मैट्रिक छात्रवृति, डॉ अंबेडकर मेधावी छात्रवृति, मुख्यमंत्री विधवा कल्याण योजना और स्वर्ण जयंति आश्रय योजना की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर लगभग 100 से 120 लोगों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में भाग लिया।

सोलग, जुराशी, टंगार और जालपा में आज बंद रहेगी बिजली

अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। सहायक अधिशाषी अभियंता विद्युत उप मण्डल-। ई. सन्नी जगोता ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 व 13 जुलाई को पंजगाई अनुभाग में बिजली की लाईनों की आवश्यक मरम्मत व पेडों की कांट-छांट करने के चलते कुछ क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि 12 जुलाई को पंजगाई अनुभाग के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र सोलग, जुराशी, टंगार, जालपा सोलर प्लांट तथा 13 जुलाई को टटोह, डिव हवानी, द्रोबड़ तथा इसके आसपास के क्षेत्रों में प्रातः 9 बजे से सायं 5 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने बताया कि शटडाउन मौसम पर निर्भर रहेगा तथा लोगों से सहयोग की अपील की है।

कालाअंब औद्योगिक क्षेत्र में बिजली की समस्याओं का 60 करोड़ से होगा निराकरण: हर्षवर्धन चौहान

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। उद्योग, संसदीय मामले तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने शुक्रवार सांय कालाअम्ब में चैम्बर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रिज के पदाधिकारियो के साथ बैठक की अध्यक्षता की इस दौरान विधायक नाहन अजय सोलंकी भी उनके साथ बैठक में मौजूद रहे।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने , निवेश आकर्षित करने तथा संतुलित औद्योगिक विकास सुनिश्चित करने के लिए प्रयासरत है, तथा उद्योगपतियों को आने वाली समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का वातावरण उद्योग स्थापित करने के लिए अनुकुल है और उद्योग प्रदेश की आर्थिकी में महत्वपूर्ण योगदान देते है।

उन्होंने कहा कि कालाअम्ब औद्योगिक क्षेत्र में विद्युत समस्या के निराकरण के लिए 25 करोड़ की लागत से जोहड़ों सब स्टेशन की

क्षमता को 31.5 एमवीए से बढ़ाकर 63 एमवीए किया जा रहा है। मोगीनंद तथा खैरी में 33×11 केवी के दो सब स्टेशन स्थापित किए जा रहे है जिनकी क्षमता 40 एमवीए होगी इन पर 24 करोड़ रुपये व्यय किए जा रहे है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र के 20 फीडरों की विद्युत तारों की क्षमता बढाई जा रही है जिससे इस क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या के निराकरण के साथ-साथ पावर कट से भी निजात मिलेगी और इससे उद्योगों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होगी। उन्होंने बताया कि कालाअम्ब क्षेत्र में भू-जल विभाग द्वारा 20 करोड़ की लागत से रिचार्ज स्ट्रक्चर (चैकडेम) लगाए जा रहे है जिससे यहां की जल समस्या में सुधार होगा। मंत्री ने उद्योगपतियों द्वारा रखी समस्याओं को सूना तथा उन्हें निराकरण का आश्वासन दिया।

विधायक नाहन अजय सोलंकी ने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार उद्योगपतियों की समस्याओं को हल करने का हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि उद्योगपतियों को अपने उद्योगों में हिमाचली युवाओं को प्राथमिकता आधार पर नियुक्तियां करनी चाहिए ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सके।

प्रगति 25 हेक्टेयर भूमि में जापानी फल की लोकप्रिय 'फ्यू' किस्म के लगाए जा रहे 15 हजार पौध

तमरोह क्लस्टर में जापानी फल की दस्तक

भगत सिंह गुलेरिया, भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने और बागवानी क्षेत्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए हिमाचल प्रदेश उपोष्ण कटिबंधीय बागवानी, सिंचाई व मूल्यवर्धन (एचपी शिवा) परियोजना को प्राथमिकता के आधार पर लागू कर रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य पारंपरिक खेती को आधुनिक एवं लाभकारी बागवानी से जोड़ते हुए ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। इसी सोच का परिणाम है मंडी जिले के उपमंडल बल्ह का तमरोह क्लस्टर आज जापानी फल उत्पादन के एक उभरते केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, जिससे क्षेत्र के किसानों के लिए समृद्धि और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

'सुक्खू सरकार' की महत्वाकांक्षी एचपी शिवा परियोजना प्रदेश के किसानों को पारंपरिक खेती से उच्च मूल्य वाली बागवानी की ओर अग्रसर

कर रही है। जापानी फल (पर्सिमन) की व्यावसायिक खेती ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने की तैयारी में है। हाल ही में बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी ने निर्माणाधीन तमरोह क्लस्टर का दौरा कर परियोजना की प्रगति का जायजा लिया था। यह क्लस्टर न केवल आधुनिक बागवानी का मॉडल बन रहा है, बल्कि सामाजिक समावेश और किसान सशक्तिकरण का उदाहरण भी प्रस्तुत कर रहा है।

तमरोह क्लस्टर से अब तक कुल 76 बागवान जुड़ चुके हैं। इनमें 35 अनुसूचित जाति वर्ग, 36 सामान्य वर्ग तथा पांच महिला किसान-बागवान शामिल हैं। परियोजना के अंतर्गत लगभग 25 हेक्टेयर भूमि में जापानी फल की लोकप्रिय 'फ्यू' किस्म के करीब 15 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अब तक 12.500 हेक्टेयर भूमि पर 7,485 पौधे सफलतापूर्वक रोपित किए जा चुके हैं, जबकि शेष भूमि पर पौधारोपण कार्य शीतकालीन मौसम में किया जाएगा। पौधों के फल देना शुरू होने के बाद क्षेत्र के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावना है।

परियोजना के तहत सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए दो लाख लीटर तथा तीन लाख लीटर की क्षमता के (दो) फेब्रिकेटेड स्टोरेज टैंक स्थापित किए गए हैं। इससे पौधों को वर्षभर आवश्यक सिंचाई उपलब्ध करवाई जा सकेगी और जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस पूरे क्लस्टर में सोलर फेंसिंग भी की जा चुकी है।

तमरोह क्लस्टर की सफलता में तकनीकी मार्गदर्शन की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। गत मई, 2026 में एशियन विकास बैंक (एडीबी) की टीम के माध्यम से फिलीपींस और उत्तराखण्ड से डॉ. डेनिस लोपेज, डॉ. दिनेश गोंडे, डॉ. प्राची शर्मा, डॉ. ब्रांडो विशेषज्ञों की टीम ने क्लस्टर का दौरा किया। विशेषज्ञों ने किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों, पौधों के वैज्ञानिक प्रबंधन, प्रूनिंग, सिंचाई और उत्पादन बढ़ाने के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस दौरान किसानों को सफल बागवानी मॉडलों से भी अवगत करवाया गया।

परियोजना के अंतर्गत किसानों को पौधे, ड्रिप सिंचाई, फेंसिंग, तकनीकी प्रशिक्षण तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। विभागीय टीम नियमित रूप से क्लस्टर का दौरा कर पौधारोपण, सिंचाई प्रबंधन, पौधों की देखभाल, प्रूनिंग, पोषण प्रबंधन तथा रोग एवं कीट नियंत्रण संबंधी तकनीकी जानकारी प्रदान की जा रही है। इसके अलावा समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम, किसान गोष्ठियां और विशेषज्ञों के भ्रमण भी आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बागवान आधुनिक तकनीकों को अपनाकर बेहतर उत्पादन और अधिक आय अर्जित कर सकें।

उपनिदेशक बागवानी मंडी डॉ. संजय गुप्ता ने कहा कि एचपी शिवा परियोजना प्रदेश में बागवानी क्षेत्र के विस्तार और किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में प्रदेश सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके माध्यम से किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों से जोड़ते हुए वैज्ञानिक ढंग से फल उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

अब बोर्डों, निगमों व जिप के कर्मियों को भी मिले समान लाभ

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष नरेश कुमार ने 15 मई 2003 से पहले विज्ञापित और अधिसूचित पदों पर नियुक्त सरकारी कर्मचारियों को लाभ देने संबंधी प्रदेश सरकार की नई अधिसूचना का स्वागत किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार जताते हुए कहा कि अब यही लाभ बिजली बोर्ड, जिला परिषदों, विभिन्न बोर्डों, निगमों, स्वायत्त संस्थाओं और अन्य सरकारी उपक्रमों के पात्र कर्मचारियों को भी दिया जाना चाहिए। महासंघ ने मांग की कि 1 अप्रैल 2023 से पहले सेवानिवृत्त उन कर्मचारियों के एरियर और अन्य वित्तीय लाभों पर भी सरकार जल्द स्पष्ट आदेश जारी करे, ताकि कर्मचारियों और पेंशनरों के बीच किसी तरह का भ्रम न रहे। हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ ने मांग की है कि सरकारी कर्मचारियों की तरह ही बिजली बोर्ड, जिला परिषद तथा विभिन्न बोर्डों और निगमों के पात्र कर्मचारियों को भी समान लाभ प्रदान किए जाएं तथा पात्र सेवानिवृत्त कर्मचारियों के एरियर के संबंध में भी शीघ्र निर्णय लिया जाए।

घुमारवीं कॉलेज के दो स्वयंसेवकों ने कौशल प्रशिक्षण में लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। स्वामी विवेकानंद राजकीय महाविद्यालय घुमारवीं के एनएसएस स्वयंसेवक चांदनी (बीए तृतीय वर्ष) और विनय (बीकॉम तृतीय वर्ष) ने 6 से 9 जुलाई 2026 तक राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), क्षेत्रीय केंद्र, सेक्टर-12, चंडीगढ़ में आयोजित चार दिवसीय युवा रोजगार-आधारित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रीतम लाल ने दोनों विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में रोजगार-योग्यता और जीवनोपयोगी कौशल का विकास करना था। इसके तहत संवादात्मक सत्र, समूह गतिविधियां और व्यावहारिक अभ्यास आयोजित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, टीम भावना, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। साथ ही आत्मविश्वास, सहयोग की भावना और जिम्मेदार निर्णय लेने की क्षमता भी विकसित हुई, जिससे वे भविष्य के शैक्षणिक, व्यावसायिक और सामाजिक दायित्वों के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे।

हन्ना ओबर्ग का खूबसूरत अंदाज

नई दिल्ली। हन्ना ओबर्ग स्वीडन की प्रसिद्ध बायथलॉन खिलाड़ी हैं। उनका जन्म 2 नवंबर 1995 को हुआ था। उन्होंने 2018 शीतकालीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी पहचान बनाई। अपनी मेहनत, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन से उन्होंने विश्व स्तर पर सफलता हासिल की है।

फीफा विश्व कप | मिकेल मेरिनो ने दागा आखिरी मिनट में गोल

बेल्जियम को हराकर स्पेन सेमीफाइनल में

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

सुपर सब मिकेल मेरिनो ने लगातार दूसरे नॉकआउट मुकाबले में अंतिम क्षणों में गोल दागकर स्पेन को फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। स्पेन ने रोमांचक क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम को 2-1 से हराया और अब उसका सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा।

आर्सेनल के मिडफील्डर मेरिनो 86वें मिनट में मैदान पर उतरे और केवल दो मिनट बाद ही निर्णायक गोल कर स्पेन को जीत दिला दी। बेल्जियम के स्थानापन्न गोलकीपर सेन्ने लैमेंस ने पाउ क्यूबार्सी के शॉट को रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद सीधे मेरिनो के पास पहुंची और उन्होंने कोई गलती नहीं की। इससे पहले राउंड ऑफ-16 में भी मेरिनो ने पुर्तगाल के खिलाफ 91वें मिनट में विजयी गोल कर स्पेन को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया था।

मैच के बाद मेरिनो ने कहा, 'मेरे पास शब्द नहीं हैं। एक बार ऐसा होना ही अविश्वसनीय था, लेकिन लगातार दूसरी बार ऐसा होना और भी खास है। यह किस्मत नहीं, बल्कि तैयारी का नतीजा है। जब मैं मैदान पर उतरता हूं तो हमेशा टीम की मदद करने के लिए तैयार रहता हूं। मेरे साथी लगातार कह रहे थे कि मैं फिर गोल करूंगा। मैं हमेशा टीम के लिए योगदान देना चाहता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'किसी बड़े टूर्नामेंट में स्पेन के लिए यह मेरा तीसरा मैच विजयी गोल है। पिछले यूरो कप के क्वार्टर फाइनल में भी मैंने जर्मनी के खिलाफ 119वें मिनट में गोल किया था। अभी विश्व कप जीतने के लिए हमारे पास दो और मैच हैं और उम्मीद है कि हम यह सपना पूरा करेंगे। अपने परिवार के साथ इन पलों को जीना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।'

स्पेन के मुख्य कोच लुइस डी ला फुएंते ने मेरिनो की जमकर तारीफ करते हुए कहा, 'मिकेल अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। उनके पास कई शानदार गुण हैं और वह किसी भी पोजीशन पर खेल सकते हैं। जब भी हमें उनकी जरूरत होती है, वह हमेशा टीम के लिए खड़े रहते हैं।' स्पेन ने पहला गोल फाबियान रुइज के जरिए किया था, लेकिन बेल्जियम के चार्ल्स डी केटेलारे ने हाफ टाइम से पहले बराबरी दिला दी। दूसरे हाफ में बेल्जियम ने स्पेन के लगातार हमलों का मजबूती से सामना किया, लेकिन अंत में मेरिनो ने जीत दिला दी। अब स्पेन का सामना सेमीफाइनल में फ्रांस से होगा। दोनों टीमों की पिछली दो बड़ी भिड़ंतों में स्पेन ने जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले पर कोच डी ला फुएंते ने कहा, 'दो शानदार टीमें आमने-सामने होंगी। दोनों एक-दूसरे से सावधान रहेंगी। हमने उन्हें लगातार दो बार हराया है और इस बार भी उन्हें बाहर करने के लिए पूरी ताकत लगाएंगे।'

विंबलडन-2026 : जोकोविच को हराकर जैनिक सिनर फाइनल में

एजेंसी, लंदन

विश्व नंबर-1 और मौजूदा चैंपियन इटली के जैनिक सिनर ने विंबलडन 2026 के सेमीफाइनल में सात बार के चैंपियन सर्बिया के नोवाक जोकोविच को लगातार दूसरे साल मात देते हुए शानदार अंदाज में फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिनर ने जोकोविच को 6-4, 6-4, 6-4 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की, जहां उनका सामना रविवार को जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। 39 वर्षीय जोकोविच पूरे मुकाबले में लय हासिल नहीं कर सके। मैच के बाद उन्होंने अपनी हार को 'पुरानी शैली की एकतरफा हार' बताया और स्वीकार किया कि वह हर शॉट पर 'आधा कदम पीछे' रह गए।

सिनर ने पूरे मैच में शानदार सर्विस की। उन्होंने 16 ऐस लगाए, पहली सर्विस पर 88 प्रतिशत अंक जीते और दूसरी सर्विस पर भी 61 प्रतिशत अंक अपने नाम किए। उनकी सटीक सर्विस और आक्रामक खेल के सामने जोकोविच को कोई जवाब नहीं मिला। पूरे मुकाबले में जोकोविच को केवल एक ब्रेक प्वाइंट मिला और वह भी तीसरे सेट में, लेकिन सिनर ने उसे भी ऐस के साथ बचा लिया। इसके बाद एक दमदार स्मैश और फिर एक और ऐस लगाकर उन्होंने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा।

हार के बावजूद जोकोविच ने कहा, 'मैं शारीरिक रूप से ठीक महसूस कर रहा था। टूर्नामेंट की शुरुआत जितना तरोताजा नहीं था, लेकिन फिट था। सिनर आज मुझसे कहीं बेहतर थे और पूरे मैच में हावी रहे। उन्हें जीत की बधाई देनी होगी। उन्होंने शानदार खेल दिखाया।' वहीं, हार के बाद सर्बियाई खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अभी टेनिस खेलना चाहते हैं और अगले साल विंबलडन में वापसी की उम्मीद रखते हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

अदिति ने एवियन चैंपियनशिप में कट में बनाई जगह

एवियन-लेस-बैंस (फ्रांस): भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने दूसरे दौर में एक अंडर 70 का स्कोर बनाकर अमुंडी एवियन चैंपियनशिप के कट में जगह बनाई। लेडीज यूरोपियन टूर में पांच बार की विजेता अदिति का 36 होल के बाद कुल स्कोर दो अंडर है और वह संयुक्त 38वें स्थान पर हैं। अदिति अपना 38वां मेजर टूर्नामेंट खेल रही हैं, जो किसी भी भारतीय पुरुष या महिला गोल्फर के लिए एक बड़ा रिकॉर्ड है। वह इस प्रतियोगिता में नौ बार में से पांचवीं बार कट में जगह बनाने में सफल रही। उन्होंने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाई और इस बीच तीन बोगी भी की। इंग्लैंड की लॉटी वोड सात अंडर 64 का शानदार राउंड खेलकर आधे चरण के बाद 11 अंडर-पार के साथ शीर्ष पर पहुंच गई हैं।

अनिमेष ने 100 मीटर की दौड़ में दूसरा स्थान किया हासिल

एजेंसी, वेटजलर (जर्मनी)। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर ने विदेशी धरती पर किसी भारतीय का 100 मीटर दौड़ में अब तक का सबसे तेज समय निकालकर 'वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर चैलेंजर प्रतियोगिता फास्ट आर्म्स फास्ट लेग्स मीट' में दूसरा स्थान हासिल किया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 10.14 सेकंड के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ फिनिश लाइन पार की। उन्होंने इससे पहले क्वालीफाइंग में 10.19 सेकंड का समय निकाला था। फाइनल में निकाला गया उनका समय किसी भारतीय का दूसरा सबसे तेज समय है। गुरिंदरवीर सिंह ने मई में रांची में फेडरेशन कप में 10.09 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अनिमेष मुख्य रूप से 200 मीटर दौड़ में भाग लेते हैं और वह इस स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक भी हैं। वह ग्लास्गो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में पहली बार भाग लेंगे।

शॉटगन विश्व कप : नीरू ढांडा का शानदार प्रदर्शन

एजेंसी, लोनाटो (इटली): भारत की नीरू ढांडा ने आईएसएसएफ शॉटगन विश्व कप की महिला ट्रैप स्पर्धा में शानदार शुरुआत करते हुए क्वालीफाइंग के पहले तीन राउंड में लगातार 25-25 का परफेक्ट स्कोर बनाकर 75 अंक के साथ बढ़त हासिल कर ली। 26 वर्षीय मौजूदा एशियाई और राष्ट्रीय चैंपियन नीरू 106 निशानेबाजों में पहले स्थान पर हैं। उन्होंने अमेरिका की राहेल टोजियर और स्लोवाकिया की ज़ुज़ाना रेहाक स्टेफेसेकोवा पर दो अंक की बढ़त बना रखी है। मई में अल्माटी विश्व कप में मिश्रित ट्रैप टीम स्पर्धा का कांस्य जीत चुकी नीरू फाइनल की प्रबल दावेदार हैं। भारत की मनीषा कीर (69) 17वें और आशिमा अहलावत (61) 84वें स्थान पर हैं। क्वालीफाइंग के दो राउंड बाकी हैं, जिसके बाद शीर्ष आठ निशानेबाज फाइनल में जगह बनाएंगे। पुरुष ट्रैप में भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। अहवर रिजवी 70 अंक के साथ 59वें, शपथ भारद्वाज 68 अंक के साथ 103वें और काइनन चेनाई 67 अंक के साथ 117वें स्थान पर हैं, जिससे उनके पदक की दौड़ में बने रहने की संभावना बेहद कम हो गई है।

यामल की चेतावनी, सेमीफाइनल में स्पेन से डरकर रहे फ्रांस

एजेंसी, इंगलवुड (अमेरिका)

स्पेन के युवा स्ट्राइकर लामिन यामल ने फ्रांस के खिलाफ मंगलवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल से पहले शाब्दिक जंग शुरू करते हुए अपने कट्टर प्रतिद्वंदी से कहा है कि वह उनकी टीम से डरकर रहे। स्पेन ने बेल्जियम को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया अब उसका मुकाबला फ्रांस से होगा।

यामल ने मैच के बाद कहा, ''मेरा मानना है कि अगर फ्रांस को किसी से डरना चाहिए, तो वह हमारी टीम होनी चाहिए। हमने पहले भी उन्हें बड़ी प्रतियोगिताओं में बाहर का रास्ता दिखाया है।'' स्पेन ने 2024 यूरोपीय चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में फ्रांस को हराया था। उसने पिछले साल नेशंस लीग में भी उसे पराजित किया था। यामल तब इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में गोल करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।

बेल्जियम के खिलाफ मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए यामल ने कहा, ''हम किसी से नहीं डरते। यह स्पष्ट है कि यह मुकाबला दो दिग्गज टीमों के बीच होगा। मेरे लिए उनकी सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है। देखते हैं आगे क्या होता है।'' स्पेन और फ्रांस ने मौजूदा टूर्नामेंट में अभी तक एक भी मैच नहीं गंवाया है। स्पेन ने अभी तक केवल एक गोल खाया है जबकि फ्रांस ने अपने छह विश्व कप मैचों में 16 गोल दागे हैं।

फ्रांस पिछले दो विश्व कप फाइनल में पहुंचा है और 2018 में उसने खिताब जीता था। स्पेन केवल एक बार 2010 में विश्व कप फाइनल में पहुंचा है जब वह चैंपियन बना था।

भारतीय जीएम इनियन ने छठा ला प्लाग्ने ओपन जीता

एजेंसी, ला प्लाग्ने (फ्रांस)। भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियन ने यहां आयोजित छठे ला प्लाग्ने ओपन अंतरराष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट के मास्टर्स वर्ग में अपराजित रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। 23 साल के इनियन ने नौ दौर में 7.5 अंक हासिल कर खिताब जीता। भारतीय खिलाड़ी ने टूर्नामेंट में भी एक भी बाजी नहीं गंवाई। उन्होंने छह मुकाबले जीते और तीन ड्रॉ खेले जिससे वह स्पष्ट बढ़त के साथ चैंपियन बने। इस टूर्नामेंट में 20 देशों के 142 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 13 ग्रैंडमास्टर और 22 अंतरराष्ट्रीय मास्टर शामिल थे।

पहले दौर में वॉकओवर मिलने और दूसरे दौर का मुकाबला ड्रॉ रहने के बाद इनियन ने लगातार दो जीत दर्ज कर लय हासिल की। पांचवें दौर में एक और ड्रॉ के बाद उन्होंने लगातार तीन मुकाबले जीतकर खिताब लगभग सुनिश्चित कर लिया। इस दौरान उन्होंने तीसरे स्थान पर रहे इटली के ग्रैंडमास्टर लुका मोरोनी और उप विजेता रहे यूक्रेन के इंटरनेशनल मास्टर दानियिल मोसेसोव को महत्वपूर्ण मुकाबलों में हराया। अंतिम दौर से पहले इनियन एक अंक की बढ़त पर थे और खिताब जीतने के लिए उन्हें केवल ड्रॉ की दरकार थी। उन्होंने भारत के अंतरराष्ट्रीय मास्टर अरोन्याक घोष के खिलाफ अंतिम मुकाबला ड्रॉ खेलकर आराम से यह लक्ष्य हासिल किया और चैंपियन बने।

डायमंड लीग : कुशारे ने डेब्यू में जीता कांस्य, मोनाको में तीसरे स्थान पर

एजेंसी, मोनाको

भारत के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी सर्वेश कुशारे ने डायमंड लीग में अपने पहले ही मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की हाई जंप स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया। मोनाको में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में कुशारे ने 2.26 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर पोडियम पर जगह बनाई।

इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक यूक्रेन के ओलेह डोरोशचुक ने 2.32 मीटर की छलांग के साथ जीता, जबकि ग्रेट ब्रिटेन के किमानी जैक ने 2.30 मीटर के प्रयास के साथ रजत पदक अपने नाम किया। हालांकि, सर्वेश अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड 2.31 मीटर की बराबरी नहीं कर सके। उन्होंने यह रिकॉर्ड हाल ही में भुवनेश्वर में आयोजित 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बनाया था। उस दौरान उन्होंने तेजस्विन शंकर के 2.29 मीटर के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ा था।

डायमंड लीग से पहले सर्वेश और किमानी जैक दोनों का इस सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.31 मीटर था, जो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले 10 खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से सबसे बेहतर था। इस प्रतियोगिता में टोक्यो ओलंपिक के संयुक्त स्वर्ण पदक विजेता इटली के जियानमार्को ताम्बेरी और कतर के मुताज बरशीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके। ताम्बेरी 2.23 मीटर की छलांग के साथ संयुक्त छठे स्थान पर रहे, जबकि बरशीम 2.20 मीटर के प्रयास के साथ संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। सर्वेश का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है और आने वाले अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों से पहले उनके आत्मविश्वास को भी मजबूत करेगा।

ट्रंप बोले-मेरी हत्या की कोशिश हुई तो ईरान को मिलेगा करारा जवाब

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि उनकी हत्या की कोशिश की गई तो अमेरिका इसका सख्त जवाब देगा। ट्रंप ने यह बयान अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर दिया।

ट्रंप ने दावा किया कि अगर ईरान उनकी हत्या या हत्या के प्रयास जैसी किसी कार्रवाई को अंजाम देता है, तो अमेरिकी सेना को पहले से आवश्यक निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसी किसी भी स्थिति में निर्णायक कार्रवाई के लिए तैयार है।

ट्रंप ने अपनी पोस्ट में लिखा कि ईरान की ओर से कथित धमकी की स्थिति में अमेरिका ने व्यापक सैन्य तैयारी कर रखी है। हालांकि, उन्होंने अपने दावों के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप की हत्या की किसी आधिकारिक धमकी की पुष्टि नहीं की है। हालांकि, हाल के दिनों में ईरान में कुछ सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान ट्रंप विरोधी नारे और पोस्टर देखे जाने की मीडिया रिपोर्टें सामने आई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इसराइल ने भी ट्रंप के खिलाफ संभावित खतरे को लेकर अमेरिका को सतर्क किया था, लेकिन इस संबंध में कोई आधिकारिक विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है। हाल के महीनों में क्षेत्रीय सुरक्षा, सैन्य गतिविधियों और समुद्री मार्गों को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है।

पुस्तकालयों में युवाओं की भीड़ ही देश का भविष्य : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि उसके पुस्तकालयों में आने वाले युवाओं की संख्या से तय होता है। उन्होंने युवाओं से पुस्तकालयों से जुड़ने और अध्ययन की आदत विकसित करने का आह्वान किया। नई दिल्ली में जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय के उद्घाटन के अवसर पर शाह ने कहा कि ज्ञान और विवेक ही राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी ताकत हैं और पुस्तकालय इसका प्रमुख माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी विषय पर राय बनाने से पहले उसका गहन अध्ययन जरूरी है और पुस्तकालय इसके लिए सर्वोत्तम स्थान हैं।

शाह ने गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पुस्तकालयों के विकास का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां गांव-गांव में पुस्तकालय, केंद्रीय लाइब्रेरी और मोबाइल लाइब्रेरी वैन की व्यवस्था की गई है, जिससे छात्रों तक किताबें पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि दो मंजिला जयप्रकाश नारायण सार्वजनिक पुस्तकालय में 32 हजार से अधिक पुस्तकें, आधुनिक रीडिंग एरिया, शोध कक्ष, निशुल्क वाई-फाई और एक करोड़ से अधिक ई-पुस्तकों वाली ई-लाइब्रेरी उपलब्ध है। लोकनायक जयप्रकाश नारायण को श्रद्धांजलि देते हुए शाह ने उन्हें लोकतंत्र का प्रबल प्रहरी बताते हुए कहा कि उनका जीवन और विचार आज भी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

होर्मुज पर अमेरिका ने ईरान से मांगी खुली आवाजाही की गारंटी

एजेंसी, वॉशिंगटन/तेहरान

अमेरिका ने ईरान से रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी वाणिज्यिक जहाजों के लिए पूरी तरह खुला रखने और जहाजों पर किसी भी तरह के हमले या टोल नहीं लगाने की सार्वजनिक घोषणा करने की मांग की है। अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद है कि शनिवार को ओमान में होने वाली वार्ता के बाद तेहरान इस पर सकारात्मक रुख अपनाएगा।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका चाहता है कि ईरान स्पष्ट आश्वासन दे कि होर्मुज से गुजरने वाले सभी नौवहन मार्ग खुले रहेंगे और किसी जहाज से शुल्क नहीं लिया जाएगा। वैश्विक समुद्री तेल और एलएनजी व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलमार्ग से गुजरता है, इसलिए इसकी सुरक्षा अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है।

अमेरिकी अधिकारियों ने संकेत दिया है कि यदि ओमान वार्ता के बाद ईरान अपेक्षित रुख नहीं अपनाता, तो उसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। एक अधिकारी ने कहा कि तेहरान के अगले कदम पर अमेरिका की प्रतिक्रिया निर्भर करेगी। इस बीच, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वार्ता जारी रहेगी, लेकिन साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि 'युद्धविराम खत्म हो गया है।'

उधर, ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने ट्रंप के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि तेहरान ने नए दौर की वार्ता का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो ईरान जवाबी कार्रवाई करेगा। ईरानी मीडिया के मुताबिक, विदेश मंत्री अब्बास अरागची शनिवार को ओमान में क्षेत्रीय मध्यस्थों से मुलाकात करेंगे, जहां तनाव कम करने और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर चर्चा होने की संभावना है।

विरोध | राम मंदिर चढ़ावा मामले पर कांग्रेस ने पीएम मोदी से मांगा जवाब

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में प्रेस कांफ्रेंस कर स्थिति स्पष्ट करें मोदी : कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने कहा है कि अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले के कारण करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को गहरा आघात पहुंचा है इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रेस कांफ्रेंस कर इस मामले में देश के सामने स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी, दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव तथा प्रदेश कांग्रेस महासचिव अनिल भारद्वाज ने शनिवार को यहां दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि मामले में निष्पक्ष कार्रवाई के बजाय लीपापोती की जा रही है। उनका कहना था कि सामान्यत: ऐसे मामलों में प्राथमिकी दर्ज होती है लेकिन यहां सीधे एसआईटी का गठन किया गया है।

एसआईटी गठित होने से पहले ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के खिलाफ न तो प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही उन्हें जांच के दायरे में लाया गया जबकि कार्रवाई केवल निचले स्तर के लोगों तक सीमित रखी गई है। पार्टी नेताओं ने राम मंदिर ट्रस्ट पर अनाप शनाप खर्च करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि मनमाने तरीके से छोटे छोटे कार्यक्रमों पर पैसा खर्च किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि 22 जनवरी 2024 के कार्यक्रम पर 113 करोड़ रुपये और एक अन्य कार्यक्रम पर 10 करोड़ रुपये से अधिक खर्च दिखाया गया है। उनका कहना था कि राम भक्तों के दान का दुरुपयोग किया गया है, जिससे ट्रस्ट की साख और करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास को ठेस पहुंची है।

उन्होंने पूरे मामले की व्यापक एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी वक्ता बहुत अच्छे हैं लेकिन वह उसी मामले में बोलते हैं जो वह चाहते हैं। उनका कहना था कि चढावा चोरी का मामला बहुत गंभीर है लेकिन आश्चर्य की बात है कि श्री मोदी ने अब तक इस मामले पर एक शब्द भी नहीं कहा । कांग्रेस ने मांग की है कि प्रधानमंत्री प्रेस कांफ्रेंस कर देश के सामने स्थिति स्पष्ट करें।

इंडिगो 4 अगस्त से देवघर से गुवाहाटी के लिए शुरू करेगी सीधी उड़ान

- देवघर और गुवाहाटी के बीच इंडिगो की सीधी उड़ान शुरू
- सप्ताह में दो दिन चलेगी इंडिगो की सीधी फ्लाइट

एजेंसी, नई दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देवघर और गुवाहाटी के बीच सीधी विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। यह नई विमान सेवा 4 अगस्त से शुरू होगी और सप्ताह में दो दिन मंगलवार तथा शुक्रवार को संचालित की जाएगी। इस पहल से झारखंड के धार्मिक शहर देवघर और पूर्वोत्तर भारत के प्रमुख शहर गुवाहाटी के बीच हवाई संपर्क मजबूत होगा।

इंडिगो के अनुसार इस नई उड़ान सेवा से यात्रियों को दोनों क्षेत्रों के बीच आने जाने में काफी सुविधा मिलेगी। अब यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अन्य मार्गों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। यह सेवा विशेष रूप से उन श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए लाभदायक होगी जो देवघर स्थित प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम के दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

देवघर देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल है जहां हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए आते हैं। वहीं गुवाहाटी पूर्वोत्तर भारत का महत्वपूर्ण केंद्र है जो व्यापार शिक्षा पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए जाना जाता है। दोनों शहरों के बीच सीधी उड़ान शुरू होने से धार्मिक पर्यटन के साथ साथ आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

इंडिगो ने बताया कि यात्री इस विमान सेवा के लिए टिकट की बुकिंग कंपनी की वेबसाइट मोबाइल ऐप और अधिकृत यात्रा एजेंटों के माध्यम से कर सकते हैं।

इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित ऊर्जा पर ब्रिक्स में बढ़ेगा सहयोग

भारत बनाएगा स्मार्ट और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था में नई मिसाल: गडकरी

एजेंसी, नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने ब्रिक्स समूह में टिकाऊ, सुरक्षित, समावेशी और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए परस्पर सहयोग बढ़ाने की ज़रूरत पर बल देते हुए सभी देशों से मिलकर काम करने का आह्वान किया है।

श्री गडकरी ने नागपुर ब्रिक्स देशों के परिवहन मंत्रियों की तीसरी बैठक का उद्घाटन करते हुए शनिवार को कहा कि बैठक में विचार के लिए परिवहन व्यवस्था का जो एजेंडा तैयार किया है ,वह महत्वपूर्ण है क्योंकि बदलती अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिवहन भविष्य की सबसे बड़ी चुनौती है और इस चुनौती पर समूह के सभी देशों का मिलकर ध्यान देना आवश्यक हो गया है।

उन्होंने कहा कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच परिवहन क्षेत्र में सहयोग से काम करने की जरूरत है क्योंकि ब्रिक्स देशों में अर्थव्यवस्थाएं तेजी से बदल रही हैं और बदलती अर्थव्यवस्थाओं के बीच इस समूह में नवाचार, साझेदारी और साझा जिम्मेदारी के जरिए पूरी वैश्विक परिवहन व्यवस्था की दिशा तय करने की क्षमता है। नागपुर में भारत की अध्यक्षता में आयोजित तीसरी ब्रिक्स परिवहन मंत्रियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री गडकरी ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय 'बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी' है, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना और 'मानवीयता प्रथम' दृष्टिकोण से प्रेरित है।